22 फरवरी 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

पटना शहर की 20 सड़कों का होगा कायाकल्प, बनेगा नया एयरपोर्ट

2

रफ्तार का कहर: महाकुंभ से लौटने और जाने के दौरान हुए तीन अलग-अलग सड़क हादसों ने छीनी जिंदगियां

सांसद पप्पू यादव की भांजी समेत 16 लोगों की मौत

भयानक हादसा... ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठी महिला का सिर कटकर सड़क पर गिरा, सड़क दुर्घटना पर सीएम नीतीश कुमार ने जताया शोक

- गाजीपुर के बिरनो थाना के पास सांसद की भांजी की कार हाइवे पर खड़े ट्रक से टकरा गई
- हादसे में कार सवार पांच में से चार लोगों की दर्दनाक मौत

केटी न्यूज/पटना-वाराणसी

तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चालन लोगों की जान ले रहा है। लगातार बढ़ते सड़क हादसों के बाद भी लोग बेपरवाह बन वाहन चला रहे हैं। नतीजा मौतें हो रही हैं। ताजा मामला गुरुवार की देर रात और शुक्रवार की सुबह का है। महाकुंभ से लौटने और जाने के दौरान हुए तीन अलग-अलग सड़क हादसों में 15 लोगों की मौत हो गई। इसमें पूर्णियां सांसद पप्पू यादव की भांजी भी शामिल हैं। महाकुंभ के स्नान ने कई लोगों के लिए जिंदगी भर का गम दे दिया है। पहली घटना उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में हुई। इसमें पूर्णिया सांसद पप्पू यादव की भांजी समेत चार लोगों की मौत हो गई। मृतक भांजी डॉ. सोनी यादव अपनी बुआ और अन्य लोगों के साथ कार से महाकुंभ स्नान के लिए गई थीं लेकिन लौटते वक्त उनकी कार वाराणसी-गोरखपुर हाइवे पर गिट्टी लदे एक ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में सोनी समेत 4 लोगों की मौत हो गई।

डॉ. सोनी अपनी बुआ व अन्य लोगों के साथ गई थीं महाकुंभ

दरअसल, अररिया जिले की डॉ. सोनी यादव अपनी बुआ, एक असिटेंट, एक परिचित एमआर और ड्राइवर के साथ प्रयागराज महाकुंभ में स्नान कर वापस बिहार जा रही थीं। इसी दौरान गाजीपुर के बिरनो थाना के पास उनकी कार हाइवे पर खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, कार में बैठे चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। गाजीपुर पुलिस के मुताबिक, गाजीपुर के बिरनो थाने के वाराणसी-गोरखपुर हाइवे पर ये भीषण सड़क हादसा हुआ है। मृतक बिहार के अररिया जिले के पलासी थाना इलाके के रहने वाले थे, जो प्रयागराज से महाकुंभ में स्नान कर वापस जा रहे थे। हादसे में घायल एक शख्स को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉ. सोनी पूर्णिया में अपने पति के साथ नर्सिंग होम चलाती थीं। हादसे में डॉ सोनी यादव, ड्राइवर सलाउद्दीन, सोनी यादव की बुआ और एमआर अरविंद यादव की मौत हो गई जबकि, डॉ सोनी यादव का सहायक विपिन शाह गंभीर रूप से घायल है, जिसका अभी इलाज चल रहा है। भांजी की मौत की खबर मिलते ही पप्पू यादव भावुक हो गए. वह परिजनों के गले लगकर फूट-फूट कर रोने लगे। उन्होंने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि मृतकों की डेड बॉडी को गाजीपुर से बिहार लाने का प्रबंध किया। ईश्वर इस दुखद घड़ी में परिवार को संबल प्रदान करे।

मिर्जामुराद के पास सड़क हादसे में छह लोगों की मौत

वाराणसी। वाराणसी के मिर्जामुराद के पास कर्नाटक की कार का भीषण एक्सीडेंट हुआ, जिसकी वजह से पति-पत्नी समेत 6 लोगों की मौत हो गई। कार में बैठे श्रद्धालु महाकुंभ जा रहे थे। हाईवे पर श्रद्धालुओं की कार खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। यह हादसा शुक्रवार सुबह जीटी रोड पर मिजार्मुराद के पास हुआ। क्रूजर जीप में करीब 11 लोग सवार थे, जो कर्नाटक के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि जीप की स्पीड काफी तेज थी। इसके साथ ही, आशंका जताई जा रही है कि जीप चलाते समय ड्राइवर को झपकी आ गई, जिसकी वजह से ट्रक से जीप टकरा गई। चीख-पुकार सुनने के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस ने श्रद्धालुओं को कार से निकालने की कोशिश की, लेकिन वह असफल रहे। इसके बाद, क्रेन की मदद से ट्रक और जीप को अलग किया गया। क्रूजर जीप को काटकर घायल परिजनों को जीप से बाहर निकाला गया। इस हादसे में ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठी महिला का सिर कटकर सड़क पर गिर गया। जब यह हादसा हुआ तो ट्रक ड्राइवर मौजूद नहीं था। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे से 2 घंटे पहले ही ट्रक ड्राइवर ने सड़क पर ट्रक को खड़ा कर दिया था।

जगदीशपुर में ट्रक में घुसी कार, छह की मौत

- घटना में पति-पत्नी, बेटे समेत एक ही परिवार के छह लोगों की चली गई जान
- पटना के जनकपुर थाना क्षेत्र के जनकपुर सुदामा कॉलोनी के निवासी थे सभी

आरा। भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दुल्हीनगंज बाजार स्थित पेट्रोल पंप के समीप नेशनल हाई-वे पर सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई। घटना गुरुवार की देर रात की है, जिसमें नेशनल हाई-वे पर सड़क किनारे खड़ी एक ट्रक को पीछे से अनियंत्रित कार ने जोरदार टक्कर मार दी। घटना में कार सवार पति-पत्नी, बेटे समेत छह लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है सभी प्रयागराज से कुंभ स्नान कर वापस पटना लौट रहे थे, लेकिन रास्ते में ही सभी काल के गाल में समा गए।

दो गाड़ियों में चले थे एक ही परिवार के 13 लोग : घटना के संबंध में बताया जाता है कि मृतकों में पटना जिले के जनकपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जनकपुर सुदामा कॉलोनी के निवासी 62 वर्षीय संजय कुमार, उनकी 58 वर्षीया पत्नी करुणा देवी, 25 वर्षीय बेटा लाल बाबू सिंह, कौशलेंद्र कुमार की बेटी व मृतक संजय कुमार की भतीजी प्रियम कुमारी, घोसवरी थाना क्षेत्र के कड़ड़ा गांव निवासी चंद्रभूषण प्रसाद की 25 वर्षीया बेटी जूही रानी एवं कुम्हरार गांव निवासी आनंद सिंह की 25 वर्षीया पत्नी आशा किरण शामिल है। मृतक संजय कुमार पटना स्थित एनसीसी

ऑफिस में हेड कलर्क के पद से रिटायर्ड हुए थे। मृतक संजय कुमार की बहन कुसुम देवी ने बताया कि बुधवार की रात पटना से स्कॉर्पियो में सात एवं बलेनो कार में छह लोग बैठकर प्रयागराज कुंभ स्नान करने गए थे। सभी एक ही परिवार के सदस्य थे। गुरुवार की रात जब वे लोग वापस अपने घर पटना लौट रहे थे। लौटने के क्रम में बलेनो कार पर उनके भाई संजय कुमार, भाभी करुणा देवी, भतीजा लाल बाबू सिंह, भतीजी प्रियम कुमारी व उनकी रिश्तेदार जूही रानी एवं आशा किरण बैठी थी। जबकि कुसुम देवी उनकी भाभी अनीता देवी, उनके भाई कौशलेंद्र कुमार सहित सात लोग स्कॉर्पियो पर सवार थे।

आगे आगे चल रही थी बलेनो : कुसुम देवी ने बताया कि उनकी स्कॉर्पियो पीछे थी और बलेनो कार आगे थी। जैसे ही उन लोगों की बेलेनो दुल्हीनगंज बाजार स्थित पेट्रोल पंप के समीप पहुंची। इस दरमयां बेलेनो कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बेलेनो पर सवार सभी की मौत हो गई।

महाकुंभ में नहाती महिलाओं के वीडियो बनाकर बेचने के मामले में यूट्यूबर समेत तीन गिरफ्तार

एजेंसी/गांधीनगर

गुजरात पुलिस ने महाकुंभ में नहाती महिलाओं के वीडियो बनाकर बेचने के मामले में प्रयागराज के यूट्यूबर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर इस तरह के वीडियो यूट्यूब और टेलीग्राम पर अपलोड करने का आरोप है। छानबीन में इनके पास से महिलाओं के आपत्तिजनक फुटेज मिले हैं। दरअसल, गुजरात पुलिस राजकोट स्थित एक अस्पताल में महिलाओं के चेकअप के वीडियो यूट्यूब पर अपलोड किए जाने के मामले की जांच कर रही थी। इसी सिलसिले में उसने महाराष्ट्र के लातूर से प्रज्वल अशोक तेली और सांगली से राजेंद्र पाटिल को गिरफ्तार किया। उनसे पूछताछ के आधार पर प्रयागरात के यूट्यूबर चंद्रप्रकाश फूलचंद को गिरफ्तार किया।

अहमदाबाद साइबर अपराध पुलिस उपायुक्त लवीना सिन्हा ने बताया कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज निवासी चंद्र प्रकाश ने कुछ महीने पहले 'सीपी मोंडा' नाम से एक यूट्यूब चैनल शुरू किया था और जिस पर उसने

वीडियो बेचकर कमाए लाखों रुपए

सिन्हा ने बताया कि टेलीग्राम के जरिए दोनों इन क्लिपों को 800 रुपये से 2000 रुपये में बेचते थे। दोनों ने अश्लील क्लिपों को ऑनलाइन बेचकर 7-8 महीनों में 8 से 9 लाख रुपये कमाए थे। नके उपकरणों से सार्वजनिक स्थानों सहित लगभग 2,000 क्लिप मिलीं। चंद्रप्रकाश के चैनल पर महाकुंभ के 55 से 60 वीडियो अपलोड किए गए थे। जांच में पता चला कि तीनों ने महाकुंभ में स्नान करती महिलाओं के वीडियो दूसरे चैनलों को भी बेचे थे।

महाकुंभ में स्नान कर रही महिला तीर्थयात्रियों के वीडियो अपलोड किए थे। चंद्र प्रकाश को प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया है। सिन्हा बताया कि जबकि तेली और पाटिल ने हैकर्स के जरिए महिला मरीजों के वीडियो हासिल किए थे। वहीं चंद्र प्रकाश ने अन्य यूट्यूब चैनलों से वीडियो डाउनलोड किए और हाल ही में उन्हें अपने चैनल पर अपलोड किया था।

गुजरात में बस और ट्रक के बीच टक्कर में सात लोगों की मौत

एजेंसी/गांधीनगर

गुजरात के कच्छ में शुक्रवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई। हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं. बताया जा रहा है कि हादसा कच्छ जिला के भुज में हुआ। जहां एक निजी बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। हादसे में घायल हुए लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, हादसा कच्छ जिले के केरा और मुंद्रा के बीच हुआ. जहां एक निजी बस और ट्रक के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि बस में 45 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और राहत बचाव शुरू कर दिया। वहीं कुछ लोगों ने आपातकालीन नंबर पर कॉल कर पुलिस को घटना की सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई। उसके बाद बस में सवार लोगों को बाहर निकाला गया। जबतक लोगों को निकाला जाता तब तक नौ लोग दम तोड़ चुके थे। वहीं 38 लोगों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

सीएम भूपेंद्र पटेल ने जताया दुख: कच्छ में हुए सड़क हादसे पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

भारत-बांग्लादेश नई हॉटलाइन स्थापित करने पर सहमत, सीमा पर बाड़ लगाने की आवश्कता पर जोर

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत और बांग्लादेश ने अपने-अपने सीमा सुरक्षा बलों के उप कमांडरों के बीच संचार संपर्क के लिए एक नई हॉटलाइन स्थापित करने का फैसला लिया है। वहीं, अपनी साझा सीमा पर बाड़ लगाने के लिए लगभग 99 नए क्षेत्रों की पहचान भी की है। यह निर्णय सीमा सुरक्षा बल और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के महानिदेशकों के बीच हुई द्विवार्षिक बैठक में लिया गया। यह बैठक 18 फरवरी से 20 फरवरी तक चली और गुरुवार को समाप्त हुई। पिछले वर्ष बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद यह पहली उच्च-स्तरीय बैठक थी। बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई, जिसमें भारतीय पक्ष ने बांग्लादेश को शेष 4,096 किमी लंबी सीमा पर बाड़ लगाने की आवश्यकता के बारे में आश्वस्त किया। बैठक में दोनों देशों के बीच एक नई 'हॉटलाइन' स्थापित करने पर सहमति बनी है। यह हॉटलाइन कोलकाता स्थित बीएसएफ पूर्वी कमान के

अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) और ढाका में स्थित बीजीबी मुख्यालय के उनके समकक्ष अधिकारी के बीच स्थापित की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि इस नई संचार व्यवस्था को आधिकारिक रिकॉर्ड में पहली बार शामिल किया गया है। वर्तमान में, बीएसएफ और बीजीबी के प्रमुखों के बीच, क्षेत्रीय कमांडर, सेक्टर कमांडर और अन्य फील्ड-स्तरीय अधिकारियों के बीच संचार लिंक मौजूद हैं। इन हॉटलाइन का उपयोग सीमा से संबंधित मुद्दों और सीमा पार अपराधों की घटनाओं की तत्काल सूचना के लिए किया जाता है।

ईडी ने बीबीसी इंडिया पर लगाया 3.44 करोड़ रुपए का जुर्माना

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन के मामले में बीबीसी इंडिया पर 3.44 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही, ईडी ने बीबीसी इंडिया के तीन निदेशकों झ जाइल्स एंथनी हंट, इंदु शेखर सिन्हा और पॉल माइकल झ पर भी व्यक्तिगत रूप से 1.14 करोड़ रुपए का जुमार्ना लगाया है। इन निदेशकों पर यह जुमार्ना कंपनी के संचालन की देखरेख में उनकी भूमिका के लिए लगाया गया है। ईडी के अनुसार, यह कार्रवाई जांच के बाद की गई, जिसमें पाया गया कि बीबीसी इंडिया ने फेमा के प्रावधानों का पालन नहीं किया। बता दें कि इससे पहले 14 फरवरी, 2023 को बीबीसी इंडिया के दफ्तरों पर आईटी की छापेमारी हुई थी। यह कार्रवाई दिल्ली और मुंबई में स्थित बीबीसी के कार्यालयों पर हुई, जो तीन दिनों तक चली।

रेल मंत्रालय का निर्देश... नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ से जुड़े वीडियो को हटाए ट्विटर

एजेंसी/नई दिल्ली

रेल मंत्रालय ने ट्विटर को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हाल ही में हुई भगदड़ में हताहतों के वीडियो वाले 285 सोशल मीडिया लिंक हटाने का निर्देश दिया है। रिपोर्ट के अनुसार 15 फरवरी की भगदड़ से संबंधित मंत्रालय का यह आदेश पिछले साल दिसंबर में सीधे हटाने की शक्ति पाने के बाद से इसकी पहली बड़ी प्रवर्तन कार्रवाई है। मंत्रालय द्वारा 17 फरवरी को एक्स को भेजे गए नोटिस में कहा गया है, यह न केवल नैतिक मानदंडों के खिलाफ है, बल्कि एक्स डॉट कॉम की सामग्री नीति के भी खिलाफ है, क्योंकि इस तरह के वीडियो को साझा करने से कानून और व्यवस्था की स्थिति पैदा हो सकती है। नोटिस में कहा गया है कि इन दिनों ट्रेनों की भारी भीड़ को देखते हुए यह सामग्री भारतीय रेलवे के संचालन को प्रभावित कर सकती है। नोटिस में एक्स को कई एकाउंट से पोस्ट हटाने के लिए 36 घंटे की समयसीमा तय की गई है, जिसमें प्रमुख समाचार नेटवर्क शामिल हैं, जिसमें मृत व्यक्तियों को चित्रित करने वाले संवेदनशील या परेशान करने वाले मीडिया के बारे में चिंता जताई गई है।

पिछले साल दिसंबर में रेल मंत्रालय ने सूचना और प्रचार के कार्यकारी निदेशक को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 (3) (बी) के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को सीधे नोटिस जारी करने का अधिकार दिया था।

पीएम मोदी ने दिल्ली में 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन का किया उद्घाटन

संघ के कारण ही मराठी परंपरा से जुड़ने का सौभाग्य मिला: मोदी

एजेंसी/नई दिल्ली

पीएम मोदी ने शुक्रवार को कहा कि 100 वर्ष पहले जिस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का बीज बोया गया था, वह आज एक वट वृक्ष के रूप में भारत की महान संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचा रहा है। पीएम मोदी ने आगे कहा, 'यह उनका सौभाग्य है कि उनके जैसे लाखों लोगों को इस संगठन ने देश के लिए जीने की प्रेरणा दी है।'

राष्ट्रीय राजधानी स्थित विज्ञान भवन में आयोजित 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन

में प्रधानमंत्री ने कहा कि मराठी भाषा अमृत से भी बढ़कर मीठी है और वह इस भाषा को बोलने का प्रयास और इसके नए शब्दों को सीखने की कोशिश निरंतर करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस के कारण ही उन्हें मराठी भाषा और मराठी परंपरा से जुड़ने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है जब छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के 350 वर्ष पूरे हुए हैं, जब अहिल्याबाई होल्कर की जयंती का 300वां वर्ष है और कुछ ही समय पहले बाबा साहेब आंबेडकर के प्रयासों से बने देश के संविधान ने भी अपने 75 वर्ष पूरे किए हैं।

उन्होंने कहा, 'आज हम इस बात पर भी गर्व करेंगे कि महाराष्ट्र की धरती पर मराठी भाषी एक महापुरुष ने 100 वर्ष पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का बीज बोया था। आज ये एक वट वृक्ष के रूप में अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है।' उन्होंने कहा, 'वेद से विवेकानंद तक भारत की महान परंपरा और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक संस्कार यज्ञ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से चला रहा है। मेरा सौभाग्य है कि मेरे जैसे लाखों लोगों को आरएसएस ने देश के लिए जीने की प्रेरणा दी है। संघ के ही कारण मुझे मराठी भाषा और मराठी परंपरा से जुड़ने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान पिछले दिनों मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने का भी उल्लेख किया और कहा कि देश और दुनिया में 12 करोड़ मराठी भाषी लोगों को इसका दशकों से इंतजार था। उन्होंने कहा, 'यह काम पूरा करने का अवसर मुझे मिला।

मधेपुरा एसपी ने पुलिस के 31 अधिकारियों के खिलाफ दर्ज कराया एफआईआर

- डीजीपी के निर्देश पर हुई कार्रवाई से मचा हड़कंप
- आपराधिक मामलों का अनुसंधान पूरा करने के बजाय फाइल दबा कर बैठे थे पुलिस कर्मी

केटी न्यूज/मधेपुरा

मधेपुरा पुलिस ने अपने ही 31 पदाधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। डीजपी विनय कुमार के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मचा है।

एफआईआर के बाद ऐसे पुलिसकर्मियों के निलंबन से लेकर बर्खास्तगी तक की कार्रवाई की जा सकती है। डीजीपी के आदेश के बाद मधेपुरा के एसपी ने अपने महकमे को दुरूस्त करने की कवायद शुरू की है। ऐसे पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, जो आपराधिक मामलों का अनुसंधान पूरा करने के बजाय फाइल दबा कर ही बैठक गये। उन्हें पहले वार्निंग दी गयी थी, फिर भी नहीं संभले।

दरअसल बिहार के डीजीपी ने आपराधिक मामलों की छानबीन में देरी पर गहरी नाराजगी जतायी है। डीजीपी ने सभी एसपी को ऐसे पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है, जो अनुसंधान की फाइल दबा कर बैठे हैं। डीजीपी के आदेश बाद मधेपुरा एसपी ने समीक्षा की तो पुलिस के कारनामे सामने आ गये। आलम ये है कि जिले के सिर्फ थाना सदर थाना की समीक्षा में 31 पुलिस पदाधिकारियों की लापरवाही सामने आई। आपराधिक मामलों का अनुसंधान करने की जिम्मेवारी जिन अधिकारियों को दी गयी थी, वे 10-12 साल से मामले को दबा कर बैठे थे। एसपी की समीक्षा में इसकी जानकारी मिलने के बाद इन अधिकारियों के खिलाफ दर्ज की गई है। वहीं दूसरी ओर इस संभावना जतायी जा रही है कि सूबे के अन्य जिलों में भी तरह की समीक्षा हो सकती है।

36 केस दबा कर बैठा था एक दारोगा

मधेपुरा के सदर थाने में दर्ज एफआईआर की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष विमलेंदु कुमार ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(5), 3(5) के तहत केस संख्या-230/25 दर्ज किया गया है। जिन पुलिस पदाधिकरियों के पास केस लंबित हैं उन्हें कई बार पत्र लिखकर कांड का प्रभार सौंपने या फिर फिर अनुसंधान को पूरा करने को कहा गया लेकिन न तो किसी ने प्रभार सौंपा और न ही केस के निष्पादन की दिशा में कोई कार्रवाई की। मधेपुरा सदर थाने में 2013 से 2019 तक के करीब 100 ऐसे केस हैं, जिनका अनुसंधान अब तक पूरा नहीं हुआ है। एक सब इंस्पेक्टर तो पूरे 36 केस को दबा कर बैठा है. एसआइ महेश कुमार यादव के पास तीन दर्जन केस लंबित है। 2013 से लेकर 2017 तक के इन लंबित मामलों का अनुसंधान पूरा करने में महेश कुमार यादव ने कोई रुचि नहीं दिखाई। इसी तरह एसआइ नन्दकिशोर सिंह के पास एक दर्जन केस पेंडिंग है। कई दूसरे पुलिस अधिकारियों के पास भी दो-चार केस लंबित है। जिन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। उनमें सहरसा यातायात थाना के थानेदार रविश रंजन और सुपौल जिले में थानेदारी कर रहे सियावर मंडल शामिल है।

इन पुलिसकर्मियों पर दर्ज हुआ केस

मधेपुरा सदर थाने में जिन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी गयी है उनमें एसआई महेश कुमार यादव, एसआई रविश रंजन, एसआई गोपाल कृष्ण, एएसआई विन्देश्वर राम, एएसआई प्रेमचन्द्र पासवान, एसआई सियावर मंडल, एसआई किशोर कुमार, एसआई उमेश पासवान, एएसआई अनिल कुमार सिंह, एसआई अनंत कुमार, एसआई पशुपति सिंह, एएसआई गणेश प्रसाद, एसआई महेश कुमार यादव, एएसआई विनोद कुमार मिश्रा, एसआई राजेश चौधरी, एसआई रामाश्रय शर्मा, एएसआई सुभाष चंद्र नारायण, एसआई लक्ष्मण राम, एसआई अशोक कुमार साह, एसआई प्रवीण ठाकुर, एएसआई मदन मोहन सिंह, एसआई नितेश कुमार, एएसआइ नंदकिशोर सिंह, एएसआई चंदेश्वर राम, एसआई सत्येंद्र नारायण सिंह, एसआई सुरेश राम, एसआई महेश कुमार रजक, एसआई पशुराम दास, एसआई गंगा सागर, एसआई रविंद्र प्रसाद सिंह और एसआई नवीन कुमार सिंह शामिल हैं। वहीं सभी पुलिस कर्मियों को इस बात का डर है कि समीक्षा के बाद उनपर भी गाज नहीं गिर जाए।

प्रगति यात्रा : बनेंगे कई जगहों पर पार्क, आधुनिक पार्किंग, मिलेगी सहूलित

पटना शहर की 20 सड़कों का होगा कायाकल्प, बनेगा नया एयरपोर्ट

केटी न्यूज/पटना

प्रगति यात्रा पर निकले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में अपने यात्रा का समापन किया। इस दौरान नीतीश कुमार ने पटना शहर के साथ साथ आस-पास के इलाकों का पूरी तरह से कायाकल्प करने का ऐलान किया। प्रगति यात्रा पर निकले नीतीश कुमार ने पटना में अपनी यात्रा का समापन किया। अपनी यात्रा के अंतिम दिन नीतीश कुमार ने पटना के लिए 30 बड़ी घोषणायें कर दी। इससे पटना शहर की सूरत ही बदल जावेगी। नीतीश कुमार ने पटना शहर की कई प्रमुख सड़कों का कायाकल्प करने के साथ साथ एक और नया एयरपोर्ट बनाने का ऐलान किया है। वहीं कई जगहों पर नये पार्क और पार्किंग बनाने की भी घोषणा की गयी है।

प्रगति यात्रा के आखिरी दिन नीतीश कुमार ने 1404 करोड़ की योजनाओं की भी सौगात दी। उन्होंने 845 करोड़ की विकास योजनाओं का उद्घाटन किया। वहीं, करीब 560 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास किया। नीतीश के हाथों आज 623 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया।जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत जोड़ा तालाब, बेढना पश्चिमी का मत्स्य पालन के लिए जीविका ग्राम संगठनों को पांच वर्षों के लिए निःशुल्क आवंटन किया गया। एनर्जी चैंपियन को ई-साइकिल और ग्राम पंचायत में अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने बाढ़ स्थित बाबा उमानाथ मंदिर के परिसर में धर्मशाला, विवाह मंडप, गंगा तट पर सीढ़ी घाट, रिवर फ्रंट डेवलेपमेंट, सती घाट पर विद्युत शवदाह गृह जैसी सुविधाओं के लिए स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने इसे जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा की सबसे अहम बात रही पटना शहर की सूरत बदलने की घोषणा।

शहर के सभी जगहों पर बिजली के तार होंगे अंडरग्राउंड

राजधानी पटना में एक एयरपोर्ट पहले से चालू है। वहीं, बिहटा में नये एयरपोर्ट का निर्माण शुरू होने वाला है। सीएम ने ऐलान किया है कि वे पटना के पास एक और नये एयरपोर्ट का निर्माण करायेंगे। इसके लिए केंद्र सरकार से बात कर पटना शहर के पास एक नये अंतर्राष्ट्रीय ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण करना का अनुरोध किया जायेगा।

शहर के सभी जगहों पर बिजली के तार अंडरग्राउंड होंगे : नीतीश कुमार ने ऐलान किया है कि पटना शहर के सभी इलाकों में बिजली के तारों को अंडरग्राउंड किया जायेगा। वैसे कुछ हिस्सों में पहले से ही बिजली के तार को भूमिगत किया जा चुका है। लेकिन पूरे शहरी क्षेत्र में बिजली के तारों को चरणबद्ध तरीके से भूमिगत कराया जायेगा। सीएम ने पटना जिले के 13 प्रखंडों नौबतपुर, पालीगंज, बाढ़, बिहटा, मसौढ़ी, मोकामा, विक्रम, धनरूआ, पंडारक, फतुहा, घोसवरी, पुनपुन और मनेर में नये प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवन का निर्माण कराने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने पटना शहरी क्षेत्र में कई सडकों की सूरत बदलने का ऐलान किया है। देखिये किन सड़कों का कायाकल्प करने का ऐलान किया गया है। जे०पी० गंगा पथ (मरीन ड्राइव) को पश्चिम की ओर कोइलवर के वीर कुँवर सिंह सेतु तक तथा पूरब की ओर मोकामा के राजेन्द्र सेतु तक विस्तार किया जायेगा। यानि कोईलवर से गंगा पथ पकड़िये और सीधे मोकामा पहुंच जाइये। बीच में पड़ने वाले पटना शहर, सिटी, फतुहा, बख्तियारपुर जैसे शहरों की भीड़ नहीं झेलनी होगी। हालांकि इन स्थानों की कनेक्टिंग इस पथ से होगी। इसके लिए पुराने राष्ट्रीय उच्च पथ 31 का चौड़ीकरण करते हुये विस्तार किया जायेगा। बेली रोड (नेहरू पथ) में रूपसपुर नहर से सगुना मोड़ तक भूमिगत नाले के निर्माण के साथ रोड का निर्माण और इसका चौड़ीकरण किया जायेगा।खगौल से बेली रोड होते हुए अशोक राजपथ तक रूपसपुर नहर रोड का चौड़ीकरण और निर्माण किया जायेगा। बेली रोड (नेहरू पथ) से गोला रोड का चौड़ीकरण किया जायेगा, इसे फोरलेन सड़क बनाया जायेगा।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने इसके लिए समय सीमा तय

पटना। बिहार में जमीनों के सर्वे का काम लगातार जारी है। जमीन सर्वे को लेकर विभाग द्वारा समय समय पर फैसले लिए जा रहे हैं। सरकार की कोशिश है कि जमीनों मालिकों को सर्वे में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हो। खुद विभागीय मंत्री दिलीप जायसवाल भी इस बात को स्पष्ट तौर पर कह चुके हैं कि जमीन सर्वे में किसी भी रैयत को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। बिहार के अररिया में जमीन सर्वे को लेकर नया अपडेट सामने आया है।दरअसल, अररिया के सिकटी के अतर्गत आने वाले 56 मौजी में भूमि सर्वे का कार्य कराया जाना है। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा कई टीमें बनाई गई हैं। सरकारी अमीन बारी-बारी से स्थल का निरीक्षण किया जा रहा है।

बोले निशांत... पिता नीतीश कुमार पूरी तरह स्वस्थ

केटी न्यूज/पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पिछले कुछ समय से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य पर सवाल उठा रहे हैं। तेजस्वी यादव लगातार दावा कर रहे हैं कि मुख्यमंत्री की हालत ठीक नहीं है और अब वह बिहार को चलाने के लायक नहीं हैं। तेजस्वी के इस दावे पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत ने ऐसा जवाब दिया है जिसको सुनकर तेजस्वी की बोलती बंद हो जाएगी। दरअसल, तेजस्वी यादव इन दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर तरह-तरह के दावे कर रहे हैं। तेजस्वी जहां भी जा रहे हैं सीएम के स्वास्थ्य पर सवाल उठा रहे हैं और दावा करते हैं कि नीतीश कुमार बीमार हैं और बुढ़ापे के कारण अब बिहार उनसे नहीं संभल रहा है। तेजस्वी के

इस दावे पर एनडीए के तमाम दल आरजेडी को करारा जवाब दे रहे हैं लेकिन मुख्यमंत्री के बेटे ने ही तेजस्वी को ऐसा जवाब दिया जिसे सुनकर उनकी बोलती बंद हो जाएगी।

दिल्ली से पटना लौटने पर जब पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों ने निशांत से पूछा कि तेजस्वी यादव उनके पिता नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठा रहे हैं, इसपर निशांत ने दो टूक में तेजस्वी यादव को जवाब देते हुए कहा कि उनके पिता नीतीश कुमार पूरी तरह से स्वस्थ्य है और सौ फीसद ठीक हैं। निशांत ने बिहार की जनता से अपील करते हुए कहा कि उनके पिता नीतीश कुमार ने पिछले 19 वर्षों में राज्य का काफी विकास किया है। उन्होंने जनता से अनुरोध किया कि 2025 के विधानसभा चुनाव में उनके पिता को फिर से मुख्यमंत्री बनाएं और उन्हें अपना पूरा समर्थन दें। निशांत कुमार ने अपने पिता नीतीश कुमार को कहा कि वह आगे भी राज्य के विकास के लिए काम जारी रखें हालांकि, जब उनसे राजनीति में शामिल होने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया और चुपचाप अपनी गाड़ी में बैठकर चले गए। बता दें कि बिहार की राजनीति में निशांत कुमार की भूमिका को लेकर चचाएं लगातार जारी हैं, लेकिन स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

नालंदा में कई शिक्षक शिक्षा विभाग के निर्देशों का नहीं कर है पालन

दर्जनभर शिक्षकों और चार हेडमास्टर पर गिरी गाज

- सभी स्कूलों के लिए ई-शिक्षा कोष के जरिए ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य किया है

केटी न्यूज/पटना

बिहार में बेपटरी शिक्षा व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने के लिए शिक्षा विभाग और उसके अधिकारी लगातार फैसले ले रहे हैं। शिक्षा विभाग के निदेर्शों के बावजूद अभी भी ऐसे कई लापरवाह शिक्षक हैं जो अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं और सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। ऐसे ही 12 शिक्षकों और चार हेडमास्टर के खिलाफ शिक्षा विभाग ने एक्शन ले लिया है। दरअसल, शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी स्कूलों के लिए ई-शिक्षा कोष के जरिए ऑनलाइन उपस्थिति

दर्ज करना अनिवार्य किया है लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिला नालंदा में कई ऐसे शिक्षक हैं जो शिक्षा विभाग के निदेर्शों का पालन नहीं कर रहे हैं। जांच में शिक्षा विभाग ने पाया कि कई स्कूलों के शिक्षक स्कूल के समय के बाद कहीं से भी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कर रहे थे। देर से स्कूल आने के बावजूद भी कई शिक्षक अपना अटेंडेंस बना रहे थे। कुछ शिक्षक तो स्कूल से घर जाने के बाद अपनी हाजरी बनाते पाए गए हैं। जांच के बाद शिक्षा विभाग ने ऐसे शिक्षकों से बीते 18 फरवरी को स्पष्टीकरण मांगा था। शिक्षकों द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। जिसके बाद शिक्षा विभाग ने नालंदा के 12 शिक्षकों की सैलरी रोक दी। शिक्षा विभाग ने इस मामले में चार हेडमास्टर की भूमिका को संदिग्ध बताया है और उनका वेतन भी रोक दिया है। शिक्षा विभाग ने इन चार हेडमास्टर से भी शो-कॉज किया है। शिक्षा विभाग ने जिन चार हेडमास्टर का वेतन रोका है, उसमें बिहारशरीफ का बाल विद्या कुंज मध्य विद्यालय, सोहडीह, शीतला प्लस टू उच्च विद्यालय, मघड़ा, प्राथमिक विद्यालय, पेधुका, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, आशानगर शामिल हैं वहीं विभिन्न स्कूलों के एक दर्जन शिक्षक और शिक्षिका का वेतन रोक दिया गया है। शिक्षा विभाग के इस एक्शन से जिले के शिक्षकों में हड़कंप मच गया है।

नालंदा में आधुनिक कन्या आवासीय विद्यालय का उद्घाटन

नालंदा। नालंदा जिले के सिलाव में अन्य पिछड़ा वर्ग की छात्राओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवासीय प्लस टू हाई स्कूल भवन का उद्घाटन हुआ। सीएम ने नवनिर्मित विद्यालय का उद्घाटन किया। जो लगभग 37.89 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ है और इसमें 520 छात्राओं के रहने एवं पढ़ाई की सुविधा है। लगभग 5 एकड़ में फैले इस विद्यालय भवन में विज्ञान प्रयोगशाला, रोबोटिक्स लैब, स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय, मेस जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व बेहतर संसाधन प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

कालाजार उन्मूलन अभियान को लेकर शुरू हुआ जिले के तीन गांवों में दवाओं का छिड़काव

♦ सदर प्रखंड के साहोपाड़ा, छोटका नुआंव, पड़री व गांव में चलाया जा रहा अभियान

केटी न्यूज/बक्सर

कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में सिथेटिक पाराथाइराइड (एसपी) का छिड़काव शुरू किया जा चुका है। चालू वर्ष के प्रथम चरण के तहत जिले के सदर प्रखंड के आक्रांत गांव (यथा छोटका नुआंव, पड़री और साहोपाड़ा) में छिड़काव किया जा रहा है। जिसमें तीनों गांवों को मिलाकर कुल 1703 के 5653 कमरों में छिड़काव किया जाना है। प्रभावित गांवों में 18 फरवरी से शुरू हुआ यह अभियान 25 फरवरी तक चलाया जाएगा। ताकि, प्रभावित गांवों के लगभग 10460 लोगों को कालाजार के प्रभाव से बचाया जा सके।

ठीक हो चुके मरीज दोबारा इसकी चपेट में आ सकते हैं

डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि कालाजार को जड़ से मिटाने के लिए लोगों की सहभागिता अति आवश्यक है। लोगों को इस बीमारी के लक्षणों की पहचान से लेकर इलाज की जानकारी होनी चाहिए। इस बीमारी की खास बात है कि इससे पूरी तरह से ठीक हो चुके मरीज दोबारा से इसकी चपेट में आ सकते हैं। ऐसे में मरीज के शरीर पर त्वचा संबंधी लीश्मेनियेसिस रोग होने की संभावना रहती है। इसे त्वचा का कालाजार (पीकेडीएल) भी कहा जाता है। पीकेडीएल का इलाज पूर्ण रूप से किया जा सकता है। इसके लिए लगातार 12 सप्ताह तक दवा का सेवन करना पड़ता है। साथ ही, इलाज के बाद मरीज को 4000 रुपये का आर्थिक अनुदान भी सरकार द्वारा दिया जाता है। इसलिए पीकेडीएल से बचने के लिए मरीजों को कालाजार के इलाज के दौरान दवाओं का कोर्स पूरा करने की सलाह दी जाती है।

इस संबंध में जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि छिड़काव का यह अभियान केवल उन्हीं गांवों में चलाया जा रहा है, जिन गांवों में कालाजार के मरीजों की पुष्टि हुई हो। ताकि, भविष्य में इन गांवों के लोगों को कालाजार के प्रभाव से बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि इन गांवों में तीन सालों में मिले कालाजार के मिले मरीजों के आधार पर प्रभावित गांवों में सर्वे कराया गया था। ताकि, कालाजार या पीकेडीएल के मरीजों की पुष्टि हो सके। वहीं, 2021 से 2023 तक ही कालाजार के मरीज मिले हैं। जिनमें 2021 में छोटका नुआंव में एक, 2022 में पड़री में एक और 2023 में पड़री में एक और साहोपाड़ा में एक मरीज मिले थे।

एनटीडी रोग में कालाजार भी एक प्रमुख रोग : वीडीसीओ पंकज कुमार ने बताया कि उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग में कालाजार भी एक प्रमुख रोग है। जिसके कारण पूरे राज्य में हर साल इस बीमारी से ग्रसित मरीज पाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि पीकेडीएल यानी त्वचा का कालाजार एक ऐसी स्थिति है, जब एलडी बॉडी नामक परजीवी त्वचा कोशिकाओं पर आक्रमण कर उन्हें संक्रमित कर देता और वहीं रहते हुए विकसित होकर त्वचा पर घाव के रूप में उभरने लगता है। उन्हें बार-बार बुखार आने लगता है। साथ ही, भूख में कमी, वजन का घटना, थकान महसूस होना, पेट का बढ़ जाना आदि इसके लक्षण के रूप में दिखाई देने लगते हैं। ऐसे व्यक्ति को तुरंत नजदीक के अस्पताल में जाकर अपनी जांच करानी चाहिए।

खबरें फटाफट

छापेमारी में शराब बरामद, तस्कर फरार

कृष्णाब्रह्म। स्थानीय पुलिस ने थाना क्षेत्र के अरियांव गांव में गुप्त सूचना पर गुरूवार की रात सघन छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने एक घर से 40 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद किया। हालांकि, शराब तस्कर पुलिस को चकमा दे भागने में सफल रहा। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अरियांव गांव निवासी शिवम कुमार पिता रामेश्वर कुम्हार अपने घर में शराब की खेप छिपाकर रखा है। इस सूचना पर रात में ही एक टीम गठित कर छापेमारी करवाई गई। छापेमारी के दौरान उसके घर से 40 लीटर देशी शराब बरामद हुआ। थानाध्यक्ष ने बताया कि उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। जल्दी ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

छज्जा के विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के हाता गांव में आपसी विवाद में दो पक्ष आपस मे भिड़ गये। विवाद खाली जमीन पर छज्जा निर्माण का बताया जाता है। एक पक्ष के लालबिहारी सिंह ने आठ लोगों के खिलाफ आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। जबकि वहीं दूसरे पक्ष द्वारा भी पुलिस को आवेदन दिया गया है। एक पक्ष के लालबिहारी सिंह ने पुलिस को बताया है कि वह अपने खाली जमीन पर छज्जा बनवा रहा था। इसी दौरान अचानक आठ नामजद सहित दस अज्ञात लोग आ धमके और लाठी-डंडे से पिटाई कर दी। जिसमें मैं और मेरा बेटा जख्मी हो गये। शोरगुल सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तब तक आरोपी फरार हो गये।

मारपीट में एक धराया

केसठ। नवानगर थाना क्षेत्र के ऊसरा गांव में आपसी विवाद में दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। मारपीट में एक महिला सहित कुल चार लोग जख्मी हो गए। जख्मी धर्मशीला देवी व अन्य का नवानगर सीएचसी में इलाज कराया गया। दोनों पक्षों द्वारा एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। एक पक्ष के उपेंद्र सिंह ने अशोक कुमार यादव सहित कुल पांच लोगों को नामजद कर प्राथमिकी दर्ज कराई है, वहीं दूसरे पक्ष के तारामुनी देवी ने उपेंद्र सिंह सहित तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई है।

बक्सर में सिंडिकेट के पास हुए हादसे के बाद फूटा लोगों का गुस्सा, किया सड़क जाम

दुर्घटना : मृत नहर में पलटी अनियंत्रित कार, दबने से बच्ची की मौत, दो घायल

♦ शौच कर रहे थे बच्चे, घटना के बाद कार लेकर भाग निकले सवार लोग

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के सिंडिकेट मृत नहर स्थित डॉ. विनोद कुमार के क्लीनिक के पास शुक्रवार की सुबह एक अनियंत्रित कार नहर में पलट गई। जहा खाई में शौच कर रहे तीन बच्चों में से एक 12 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। वहीं, हादसे में अन्य दो बच्चे भी बुरी तरह से जख्मी हो गए। इस घटना के विरोध में स्थानीय अनुसूचित जाति बस्ती वालों ने कुछ देर के लिए सड़क जाम कर दिया था।

हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीण भी मौके पहुंचे तथा घायल बच्चों को उठाकर इलाज के लिए अस्पताल भिजवाए। वहीं घटना की सूचना पा पहुंची, शव को कब्जे में ले वाहन चालक व उसमें बैठे लोगों का पता लगा रही है। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार चालक और उसमें बैठे युवकों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

इस घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि कार चलाना सीखने में एक मासूम बच्ची की जान ले ली। उन्होंने मांग की है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएं। वहीं, पीड़ित परिवार में क्रंदन चित्कार मच गई। वहीं बस्ती वालों में आक्रोश गहरा गया है। बस्ती वालों ने कार चालक को गिरफ्तार करने की मांग की है। बस्ती वालों का कहना है कि कार चालक की लापरवाही से यह घटना हुई है। पीड़ित परिवार को उचित मुआवजे व दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। वहीं, स्थानीय लोगों ने भी बताया कि कार चालक काफी लापरवाह तरीके से कार चला रहा था, जिस कारण वह नियंत्रण खो दिया तथा यह हादसा हो गया। हालांकि, सेंडिकेट जैसे व्यस्त इलाके से एक कार चालक दुर्घटना को अंजाम देने के बाद कैसे भाग निकला यह बड़ा सवाल बन गया है।

वहीं, नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि आस पास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। जल्दी ही कार चालक व उसमें सवार लोगों की शिनाख्त कर ली जाएगी।

दोनों बच्चों को अस्पताल ले गए लोग

स्थानीय क्षेत्र की एक किशोरी कन्हैया बांसफोड़ की 12 वर्षीय पुत्री चेगनी कुमारी सुबह-सुबह अपने दो छोटे भाइयों के साथ नहर के किनारे शौच करने गई थी। तभी अचानक ऊपर से आ रही कार नहर में गिर गई और बच्ची को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसके दोनों भाई भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। वहीं इसकी जानकारी मिलते रोते-बिलखते घटनास्थल पर परिजन पहुंचे। इस दौरान कार चालक तथा कार में बैठे लोग कार लेकर फरार हो गए।

हादसे में युवक जख्मी

डुमरांव। स्थानीय रेलवे स्टेशन के समीप स्थित महाराजा पेट्रोल पंप के पास बाइक फिसलने से एक युवक गिरकर जख्मी हो गया है। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे उठाकर पास के निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद वह अपने घर चला गया। जख्मी युवक की पहचान नहीं हो पाई। हालांकि, स्थानीय निवासियों का कहना है कि पेट्रोल पंप के दोनों गेट पर पिछले एक महीने से जलजमाव हो गया है। जिस कारण अक्सर बाइक चालक फिसलकर गिर रहे है।

एक नजर

अनुसूचित जाति बस्ती की महिलाओं को मशरुम उत्पादन का दिया गया टिप्स

केसठ। प्रखंड के स्थानीय गांव स्थित महादलित बस्ती में राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्व विद्यालय के दिशा निर्देश के आलोक में अरूनया मशरुम फार्मेंस प्रोड्क्सर कंपनी लिमिटेड केसठ द्वारा एफपीओ के तत्वावधान में स्थानीय अनुसूचित जाति बस्ती में महिलाओं को मशरुम उत्पादन व उससे बनने वाले विभिन्न उत्पाद मशरुम पकौड़ा, आचार, तथा मशरुम उत्पादन के विभिन्न प्रजातियों से संबंधित प्रशिक्षण डॉ. दयानंद के द्वारा बस्ती के 125 महिलाओं को दी गई। इस दौरान कंपनी के निदेशक सबिता देवी ने बस्ती की महिलाओं को मशरुम उत्पादन की जानकारी देते हुए कहा कि मैं भी मशरुम उत्पादन की शुरूआत अपने घर के कमरे से शुरू की थी। जो आज कंपनी का रूप ले चुका है। उनका उद्देश्य है की दलित बस्ती की महिलाओं को मशरुम उत्पादन को ले प्रशिक्षित कर जागरूक करना है। ताकि बस्ती की महिलाओं की सोंच को विकसित कर मशरुम उत्पादन के प्रति जागरूक कर अनुसूचित जाति समुदाय में रोजगार विकसित किया जा सकें। साथ ही इस समाज के अधिकतर बच्चे कुपोषण के शिकार हो जाते है। जिन्हें इसके जरिए सुधारा जा सकता है। साथ ही, कुपोषण के अलावा इस योजना का लाभ उठाने से वो आत्मनिर्भर भी बनेंगी। उन्होंने बताया कि आज कई महिलाएं इस योजना का लाभ उठाकर अपने परिजनों को आर्थिक संबलता प्रदान कर रही है। वहीं, इस पहल से महादलित बस्ती की महिलाओं में काफी उत्साह देखा गया। इस दौरान मौके पर कृषि समन्वयक शंकर दयाल यादव, लालबाबू कुशवाहा, सरपंच दुर्गावती देवी, वार्ड सदस्य रीता देवी, जीविका मित्र मंजू देवी, डिंपल देवी, विजयंती माला, पंकज कुमार, प्रिंस कुमार सहित अन्य महिलाएं व कंपनी से जुड़े पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

रेखा गुप्ता को नई दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाना मोदी जी के अटल विश्वास का प्रमाण : भुवन

केटी न्यूज/बक्सर

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 27 वर्षों के बाद मिली जीत पर बक्सर भाजपा ने शुक्रवार को विजयोत्सव मनाया। यह कार्यक्रम जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन के नेतृत्व में वीर कुंवर सिंह चौक आयोजित किया गया। विजयोत्सव कार्यक्रम में कार्यकताओं ने एक दूसरे को रंग अबीर लगाया तथा सभी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने मीडिया से रू-ब-रू होते हुए कहा कि देश की आधी आबादी मातृ शक्ति के प्रतीक के रूप में दिल्ली जो देश की राजधानी है, उसकी बागडोर एक महिला रेखा गुप्ता के हाथों में सौंपना मोदी के अटल संदेश और अटल विश्वास को परिभाषित करता है। साथ ही साथ बक्सर के धरौली निवासी हम लोगों के बीच के रहने वाले डॉ. पंकज सिंह दिल्ली में विधायक बनें और आज दिल्ली मंत्रिमंडल में बिहार के बक्सर को स्थान दिया है। जिसके चलते हम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता मोदी जी आभार प्रकट करने के लिए यहां उपस्थित हुए हैं और साथ ही साथ दिल्ली की जनता और माताओं बहनों का भी धन्यवाद करता हुं जिन्होंने एक ठगी करने वाला, फर्जिवाड़ा करने वाला और जनता झुठ बोलने वाले की पहचान कर दिल्ली की सता से बेदखल करने का नेक काम किया। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति का जो सम्मान नरेंद्र मोदी ने दिया है, हमें पूर्ण विश्वास है कि इसकी झलक आने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में आपको देखने को मिलेगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह, राजवंश सिंह, प्रदीप दुबे, अनिल पांडेय, पूनम रविदास, निर्भय राय, राजेश सिन्हा, तेज प्रताप सिंह, सिद्धनाथ सिंह, धनंजय राय, विनोद राय, मिठाई सिंह, मीना सिंह कुशवाहा, इंदु देवी, कंचन देवी, चन्दा पाण्डेय व अन्य मौजूद रहे।

टीएलएम मेंला में उच्च माध्यमिक विद्यालय नचाप का टीएलएम सर्वश्रेष्ठ, बोली बीडीओ...

सुदृढ़ हो रही सरकारी स्कूलों की स्थिति

केटी न्यूज/चौगाईं

प्रखंड संसाधन केंद्र में टीएलएम मेला 2.0 का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुरेश प्रसाद, डायट डुमरांव के मनोरंजन कुमार व विपिन कुमार ने द्वीप प्रज्वलित कर किया।

इसके बाद प्रखंड के सभी पांचों कॉम्प्लेक्स से चयनित प्रतिभागी शिक्षकों द्वारा अपने-अपने टीएलएम का प्रदर्शन निर्णायक मंडल के समक्ष किया गया। कबाड़ से जुगाड़ की ओर पर आधारित सामग्री द्वारा बनाए गए टीएलएम सर्वश्रेष्ठ रहा। सभी प्रतिभागी शिक्षकों का टीएलएम व प्रस्तुतीकरण उम्दा रहा। निर्णायक मंडल द्वारा दिए गए निर्णय पर गणित विषय में प्राथमिक विद्यालय छोटकाडीह के शिक्षक अजय कुमार, हिन्दी भाषा में मध्य विद्यालय वीरपुर की शिक्षिका शीतल सिवाच, अंग्रेजी भाषा में मध्य विद्यालय मनपा की शिक्षिका शालिनी सिंह और पर्यावरण में मध्य विद्यालय मनपा के शिक्षक श्रीनिवास सिंह का टीएलएम व प्रस्तुतीकरण प्रथम स्थान पर रहा। वहीं, सभी टीएलएम में प्रथम स्थान पर काम्प्लेक्स उच्च माध्यमिक विद्यालय नचाप के शिक्षक चयनित हुए। टीएलएम मेला में इस साल काम्प्लेक्स उच्च माध्यमिक विद्यालय नचाप का दबदबा रहा। सभी विजेता प्रतिभागियों को विजेता प्रमाण पत्र और मेडल दिया गया।

चौगाईं बीडीओ संजू कुमारी ने कहा कि शिक्षकों के सार्थक सोच के कारण आज सरकारी विद्यालय की स्थिति सुदृढ़ हो रही है। समाज की सोच सरकारी विद्यालय के प्रति सकारात्मक हो रही और उपस्थिति बढ़ रही है। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुरेश प्रसाद ने सभी प्रतिभागी शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी का टीएलएम अच्छा रहा निर्णायक मंडल का निर्णय सर्वोपरि है। वहीं, उन्होंने प्रथम आए प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए उन्हें और अच्छा करने की बात कही। निर्णायक मंडल में डायट डुमरांव के मनोरंजन कुमार, बक्सर से विपिन कुमार, चौगाईं प्रखंड के मध्याह्न बीआरपी कमल, बीआरपी उमेश सिंह आदि रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में बीपीएम अब्दुल हयी, मुख्तार अंसारी, अरशद अंसारी, बीआरपी राजेंद्र सिंह का काफी योगदान रहा।

मौके पर सभी काम्प्लेक्स के संचालक और समन्वयक संतोष ओझा, सुशील कुमार, प्रवीण कुमार, पीर मोहम्म सुलेमान, अंसार मनौव्वर आलम समेत कई अन्य मौजूद रहे।

दाखिल खारिज के लंबित मामलों को हर हाल में एक सप्ताह के अंदर करें निष्पादित: एडीएम

- अपर समाहर्ता ने सिमरी अंचल कार्यालय का किया औचक निरीक्षण
- सुयोग्य लाभुकों को बासगीत पर्चा देने में तेजी लाने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/सिमरी

अपर समाहर्ता कुमारी अनुपम सिंह ने सिमरी अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अंचल अधिकारी भगवती शंकर पांडेय, राजस्व अधिकारी एवं सभी कर्मी उपस्थित थे।

अपर समाहर्ता ने अंचल कार्यालय में विभाग द्वारा प्राथमिकता वाले कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली तथा सभी फाईलों व योजनाओं के अद्यतन स्थिति को बारीकि से अवलोक किया। वहीं, समीक्षा कर कई आवश्यक निर्देश भी दिए।

इस दौरान एडीएम ने अभियान बसेरा-2 में अद्यतन स्थिति की समीक्षा के क्रम में पाया कि हल्का दुल्लहपुर, डुमरी, राजापुर, पड़री, राजपुर परसनपाह, ढकाईच, गंगौली एवं नियाजीपुर में पर्चा वितरण के बिन्दु कोई कार्रवाई नहीं की गई है। अंचलाधिकारी को निर्देशित किया गया कि 50 प्रतिशत से कम उपलब्धि वाले हल्का कर्मचारी से शो-कॉज करते हुए, अपने मंतव्य के साथ प्रतिवेदन समर्पित करेंगे। साथ ही निर्देश दिया गया कि सुयोग्य श्रेणी के लाभुको की पर्चा वितरण के संबंध में शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

दाखिल-खारिज के निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि कुल 27 मामले 75 दिनों से अधिक दिनों तक लंबित है तथा 11 मामले 35 दिनों से अधिक लंबित है। अपर समाहर्ता ने सीओ को निर्देश दिया कि सभी लंबित मामलों को एक सप्ताह के अंदर निष्पादित करना सुनिश्चित करें।

वहीं, दूसरी ओर परिमार्जन प्लस की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि इस अंचल में आवेदनों का लगभग निष्पादन किया जा चुका है। निरीक्षण के बाद निर्देश दिया कि कार्य के प्रति गंभीर एवं सजग रहें तथा त्वरित निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करते हुए समय से कार्य का निष्पादन करना सुनिश्चित करें। अंत में उन्होंने प्रत्येक गुरुवार को सभी कर्मचारियों के कार्यों की समीक्षा कर जिला को प्रगति रिपोर्ट देने का निर्देश सीओ को दिया। अपर समाहर्ता के निरीक्षण के दौरान अंचल कर्मियों की मुश्किलें बढ़ी रही।

फरवरी में मात्र 20 प्रतिशत हुई है राजस्व वसूली

भू-लगान के निरीक्षण के क्रम में अपर समाहर्ता ने पाया कि विभाग द्वारा माह फरवरी में निर्धारित लक्ष्य 85 प्रतिशत के विरुद्ध वसूली मात्र 20 प्रतिशत ही हो पाई है, जो निर्धारित लक्ष्य से काफी कम है। एडीएम ने इस लापरवाही पर सीओ को फटकार लगाते हुए कहा कि विभागीय निर्देश के आलोक में आम रैयतों को वसुधा केंद्र (बेब) के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा के संबंध में सभी बेब संचालकों को सोमवार से शुक्रवार तक अंचल कार्यालय परिसर में शिविर का आयोजन कर लगान जमा करने एवं लगान अद्यतीकरण संबंधी ऑनलाइन आवेदन देने के के लिए जागरूक करायेगें। साथ ही विभागीय दर पर सुविधा प्रदान किये जाने के संबंध में फ्लेक्स व बैनर लगवायेगे, ताकि आम लोगों को इसकी जानकारी हो सकें। अपर समाहर्ता ने कहा कि एक सप्ताह के अंदर राजस्व लगान वसूली में प्रगति नहीं होने पर सीओ के साथ-साथ संबंधित राजस्व कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी।

जन सुराज पार्टी की सदर अनुमंडल प्रखंड समिति हुई घोषित

बक्सर। जन सुराज पार्टी द्वारा अनुमंडल अंतर्गत प्रखंड समिति की घोषणा को लेकर शुक्रवार को जिला कार्यालय बाई पास रोड में बैठक की गई। इस बैठक में जिला प्रभारी तथागत हर्षवर्धन, जिलाध्यक्ष जयराम सिंह कुशवाहा, जिला महिला अध्यक्ष अंशु कुमारी, संगठन महासचिव अरविंद पाण्डेय, प्रदेश महिला उपाध्यक्ष रेखा कुशवाहा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य धनजी पांडेय और बजरंगी मिश्रा, अनुमंडल संगठन महासचिव रवि भूषण पासवान सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान बक्सर अनुमंडल के प्रखंडों में पार्टी की संगठनात्मक संरचना को मजबूती देने के लिए नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई। जिसमें बक्सर प्रखंड अध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंह, महिला अध्यक्ष कविता देवी, महासचिव संजय कुमार सिंह, किसान अध्यक्ष राजकुमार चौहान को जिम्मेदारी सौंपी गयी। चौसा प्रखंड अध्यक्ष विवेक कुमार चौबे, महिला अध्यक्ष ममता देवी, महासचिव जगदंबा वैद,किसान अध्यक्ष सुनील कुमार चौबे बनाया गया। राजपुर प्रखंड अध्यक्ष हबीश मीर, महिला अध्यक्ष निशा देवी, महासचिव दीपक राम, किसान अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह को बनाया गया। इटाढ़ी प्रखंड अध्यक्ष: संजय कुमार सिंह, महिला अध्यक्ष प्रतिभा कुमारी, महासचिव सर्वेश कुमार पाठक, किसान अध्यक्ष सुरेमन राय को बनाया गया।

प्रभारी जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिला स्तरीय समिति की बैठक, बोले...

अनुसूचित जाति व जनजाति के लंबित मामलों का जल्द से जल्द करें निष्पादन

- वित्तीय वर्ष में अब तक 175 पीड़ितो को मिल चुका है मुआवजा

केटी न्यूज/बक्सर

प्रभारी जिलाधिकारी सह उप विकास आयुक्त डॉ. महेन्द्र पाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 अन्तर्गत जिला स्तरीय अनुश्रवण एवं सतर्कता समिति एवं हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम 2013 से संबंधित जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई।

बैठक के दौरान समीक्षा के क्रम में प्रभारी जिलाधिकारी सह उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि विशेष लोक अभियोजक अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति व्यवहार न्यायलय बक्सर अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत न्यायलय में चल रहे मामलों में प्राथमिकता के साथ अनुसंधान पदाधिकारी एवं चिकित्सक के गवाही या उपस्थिति करा कांडों का निष्पादन करना सुनिश्चित करेगें। प्रभारी जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के मामलों में आरोप पत्र के लिए लंबित मामलों का निष्पादन सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निष्पादन करना सुनिश्चित करेंगे।

मैनुअल स्कैवेंजर का बक्सर में नहीं है एक भी मामला : जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि मैनुअल स्कैवेंजर (हाथ से मैला) उठाने वाले कर्मियों के नियोजन के प्रतिषेध और उनका पुनर्वास 2013 से संबंधित बक्सर जिला अन्तर्गत कोई मामला नहीं है। बैठक में शामिल सदस्यों द्वारा बताया गया कि इस तरह का कोई मामला आता है तो जिला प्रशासन को इसकी सूचना दी जाएगी। वहीं, डीडीसी ने जिला कल्याण पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिए।

सफाई कर्मियों का परिचय पत्र यथाशीघ्र बनवाएं: नगर परिषद बक्सर के ईओ द्वारा बताया गया कि 06 सीवेज के निर्माण हेतु जल्द ही प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त द्वारा बक्सर जिला अन्तर्गत सभी नगर निकाय के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत सफाई कर्मियों का परिचय पत्र यथाशीघ्र बनवाना सुनिश्चित करेगें।

बैठक में बक्सर लोकसभा सांसद प्रतिनिधि, ब्रह्मपुर विधान सभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि, जिला कल्याण पदाधिकारी बक्सर, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय बक्सर, वरीय कोषागार पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद बक्सर व डुमरांव, विशेष लोक अभियोजक एवं अन्य सदस्य सहित सभी सदस्यगण उपस्थित थे।

वित्तीय वर्ष में 175 लाभुकों को मिला है 144.09 लाख का मुआवजा

समीक्षा के दौरान प्रभारी डीएम को जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम अन्तर्गत 95 मामले में 127 पीड़ितों को प्राथमिकी के बाद एवं 48 पीड़ितों को आरोप पत्र के बाद कुल 144.09 लाख रुपए मुआवजा राशि का भुगतान किया गया है तथा माह जनवरी 2025 तक हत्या के मामले में पीड़ित के आश्रितों को निर्धारित महगाई भत्ता के साथ पेंशन की राशि भुगतान की गई है। साथ ही जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि अधिनियम के अंतर्गत प्राथमिकि दर्ज होने के बाद ही पीड़ितों को ससमय मुआवजा भुगतान कर दी जा रही है। डीडीसी ने कहा कि इस काम में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों द्वारा शिकायत करने पर जांचोपरांत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

प्लस टू उच्च विद्यालय चक्की में शिविर लगा छात्रों को दी गई योजनाओं की जानकारी

बक्सर। शुक्रवार को चक्की के प्लस टू महर्षि श्याम सुंदर दास उच्च विद्यालय में एक शिविर लगा छात्र-छात्राओं को मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना के तहत आर्थिक हल युवाओं को बल के अंतर्गत बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना एवं कुशल युवा कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। आयोजित शिविर में मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना के तहत आर्थिक हल युवाओं को बल के अंतर्गत बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत एक आवेदन, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना के तहत एक आवेदन एवं कुशल युवा कार्यक्रम के तहत 58 आवेदन प्राप्त हुए। उक्त कार्यक्रम के दौरान योजना का लाभ प्राप्त करने की अहताएं एवं शर्त पर भी चर्चा की गई। उक्त शिविर में विद्यालय के विद्यार्थी, प्रधानाध्यापक, सभी शिक्षकगण, मनोहर कुमार प्रेमांशु, सहायक प्रबंधक योजना, सन्नि कुमार एवं सूरज कुमार सिंगल विंडो ऑपरेटर, जिला निबंधन परामर्श केंद्र पंचायती राज प्रतिनिधि एवं अन्य उपस्थित थे।

तीन नशेड़ी को पुलिस ने भेजा कोर्ट

केसठ। वासुदेवा थाना पुलिस ने क्षेत्र के आथर बिंद टोली से शराब के नशे में धूत तीन नशेड़ियों को गिरफ्तार किया। तीनों को मेडिकल परीक्षण में अल्कोहल लेने की पुष्टी होने पर कोर्ट भेज दिया है। इसकी पुष्टि करते हुए वासुदेवा थानाध्यक्ष मधुबाला भारती ने बताया कि आथर गांव निवासी डब्लू नट और गोविन्द कुमार तथा धनसोई थाना क्षेत्र के बभनबसिहा गांव के लल्लू नट को आथर बिंद टोली से शराब पीने के आरोप में गिरफ्तार कर शुक्रवार को कोर्ट भेज दिया गया है।

विज्ञान के कठिन प्रश्नों में उलझे परीक्षार्थी

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार बोर्ड द्वारा आहूत मैट्रिक परीक्षा के तहत शुक्रवार को जिले के सभी परीक्षा केन्द्रों पर दोनों पालियों में विज्ञान विषय की परीक्षा ली गई। सभी परीक्षा केन्द्रों पर सघन तलाशी के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश मिला तथा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच परीक्षा ली गई। किसी भी केन्द्र से किसी परीक्षार्थी को निष्कासित किए जाने की सूचना नहीं मिली है।

वहीं, परीक्षा के दौरान विज्ञान के कठिन प्रश्नों में परीक्षार्थी उलझे रहे। परीक्षार्थियों ने बताया कि प्रश्न बहुत कठिन थे। वहीं, जिला नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार प्रथम पाली में विज्ञान में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 13015, उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 12839, अनुपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 176 वहीं, द्वितीय पाली में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 13175, उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 13012, अनुपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 163 थी। जिले में शांतिपूर्ण व कदाचारमुक्त परीक्षा होने की जानकारी दी है।

भारत को एक सूत्र में बांधकर रखता है राष्ट्रीय लोक अदालत : जिला जज

केटी न्यूज/बक्सर

- राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने को ले प्रधान जिला जज ने की बैठक

8 मार्च को इस वर्ष का पहला राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित किया जा रहा है। इसे सफल बनाने के लिए तैयारियां तेज हो गई है। शुक्रवार को जिला जज हर्षित सिंह ने इसकी सफलता के लिए एक बैठक आयोजित की।

जिसमें विभिन्न बीमा कंपनियों, बैंकों के पदाधिकारीं के अलावे पैनल अधिवक्ता उपस्थित थे। अपने संबोधन में न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत पूरे भारत को एक सूत्र में बांधकर रखता है, जिसका आयोजन संपूर्ण भारत में एक ही तिथि को किया जाता है। ऐसे में इसके महत्वपूर्ण एवं दूरगामी परिणाम देखने को मिल रहा है, लेकिन इसकी सफलता संयुक्त रूप से परिश्रम करने पर आधारित है।

जिला जज ने इसे सफल बनाने के लिए सभी को संयुक्त रूप से प्रयास को कहा। उन्होंने कहा कि लोक अदालत आपसी समझौते के आधार पर मामलों को निष्पादित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर देता है। बैठक में न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार नेहा दयाल के अलावे विभिन्न बैंकों के अधिकारियों के साथ-साथ पैनल अधिवक्ता आदि उपस्थित थे।

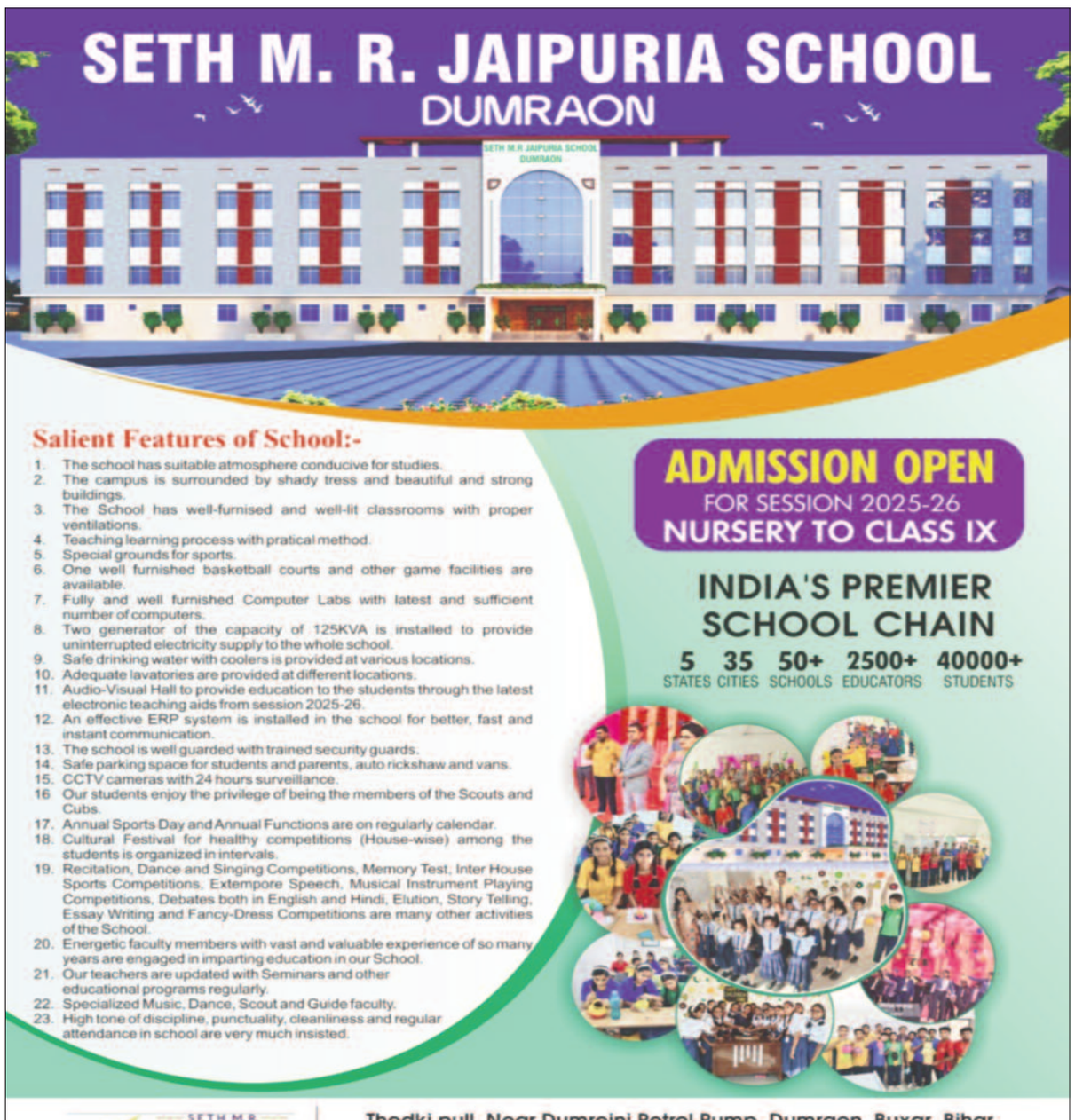

गाजे-बाजे व हाथी-घोड़े के साथ निकली कलश यात्रा, शामिल हुए सैकड़ों श्रद्धालु

ब्रह्मपुर के रघुनाथपुर में कलश यात्रा के साथ महाकालेश्वर प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ हुआ प्रारंभ

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

रघुनाथपुर के तुलसी आश्रम स्थित महाकालेश्वर प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ के लिए शुक्रवार को गाजे बाजे, रथ, घोड़े, शिव पार्वती, लक्ष्मी गणेश और राम सिया की झांकी के साथ भय कलश यात्रा निकाली गई।

राष्ट्रीय संत स्वामी सिद्धार्थ परमहंस जी की उपस्थिति में तुलसी आश्रम रघुनाथपुर से बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर तक यह जलभरी शोभा यात्रा निकाली गई थी। जिसकी अगुवाई यज्ञाचार्य के अलावे साधु संत कर रहे थे। उनके पीछे श्रद्धालु नर-नारि शुभ्र वस्त्रों में अपने सर पर कलश ले कतारबद्ध हो जा रहे थे। महायज्ञ परिसर से निकली यह कलश यात्रा रघुनाथपुर गांव, रेलवे स्टेशन आदि होते हुए बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ के दरबार में पहुंचा, जहां पवित्र शिव गंगा सरोवर से कलश में जलभर कर पुनः यज्ञ स्थल पहुंच कलश यात्रा संपन्न हुआ।

शोभा यात्रा का नेतृत्व राष्ट्रीय संत स्वामी सिद्धार्थ परमहंस जी कर रहे थे। उनके साथ काशी और अयोध्या से आए विद्वान पंडितों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार से मुख्य कलश की पूजन के पश्चात जलभरी के लिए शोभायात्रा निकाला गया। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार से इलाके का माहौल भक्तिमय बन गया था।

शोभा यात्रा में गाजे बाजे, हाथी, घोड़े, रथ के साथ साथ शिव पार्वती, लक्ष्मी गणेश तथा राम सिया की झांकी भी निकाली गई। शिव जी की झांकी के पीछे उनके रुद्र गणों की टोली चल रही थी, उसके पीछे परम्परागत तरीके से कीर्तन करने वाली मंडली थी। शोभायात्रा में हजारों की संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के सम्मिलित हुए। जलभरी शोभायात्रा में देश भर से आए अनेक विद्वान, संत महात्मा, कथावाचक, संगीतज्ञ, सत्संग मर्मज्ञ, मनीषी भी सम्मिलित हुए। 22 फरवरी को अरणि मंथन व हवनादि के साथ महायज्ञ का विधिवत शुभारंभ हो जाएगा।

26 फरवरी महाशिवरात्रि के दिन विग्रह की विशेष पूजा के साथ नवनिर्मित भव्य मंदिर में महाकालेश्वर विराजमान होंगे और मंदिर का दरवाजा भक्त जनों के लिए खोल दिया जाएगा। महाकाल विग्रह की स्थापना के लिए मंदिर में विशेष गौमुखी अरघा भी बनाया गया है। महायज्ञ में शिवपुराण की कथा कहने के लिए कई विद्वान आचार्यों को बुलाया गया है। 27 फरवरी को महारुद्र भंडारा के साथ आयोजन का समापन होगा।

महायज्ञ को सफल बनाने के लिए ग्रामीणों द्वारा पूरे उत्साह के साथ तैयारी शुरू कर दी गई है। खासकर स्थानीय गांव के युवाओं द्वारा इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पिछले एक पखवाड़े से श्रमदान किया जा रहा है। युवाओं के द्वारा ही मुख्य प्रवचनकर्ता के अलावे अन्य साधु-संतों की कुटिया बनाई गई है।

मातृभाषा का संरक्षण आवश्यक है ताकि आने वाली पीढ़ी भी इसे अपनाए: डॉ. अर्चना

- संभावना आवासीय विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मना विश्व मातृभाषा दिवस
- यूनेस्को के अनुसार इस सदी के अंत तक लुप्त हो सकती हैं 40 भाषाएं

केटी न्यूज/आरा

शहर के शुभ नारायण नगर, मझौंवा स्थित संभावना आवासीय उच्च विद्यालय में विश्व मातृभाषा दिवस धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय के जुबली हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डॉ. अर्चना सिंह, रंगकर्मी व वरिष्ठ पत्रकार ओ.पी. पांडेय और कला शिक्षक संजीव सिन्हा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। प्राचार्या डॉ. अर्चना सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी मातृभाषा हमारी असली पहचान है। और हमें गर्व है कि हमारी मातृभाषा भोजपुरी है, जिसे दुनिया भर में लगभग 40 करोड़ लोग बोलते हैं। उन्होंने छात्रों को अपनी भाषा और संस्कृति से जुड़ने की प्रेरणा देते हुए कहा कि मातृभाषा का संरक्षण आवश्यक है, और हमें इसे अपने घरों में जरूर बोलना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ी भी इसे अपनाए। कार्यक्रम का मंच संचालन संजीव सिन्हा ने किया। उन्होंने छात्रों को विश्व मातृभाषा दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि बताते हुए जानकारी दी कि यूनेस्को ने 17 नवंबर 1999 को इसे स्वीकृति दी थी। पहले यह केवल बांग्लादेश में मनाया जाता था।

यूनेस्को के आंकड़ों के अनुसार इस सदी के अंत तक 40 भाषाएं लुप्त हो सकती हैं

मातृभाषा दिवस 21 फरवरी को वैश्विक स्तर पर मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि यूनेस्को के आंकड़ों के अनुसार, इस सदी के अंत तक 40 भाषाएं लुप्त हो सकती हैं, जो चिंता का विषय है। इस मौके पर विद्यालय की छात्राओं ने अपनी मातृभाषा भोजपुरी में बेरी-बेरी जमुनवा हो, सांचो हवें सोना के चिरईयां नु हो हमार देसवा। महान भिखारी ठाकुर के बिदेसिया की गीत आई जब मास भादो गीत को प्रस्तुत किया। इन गीतों को अर्पिता केशरी, सौम्या सिंह,रितिका सिंह, प्रियांशी सिंह, वेदिका सिंह,मीनाक्षी पांडेय,श्रेया,तपस्या भारद्वाज,बिस्माह तनवीर, जान्ही कुमारी, अपूर्वा सिंह, श्रेया तिवारी, प्रतिज्ञा कुमारी, खुशी सिंह,जया कुमारी और मिस्टी कुमारी ने प्रस्तुत किया। साथ ही, पद्मश्री शारदा सिन्हा के लोकप्रिय गीत पनिया के जहाज से पलटनिया पर छात्राओं ने शानदार नृत्य प्रस्तुति दी, जिसकी कोरियोग्राफी नृत्य शिक्षक चिन्टू कुमार ने की थी। छात्राओं के गायन की तैयारी संगीत शिक्षक धर्मेंद्र कुमार और अमितेश कुमार ने करवाई थी। रंगकर्मी ओपी पांडेय ने अपनी बात रखते हुए कहा कि किसी भी समाज की प्रगति उसकी मातृभाषा पर निर्भर करती है। हमारी भोजपुरी भाषा अत्यंत समृद्ध है, बस हमें इसे संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाने की जरूरत है। कार्यक्रम का समापन विद्यालय के कला शिक्षक विष्णु शंकर के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं शिक्षकेतर कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

सासाराम के धौडाढ थाना क्षेत्र के ताराचंडी के पास अपराधियों ने मारी गोली

उत्तर पुस्तिका नहीं दिखाने पर दो छात्रों को मारी गोली, एक की मौत

- अमित कुमार और संजीत कुमार बुढ़न मोड़ स्थित संत अन्ना स्कूल में परीक्षा दे रहे थे

केटी न्यूज/रोहतास

सासाराम में मैट्रिक के छात्र की हत्या के बाद लोगों का गुस्सा भड़क गया। गुस्साए लोगों ने सड़क पर उतरकर खूब हंगामा मचाया। आक्रोशित लोगों ने एनएच पर आगजनी कर पुलिस और प्रशासन के खिलाफ जमकर बवाल किया। रोहतास के सासाराम में मैट्रिक के छात्र की हत्या के बाद लोगों का गुस्सा भड़क गया। गुस्साए लोगों ने सड़क पर उतरकर खूब हंगामा मचाया। आक्रोशित लोगों ने एनएच पर आगजनी कर पुलिस और प्रशासन के खिलाफ जमकर बवाल किया। दरअसल, डेहरी के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सुअरा के पास लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम किया है। गुरुवार की देर शाम परीक्षा के सासाराम के धौडाढ थाना क्षेत्र के ताराचंडी के पास मैट्रिक की परीक्षा दे कर ऑटो से जा रहे परीक्षार्थियों के बीच मारपीट हो गई था। इस दौरान फायरिंग भी हुआ। इस फायरिंग में गोली लगने से 16 साल के अमित कुमार नामक मैट्रिक के परीक्षार्थी की मौत हो गई। जबकि संजीत कुमार नामक एक छात्र घायल हो गया। घटना के बाद मृतक अमित कुमार के परिजनों तथा ग्रामीणों ने डेहरी के मुफस्सिल थाना के सुअरा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया और जमकर हंगामा मचाया। इस दौरान सड़क पर आगजनी कर एनएच पर परिचालन ठप कर दिया। इस वारदात की सूचना पर डेहरी के एएसपी कोटा किरण कुमार भी मौके पर पहुंचे तथा लोगों को समझा बुझाकर किसी तरह से शांत कराया और सड़क जाम हटाकर एनएच पर परिचालन सामान्य कराया हैं।

बताया जा रहा है कि बताया जाता है कि 20 जनवरी को मातृभाषा (हिंदी, उर्दू) का पेपर था। अमित कुमार और संजीत कुमार बढ़न मोड़ स्थित संत अन्ना स्कूल में परीक्षा दे रहे थे। इसी दौरान हॉल में बैठे एक छात्र ने दोनों से नकल कराने को कहा। दोनों ने मना कर दिया। इसके बाद परीक्षा खत्म होने पर वो छात्र बाहर निकला और अपने साथियों को बुलाकर लाया। अमित और संजीत दोनों ऑटो से परीक्षा देकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान एनएच-19 पर बीते शाम कुछ बदमाशों ने ऑटो रुकवाया और घेरकर दोनों को गोली मार दी। गोली लगने के बाद दोनों को इलाज के लिए सासाराम ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। इसके बाद प्राइवेट अस्पताल भेज दिया गया। इलाज के दौरान अमित कुमार की मौत हो गई। 16 वर्षीय संजीत कुमार का इलाज जारी है। दोनों छात्र डेहरी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शंभू बीघा गांव के रहने वाले हैं। घटना के बाद शुक्रवार को ग्रामीणों ने मुफस्सिल थाने के सुअरा एनएच को लोगों ने जाम कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची धौडाढ़ सहायक थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि थाने की पुलिस ने भी पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है और अपराधियों की धर पकड़ के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। ताराचण्डी मंदिर से कुछ दूरी पर दोनों युवकों को गोली मारी गई है। उन्होंने बताया कि दोनों घायल युवक मैट्रिक के परीक्षार्थी हैं और डेहरी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शंभू बिगहा गांव के रहने वाले हैं।

बाइक की डिक्की से डेढ लाख रुपये व जेवरात उड़ाये

आरा। बिहिया के सोनारपट्टी स्थित गली में एक बाइक की डिक्की में रखे गये डेढ़ लाख रुपये और जेवरात का थैला चोरी करने का मामला सामने आया है। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के लाल बिहारी सिंह के टोला निवासी बबन सिंह का पुत्र मुकेश कुमार बैंक से निकासी कर डिक्की में रखकर सोनारपट्टी में बाइक खड़ी कर बर्तन खरीदने लगे। इसी दौरान पल्सर बाइक पर और पैदल तीन युवक पहुंचे और डिक्की में रखे डेढ़ लाख रुपये और सोने की दो अंगूठी लेकर फरार हो गये। जब पीड़ित दुकान से डिक्की ओर गये तो उन्होंने देखा कि डिक्की खुली है और थैला गायब है। जब छानबीन कर सीसीटीवी कैमरा देखा गया तो पता चला कि तीन युवकों ने उक्त घटना को अंजाम दिया है।

पटना नहीं रोहतास में होगी नन हिट एंड रन मामलों की सुनवाई

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर के लोगों की सड़क हादसों में मौत होने के बाद अब उनके परिजनों को मुआवजा मिलने में कुछ आसानी हो सकती है। नन हिट एंड रन के मामलों की सुनवाई के लिए पटना की बजाय अब रोहतास के डालमियानगर में ट्रिब्युनल कोर्ट खोल दिया गया है। इससे अब महीनों मुआवजे के लिए पटना का चक्कर लगाने के राहत मिल सकती है। मुआवजा देने के लिए सरकार के नियमों में बदलाव के बाद अप्रैल 2019 से यह प्रक्रिया शुरू हुई थी। पहले पटना में कोर्ट होने की वजह से वहां शाहाबाद समेत कई जिलों की नन हिट एंड रन के मामलों की सुनवाई होती थी। ऐसे में अधिक दिनों तक लोगों को अपने केस की सुनवाई होने का इंतजार करना पड़ता था। शाहाबाद के चारों जिलों की सुनवाई रोहतास के नए दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण केन्द्र में होगी। चार ही जिलों के मामले आएंगे। ऐसे में लंबे समय तक इंतजार करने से राहत मिल सकती है।

बता दें कि नन हिट एंड रन के मामले में परिवहन विभाग को केवल यांत्रिक जांच रिपोर्ट देनी होती है। बाकी के सभी कार्य संबंधित थाना की ओर से ही की जाती है। थाना की ओर से ही सभी कागजातों के साथ पोर्टल पर आवेदन करना होता है। नन हिट एंड रन में ऐसे मामले आते हैं, जिस दुर्घटना में वाहन किसी व्यक्ति को धक्का मारने के बाद पकड़ लिये जाते हैं। उनको जब्त कर लिया जाता है और मृतक अथवा घायल व्यक्ति को प्रावाधान के अनुसार मुआवजा की राशि उस वाहन के इंश्योरेंस कंपनी से दिलवाई जाती है। इसमें पांच लाख रुपये तक का मुआवजा देने का प्रावधान है, हालांकि मुआवजे की राशि ट्रिब्यूनल कोर्ट की ओर से सुनवाई में ही तय होती है। हिट एंड रन के मामलों में अब भी लगाने होंगे चक्कर सड़क दुर्घटना में किसी व्यक्ति की धक्का मार भाग जाने वाले मामले हिट एंड रन के तहत आते हैं और वैसे दुर्घटना में मौत होने पर मृतक के आश्रित को मुआवजे की राशि जीआईसी कंपनी मुंबई की ओर से ही मिलेगी। परिवहन विभाग की ओर से जीआईसी कंपनी को भेजा जाता है। वहां से लाभुक के खाते पर दो लाख रुपये की राशि मुआवजे के रूप में भेजी जाती है।

मोबाइल छीनने का किया विरोध तो अपराधी ने युवती को मारा चाकू

रोहतास। रोहतास के परसथूआ बाजार में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। कैमूर जिले के कुदरा थाना क्षेत्र के सरियाव गांव की रहने वाली 18 वर्षीय युवती पर एक मनचले ने चाकू से हमला कर दिया और उसका कान काट दिया। घटना शुक्रवार दोपहर की है। पीड़िता परसथूआ बाजार में खरीदारी करने आई थी। महात्मा गांधी पुल के नीचे आरोपी ने अचानक उस पर हमला कर दिया। पीड़िता के अनुसार, आरोपी मोबाइल छीनकर भाग रहा था और जब उसने विरोध किया, तो उसने चाकू से हमला कर दिया और कान काट दिया। हमले के बाद बाजार में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

भोजपुर में ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत, आक्रोशितों ने किया हंगामा, पुलिस पर की रोड़ेबाजी

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर में नासरीगंज-सकड्डी स्टेट हाइवे एसएच 81 पर सहार थाना क्षेत्र के नोनउर मोड़ के पास शुक्रवार की दोपहर बेलगाम ट्रक की ठोकर से एक युवक की मौत हो गई। खाना खाने बालू घाट से घर जाने के दौरान एक ट्रक ने उसे ठोकर मार दी। इसमें घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृत युवक नोनउर गांव निवासी स्व. रामाधार पासवान का 24 वर्षीय पुत्र विनय पासवान उर्फ चोभन था। इधर, हादसे के बाद लोगों का गुस्सा भड़क उठा। पिछले 12 दिनों में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने रोड जाम कर दिया। गुस्साये लोगों ने मौके पर पहुंची स्थानीय थाने की डायल 112 टीम पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इसमें डायल 112 सेवा के सिपाही अमर कुमार जख्मी हो गये। हमले को देख जान बचाकर भागने के क्रम में 112 की बोलेरो पर रोड़ेबाजी भी की गयी। इससे डायल 112 वाहन भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। बाद में सहार और अजीमाबाद थानों की पुलिस पहुंची और आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने-बुझाने में जुटी है। लेकिन, भाकपा माले के नेतृत्व में सड़क जाम कर रहे लोग अगिआंव सीओ वागीशा सिंह और बीडीओ को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े थे। खबर लिखे जाने तक सड़क जाम है। ट्रक की ठोकर से बिजली पोल से टकराया युवक और चली गयी जान जानकारी के अनुसार नोनउर गांव निवासी विनय पासवान उर्फ चोभन बालू घाट पर मजदूरी करता था। शुक्रवार की दोपहर वह खाने के लिए बालू घाट से अपने घर जा रहा था। उसी संदेश की ओर से आ रहे एक बेलगाम ट्रक ने उसे जोरदार ठोकर मार दी। इस कारण वह सड़क के किनारे बिजली के खंभे से जा टकराया।

किला मैदान में खेला जा रहा अधिवक्ता शशि यादव तीन दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट

खैराबाद को हराकर फाइनल में पहुंचा सिवान

केटी न्यूज/पूर्णिया

समाजसेवी सह अधिवक्ता शशि यादव की 19वीं पुण्यतिथि पर आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट का दूसरा सेमीफाइनल उत्तर प्रदेश के खैराबाद और और बिहार के सिवान के बीच मैच खेला गया। मैच में सिवान ने तीन-एक अंतर से खैराबाद को हराकर फाइनल में जगह सुरक्षित कर लिया। बता दें कि शनिवार को टूनार्मेंट का फाइनल मैच बक्सर और सिवान के बीच खेला जाएगा। टूनार्मेंट के विजेता टीम को चमचमाती ट्रॉफी के साथ 31 हजार रुपये नगद और उप विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 21 हजार रुपये का नगद इनाम दिया जाएगा। दूसरे सेमिफाइनल मैच का उद्घाटन बिहार सरकार के पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला, डॉ मनोज कुमार यादव, समाजसेवी सह पूर्व पार्षद राजेश यादव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। मुख्य अतिथियों ने कहा कि शशि यादव का ऐसा व्यक्तित्व था कि उन्हें भुला पाना मुश्किल ही नहीं असंभव है। आज भी जिलेवासियों के दिलों में वे बने हुए हैं। सभी मुख्य अतिथियों ने समाजसेवी सह अधिवक्ता शशि यादव के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर संतोष भारती, पूर्व प्रमुख अनिल पासवान, उपेंद्र सिंह, ललन सिंह कुशवाहा, रामएकबाल उर्फ मंत्री जी, मो सलीम, जुबैर मियां, दीपक सिंह, मो असलम, गणेश यादव, श्यामजी यादव, अजहर खां मौजूद थे। टूनार्मेंट को सफल बनाने में आयोजक सरफराज सैफी, मो इजहार, नंदन, वार्ड पार्षद राहुल यादव, चंदन यादव, बब्लु, उदित सम्राट, दीपक यादव, विश्वा का योगदान सराहनीय रहा।

संक्षिप्त समाचार

हजारीबाग में करीब 1 करोड़ रुपए की शराब बरामद

हजारीबाग, एजेंसी। उत्पाद विभाग ने दारू प्रखंड के जौनिया गांव में लगभग 1 करोड़ रुपए की शराब जब्त की है. 1500 पेटी शराब घर में छिपा कर रखी गई थी. इसकी सूचना उत्पाद विभाग को मिली. जिसके बाद उत्पाद विभाग में ऑपरेशन चलाकर शराब को जब्त किया. गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग ने दारू थाना क्षेत्र के जैनिया गांव में छापेमारी की. छापेमारी करने के दौरान एक घर से करीब 1 करोड़ रुपए के अवैध शराब को जब्त किया. सूचना मिली थी कि छोटे

पैमाने पर शराब की तस्करी की जा रही है. जब ऑपरेशन चलाया गया तो उत्पाद विभाग के होश उड़ गए. एक घर से 1500 पेटी शराब की बरामद की गई. अब यह पता लगाया जा रहा है कि शराब असली है या नकली. शराब कहां से लायी गयी और कहां खपाने की तैयारी थी.

सहायक उत्पाद आयुक्त शिव कुमार साहू में बताया कि यह घर उमेश साव का है, राहुल साव किराए पर लेकर यह गोरखधंधा चल रहा था. इस पूरे प्रकरण में राहुल साव और अर्जुन साव को मुख्य आरोपी बनाया गया है. पहले से ही इन लोगों के ऊपर अवैध शराब को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है. उन्होंने कहा कि किसी गिरफ्तारी नहीं हुई है. लेकिन बहुत जल्द गिरफ्तारी भी हो जाएगी.

सहायक उत्पाद आयुक्त में यह भी कहा पिछले एक सप्ताह से विभिन्न स्रोत से जानकारी इकट्ठा की जा रही थी. प्रारंभिक जानकारी मिली थी कि 500 पेटी शराब रखी गई है. तीन अवर निरीक्षक उत्पाद सुमितेश कुमार, कृष्णा प्रजापति और भुवनेश्वर नायक और सशस्त्र बल के साथ ये ऑपरेशन किया गया. जिसमें 18000 शराब की बोतल बरामद की गई जिसकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ रुपए है. बरामद शराब को कर्नाटक से हजारीबाग लाया गया था. माना जा रहा है कि होली के दौरान शराब बिहार भेजने की तैयारी चल रही थी. सूचना समय से मिलने के कारण यह सफलता विभाग को मिली है.

केंद्रीय बजट के खिलाफ रांची में वाम दलों का राजभवन मार्च

रांची, एजेंसी। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के आम बजट को जनविरोधी बताते हुए संयुक्त रूप से वामदलों के नेताओं ने गुरुवार को राजभवन मार्च किया. इस दौरान वाम दलों ने संकल्प लिया कि जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए इस संघर्ष को और अधिक व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया जाएगा और मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों का हर स्तर पर विरोध किया जाएगा. केंद्रीय बजट के खिलाफ वाम दलों द्वारा 14 फरवरी से 20 फरवरी तक एक सप्ताह के लिए जन अभियान कार्यक्रम चलाया जा रहा था. गुरुवार को इस अभियान का समापन हुआ.

जिला स्कूल से प्रारंभ हुआ मार्च– वामदलों का संयुक्त राजभवन मार्च रांची के जिला स्कूल से निकाला गया था. जो परमवीर अमर शहीद अल्बर्ट एक्का चौक होते हुए राजभवन तक गया. राजभवन के पास यह मार्च एक जनसभा में तब्दील हो गयी. इस दौरान वामपंथी नेताओं ने कहा कि वित्त मंत्री द्वारा पेश की गई बजट पूरी तरह जनविरोधी है. जनविरोधी केंद्रीय बजट को वापस लेना होगा. वामपंथी नेताओं ने कहा कि कॉरपोरेट के पक्षपाती बजट को राज्य में नहीं चलने दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि मनरेगा में बजट बढ़ाने, शिक्षा पर जीडीपी का 6त्न खर्च करने, स्वास्थ्य क्षेत्र में बजट वृद्धि करने, रोजगार का निजीकरण बंद करने सहित कई मांगें की गई.

केंद्रीय बजट को जनविरोधी बताया– वाम दलों के नेताओं ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट मजदूरों, किसानों, छात्रों और युवाओं के विरोध में है. यह बजट पूर्ण रूप से कॉरपोरेट घरानों के हितों की रक्षा करने वाला है. बजट में श्रमिकों और किसानों के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया है. सरकार की नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा पर जीडीपी का 6त्न खर्च करने का वादा किया गया था, लेकिन इस बजट में शिक्षा के लिए आवंटन को और कम कर दिया गया है. उसी तरह मनरेगा जिससे करोड़ों मजदूरों का जीवन-यापन होता है, उसमें भी बजट में कटौती कर दी गई है. स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी अत्यंत दयनीय बनी हुई है.

मां को घर में किया बंद, सास-ससुर और पत्नी को लेकर पहुंचा महाकुंभ, सरकारी कर्मचारी को एसडीओ ने दिया नोटिस

रामगढ़, एजेंसी। प्रयागराज में महाकुंभ का स्नान अपने अंतिम पड़ाव में है। अभी भी भारी मात्रा में लोग महाकुंभ में स्नान करने के लिए प्रयागराज जा रहे हैं।

वहीं, रामगढ़ के अरगड्डा में एक सीसीएल कर्मी अपनी बीमार और वृद्ध मां को अकेले घर में बंद कर सास-ससुर व पत्नी के साथ कुंभ स्नान करने प्रयागराज चला गया। इस बीच भूख से तड़पती वृद्धा की चीख-पुकार सुन पड़ोसियों ने दरवाजा तोड़कर उसे घर से बाहर निकाला।

तीन-चार दिनों से कमरे में बंद मां की हालत खराब थी। वह भूख से बुरी तरह बेहाल थी। पड़ोसियों ने भोजन देने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। जब हंगामा बढ़ा तो बेटा प्रयागराज से वापस लौटा।

इस बीच मामले पर संज्ञान लेते हुए रामगढ़ जिला प्रशासन ने सीसीएल कर्मी अखिलेश तिवारी को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। वहीं, पुलिस ने भी उससे इस संबंध में पूछताछ की है।

रामगढ़ एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी ने वृद्धा के पुत्र अखिलेश के खिलाफ भरण पोषण अधिनियम के तहत नोटिस भेजा है और उसे 27 फरवरी को उनके न्यायालय में प्रस्तुत होने का आदेश दिया है।

एसडीओ ने सीसीएल कर्मी को लिखित रूप से कारण

बताने को कहा है और कहा कि क्यों ना आपके विरुद्ध भरण पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007 के अंतर्गत कार्रवाई शुरू की जाय।

सीसीएल कर्मी अखिलेश कुमार कुंभ स्नान करने के बाद गुरुवार दोपहर को सीधे सीसीएल केंद्रीय अस्पताल नईसराय पहुंचा। इसके बाद वह रामगढ़ के नई सराय में स्थित सीसीएल के केंद्रीय अस्पताल से अपनी मां को डिस्चार्ज कराकर बेहतर इलाज के लिए रांची ले गया।

इसी बीच घटना को लेकर रामगढ़ थाना प्रभारी इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार ने वृद्ध महिला के सीसीएल कर्मी पुत्र और उसकी पत्नी से पूछताछ की। अखिलेश ने बताया कि मां बीमार रहती है, इसलिए भीड़ में मां को कुंभ नहाने के लिए अपने साथ नहीं ले गया। उसने बताया कि वह पर्याप्त खाना-पीना घर में रखकर गया था। बेटे ने बताया कि दरवाजा-गेट को बंद कर एक चाबी भी मां के पास छोड़ गया था। घटना के संबंध में अखिलेश की बड़ी बहन राजो देवी ने बताया कि पिता बालेश्वर कुम्हार के निधन के बाद सीसीएल ने बालिग होने पर इकलौते पुत्र अखिलेश को अनुकंपा के आधार पर नौकरी दी। मां संजू देवी की देखभाल की जिम्मेदारी अखिलेश पर ही है।

संजू देवी 65 वर्ष की हो चुकी हैं और कई बीमारियों से पीड़ित हैं। बहन का आरोप है कि शादी के बाद अखिलेश पत्नी के साथ मिलकर मां को प्रताड़ित करता है और मां की ठीक से देखभाल नहीं करता है।

घटना मानवता को शर्मशार करने वाली है। घटना की जानकारी मिली है। थाना प्रभारी को जांच कर कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है। इस संबंध में किसी तरह की लिखित शिकायत मिलती है, तो प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

अरगडा सिरका सुभाष नगर में सीसीएल कर्मी द्वारा मां को घर में छोड़कर कुंभ नहाने जाने की घटना की चारों तरफ चर्चा है। पीओ ने कहा कि सीसीएल में कार्यरत सभी कर्मी को अपने माता-पिता का ख्याल हमेशा रखना चाहिए। फिलहाल इस संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि अगर शिकायत मिलती है तो किस परिस्थिति में मां को घर में छोड़कर जाना पड़ा, इसकी जांच की जाएगी।

वहीं, दूसरी ओर रामगढ़ में इनमोसा अरगडा एरिया की बैठक गुरुवार को गिद्दी दुर्गा मंडप में हुई। इसमें सीसीएल अध्यक्ष राम राज सिंह उपस्थित थे। सर्वप्रथम इनमोसा अरगडा पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया।

इस मौके पर रामराज सिंह ने बताया कि 24 फरवरी से सीसीएल के सभी प्रक्षेत्रों इनमोसा अपने मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन करेगी।

रांची के सदर अस्पताल से अगवा बच्ची को पुलिस ने किया बरामद

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के सदर अस्पताल से अगवा की गई मात्र 7 दिनों की मासूम बच्ची को रांची पुलिस ने सुरक्षित बरामद कर लिया है. रांची पुलिस सूत्रों ने मामले की पुष्टि करते हुए यह जानकारी दी है कि इसमें एक महिला को भी गिरफ्तार किया गया है. पूरे मामले की विस्तृत जानकारी रांची पुलिस के द्वारा शुक्रवार को दी जाएगी. 17 फरवरी को बच्ची के गायब होने के बाद रांची के लोअर बाजार थाने में अपहरण का मामला दर्ज करवाया गया था.

बेड़ो इलाके से हुई बरामद– रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा की स्पेशल टीम ने रांची के सदर अस्पताल से गायब की गई सात दिन के मासूम बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया है. सीसीटीवी फुटेज और टेक्निकल टीम के सहयोग से पुलिस की टीम ने बच्ची को रांची के बेड़ो इलाके से बरामद किया है. मामले में आरोपित एक महिला को भी गिरफ्तार किया गया है जो रांची के नरकोपी इलाके की रहने वाली है.

9 महीने से मौके की ताक में थी आरोपी महिला– सात दिन के मासूम बच्ची के गायब होने की कहानी भी पूरी फिल्मी है. जिस महिला के द्वारा बच्ची का अपहरण किया गया था उसकी कोई संतान नहीं थी, लेकिन उसने अपने गांव में कई महीनों से यह कह रखा था कि वह गर्भवती है. हालांकि हकीकत में आरोपी महिला गर्भवती नहीं थी. फरवरी महीने में आरोपी महिला को हर हाल में एक बच्चा चुराना था, जिसे वह अपना बच्चा बता कर अपने गांव ले जाती. इसी बीच वह लगातार रांची के सरकारी अस्पतालों का चक्कर लगा रही थी. 13 फरवरी को वह रांची के सदर अस्पताल पहुंची और लेबर रूम के आस पास घूमती रही. 14 फरवरी को रांची के पिठोरिया के रहने वाली सबिता देवी ने सदर अस्पताल में एक बच्ची को जन्म दिया. अब आरोपी महिला उसी बच्चे को चुराने के चक्कर में लग गई.

बच्ची की मौसी को झांसा देकर बच्ची ले भागी महिला– सबिता देवी ने मासूम को जन्म दिया तो अस्पताल में उसकी देखभाल करने के लिए अपनी बहन यानी मासूम की मौसी को बुला लिया. इसी बीच सबिता देवी किसी कारणवश मासूम बच्ची को मां का दूध नहीं दे पा रही थी. इसी बात का फायदा आरोपी महिला ने उठाया. आरोपी महिला ने मासूम बच्ची की मौसी को यह कहकर कि वह तंत्र-मंत्र से ऐसा उपाय कर देगी की बच्ची अपनी मां का ही दूध पी पाएगी. इसके बाद मासूम को लेकर उसकी मौसी आरोपी महिला के साथ रांची के पहाड़ी मंदिर पहुंच गई, जहां आरोपी महिला ने कई तरह के पूजा पाठ करवाएं और फिर बच्ची की मौसी के आंखों में पट्टी बांधकर उसे घूंघट ओढ़ कर आधे घंटे बैठने को कहा. इसी बीच आरोपी महिला बच्ची को लेकर फरार हो गई.

महिमानंद अमर रहे से गूंज उठा पलामू

छत्तीसगढ़ में शहीद हुए पलामू के सपूत को दी गई आखिरी सलामी

पलामू, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में शहीद हुए पलामू के सपूत महिमानंद शुक्ला के लिए पूरा इलाका अमर रहे के नारों से गूंज उठा. महिमानंद शुक्ला सीआरपीएफ में थे और नक्सल विरोधी अभियान में तैनात थे. 11 फरवरी को छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में वे बारूदी सुरंग विस्फोट की चपेट में आ गए. इस घटना में उनके दोनों पैर उड़ गए, उन्हें गंभीर हालत में रायपुर में भर्ती कराया गया जहां महिमानंद शुक्ला शहीद हो गए.

महिमानंद शुक्ला का पार्थिव शरीर गुरुवार की देर रात पलामू के लेस्लीगंज स्थित उनके पैतृक गांव कमलकेड़िया पहुंचा. पार्थिव शरीर पैतृक गांव पहुंचने के बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया और महिमानंद शुक्ला के लिए पूरा इलाका अमर रहे के नारों से गूंज उठा. महिमानंद शुक्ला का एक बेटा और एक बेटी है. वे पिछले कुछ सालों से दंतेवाड़ा में नक्सल विरोधी अभियान में तैनात थे.

सांसद, सीआरपीएफ आईजी, पलामू डीआईजी ने दी सलामी

छत्तीसगढ़ में शहीद हुए महिमानंद शुक्ला का पलामू के लेस्लीगंज के कमलकेड़िया में अमानत नदी के तट पर अंतिम संस्कार किया गया. अंतिम संस्कार से पहले चतरा सांसद कालीचरण सिंह, विधायक डॉ. शशि भूषण मेहता, सीआरपीएफ झारखंड सेक्टर आईजी साकेत सिंह, पलामू डीआईजी वाईएस रमेश, सीआरपीएफ डीआईजी पंकज कुमार समेत पलामू के कई पुलिस अधिकारियों ने सलामी दी. साथ ही सीआरपीएफ आईजी समेत अन्य अधिकारियों ने शहीद जवान को कंधा भी दिया. महिमानंद शुक्ला का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया. इस दौरान सीआरपीएफ की टुकड़ी ने उन्हें सलामी दी. सीआरपीएफ आईजी साकेत कुमार सिंह ने परिजनों से बात की और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया.

एसएसबी जवानों की बस और बाइक में टक्कर, युवक-युवती की दर्दनाक मौत

खूंटी, एजेंसी। जिले के खूंटी-तमाड़ मुख्य मार्ग पर एसएसबी जवानों की बस और बाइक में टक्कर हो गई. इस दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई. यह घटना अड़की थाना क्षेत्र के जरंगा सरना के पास हुई. मृतकों में जरंगा गांव निवासी सोमवारी कुमारी और श्रीकांत लोहरा शामिल हैं. सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद डीएसपी वरुण कुमार, इंस्पेक्टर किशुन दास और अड़की प्रभारी प्रवीण कुमार तिवारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच के बाद शव को कब्जे में लेकर थाना ले गए. शुक्रवार को दोनों मृतकों के शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा.

जानकारी के अनुसार खूंटी तमाड़ मार्ग स्थित जरंगा सरना के पास सशस्त्र सीमा बल की बस और बाइक के बीच आमने-सामने की टक्कर की घटना सामने आई है. इसमें बाइक सवार युवक और युवती की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. दुर्घटना में सोमवारी कुमारी पिता गुरुवा मुंडा उम्र 20 वर्ष अड़की और श्रीकांत लोहरा पिता सागु लोहरा उम्र 22 वर्ष जरंगा की मौत हो गई. प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवारी कुमारी पीपीके कॉलेज बुंडू की छात्रा थी, जो एनसीसी की क्लास करने के बाद बुंडू से अपने घर अड़की लौट रही थी. तमाड़ से अड़की जाने के लिए उसे कोई सवारी गाड़ी नहीं मिलने पर वह सवारी ऑटो से सिदरी बाजार पहुंची, उसी समय एक युवक श्रीकांत लोहारा अपनी बाइक से सिंदरी बाजार से अपने गांव जरंगा आ रहा था. उससे लिफ्ट लेकर सोमवारी कुमारी बाइक पर बैठ गयी. उक्त युवक उसे छोड़ने अड़की जा रहा था, उस समय हल्की बूंदाबांदी हो रही थी. बाइक सवार दोनों युवक-युवती जैसे ही जरंगा पार कर आगे बढ़े, जरंगा सरना के पास विपरीत दिशा से आ रही सशस्त्र सीमा बल की बस ने दोनों को टक्कर मार दी. बस बाइक सवार को रौंदते हुए खाई में जा गिरी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गयी. बताया जाता है कि उक्त बस जवानों को रिसीव करने तमाड़ की ओर जा रही थी.

बाबूलाल मरांडी ने झारखंड सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की अवमानना याचिका

रांची, एजेंसी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर की है. उन्होंने झारखंड सरकार द्वारा अनुराग गुप्ता को नियमित डीजीपी बनाए जाने पर सवाल उठाया है. 24 फरवरी को याचिका की लिस्टिंग की संभावना जताई जा रही है. उन्होंने इस केस में राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी, गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल, डीजीपी अनुराग गुप्ता, सेवानिवृत्त सह नॉमिनेशन कमेटी के चेयरमैन जस्टिस रत्नाकर भेंगरा और पूर्व डीजीपी नीरज सिन्हा को प्रतिवादी बनाया है.

बाबूलाल मरांडी की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता कुमार मिहिर ने 13 फरवरी को अवमानना याचिका दायर की है. इसकी सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता कुमार मिहिर ने इसकी पुष्टि की है. बाबूलाल मरांडी के अधिवक्ता कुमार मिहिर ने अनुराग गुप्ता की नियमित डीजीपी के रुप में नियुक्ति को अवैध बताते हुए कई कारण बताए हैं. मसलन, 25 जुलाई 2024 को अनुराग गुप्ता को एक्टिंग

डीजीपी बनाना रिट सिविल नंबर 310/1996 मामले में 3 जुलाई 2018 को आए सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन है. साथ ही विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद 28 नवंबर 2024 को अजय कुमार सिंह को डीजीपी के पद से हटाकर अनुराग गुप्ता को एक्टिंग डीजीपी बनाया गया. ऐसा करना रिट सिविल नंबर 310/1996 में 3 जुलाई 2018 को आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लंघन है. अवमानना याचिका में कहा गया है कि 22 सितंबर 2006 को डब्ल्यू पी (सी) संख्या 310/1996 मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक राज्य के पुलिस महानिदेशक का चयन राज्य सरकार द्वारा विभाग के तीन वरिष्ठतम अधिकारियों में से किया जाएगा. यूपीएससी द्वारा उनकी सेवा अवधि, बहुत अच्छे रिकॉर्ड और पुलिस बल का नेतृत्व करने के अनुभव के आधार पर उस पद पर पदोन्नति के लिए पैनल में शामिल किया जाएगा. एक बार जब वह नौकरी के लिए चयनित हो जाता है, तो उसकी सेवानिवृत्ति की तिथि पर ध्यान दिए बिना उसका न्यूनतम कार्यकाल कम से कम दो वर्ष का होना चाहिए. 22 सितंबर 2006 को डब्ल्यू पी (सिविल) संख्या 310/1996 मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, यूपीएससी द्वारा पदोन्नति के लिए पैनलबद्ध विभाग के तीन वरिष्ठतम अधिकारियों में से एक डीजीपी (एचओपीएफ) का चयन कर सकते हैं, जो उनकी सेवा अवधि, बहुत अच्छे रिकॉर्ड और बल का नेतृत्व करने के लिए अनुभव की सीमा के आधार पर होगा.

बीजेपी के पूर्व विधायक अनंत ओझा को जान का खतरा

बांग्लादेशी घुसपैठ विषय उठाने पर मिल रही धमकी

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता और दो बार विधायक रहे अनंत कुमार ओझा को जान से मारने की धमकी दी जा रही है. पूर्व विधायक ने झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता को पत्र लिखकर अपनी सुरक्षा की मांग की है. साथ-साथ साहिबगंज के नगर थाने में शिकायत भी दर्ज करवायी है.

क्या है पूरा मामला– भाजपा नेता और राजमहल से पूर्व विधायक रहे अनंत कुमार ओझा को बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा उठाने को लेकर जान से मारने की धमकी दी जा रही है. झारखंड के राजमहल विधानसभा सीट से दो बार विधायक रहे अनंत ओझा ने इस संबंध में लिखित शिकायत साहिबगंज के नगर थाने में भी की है. इसके अलावा उन्होंने झारखंड के डीजीपी को पत्र लिखकर पूरे मामले की

जानकारी दी है. डीजीपी को लिखे पत्र में अनन्त ओझा ने अपने हाउस गार्ड हटाने और सुरक्षा कम किए जाने पर चिंता जताई है. इसके साथ ही उन्होंने डीजीपी से मांग की है कि उन्हें वाई प्लस सुरक्षा श्रेणी दी जाए. आईजी विशेष शाखा प्रभात कुमार को भी उन्होंने इस संबंध में पत्राचार किया है.

फोन पर कहा बांग्लादेशी मुद्दा उठाते हो, सुधर जाओ– पूर्व विधायक अनंत ओझा ने साहिबगंज के नगर थाने में पूरे मामले में शिकायत की है. जिसमे उन्होंने बताया है कि 16 फरवरी को वह अपने साहिबगंज स्थित कार्यालय में थे. तभी उनके मोबाइल पर 8645327148 नंबर से फोन आया. मिस्ड कॉल होने के बाद उन्होंने कॉलर को फोन किया. तब दूसरी तरफ से उन्हें गाली गलौज की जाने लगी. फोन पर उन्हें धमकी दी गई कि बार बार बांग्लादेशी-बांग्लादेशी आवाज उठाते हो सुधर जाओ, वरना जान से मार देंगे. अनंत ओझा ने इस मामले में साहिबगंज एसपी से भी शिकायत की है.

डीजीपी को पत्र में लिखी गंभीर बातें

पूर्व विधायक अनंत ओझा ने डीजीपी को पत्र लिखकर बताया है कि संताल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर वह लगातार आवाज उठाते रहे हैं. अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ आवाज उठाने के कारण देश विरोधी ताकतों के द्वारा पूर्व में भी धमकी मिल चुकी है. कई संदिग्ध समय समय पर उनका पीछा भी करते हैं.

अनंत ओझा ने लिखा है कि साल 2018 में धमकी मिलने के बाद तत्कालीन मुख्य सचेतक और वर्तमान में झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने उनकी सुरक्षा को लेकर सरकार को पत्र भी लिखा था. उसी के बाद उन्हें 1-4 की सुरक्षा उन्हें मिली थी, साथ ही चेन्नई और कोलकाता जाकर पुलिस ने संदिग्धों पर कार्रवाई भी की थी. अनंत ओझा के अनुसार 2024 में विधानसभा में विपरीत जनादेश मिलने के बाद उनके आवास से गार्ड हटा दिया गया है. अब स्थानीय पुलिस प्रशासन से प्रतिनियुक्त अंगरक्षकों को भी हटाने का आदेश दिया गया है.

लोहरदगा में 250 किलो गांजा बरामद, पुलिस हिरासत में 5, छानबीन जारी

लोहरदगा, एजेंसी। पुलिस और एनसीबी की टीम को गांजा तस्करी के मामले में बड़ी कामयाबी मिली है. संयुक्त ऑपरेशन में लोहरदगा जिले के कुडू मस्जिद मोड़ से प्लाइवुड लदे ट्रक से 250 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है. एनसीबी की टीम मामले में जांच कर रही है.

ट्रक में प्लाइवुड के बीच में छिपा कर रखा गया था गांजा– गांजा तस्कर बड़ी ही चालाकी से प्लाईवुड लदे हुए एक ट्रक में गांजा को छुपा कर ओडिशा से बिहार ले जा रहे थे. एनसीबी को गुप्त सूचना मिली और कुडू थाना पुलिस के साथ मिलकर एनसीबी ने ट्रक को पकड़ लिया. साथ ही गांजा भी बरामद किया है. मामले की पुष्टि लोहरदगा एसपी हारिस बिन जमां ने की है. नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की सूचना पर एसपी हारिस बिन जमां के निर्देश पर गठित कुडू थाना प्रभारी

मनोज कुमार और एनसीबी की टीम ने लोहरदगा-रांची-लातेहार पथ में कुडू थाना क्षेत्र के मस्जिद मोड़ के समीप एक ट्रक में लोड 13 बोरों में बंद कुल 250 किलोग्राम गांजा बरामद किया है.

बोरे प्लाइवुड के अंदर छिपाए गए थे– इस ट्रक में प्लाइवुड लदा हुआ था. जिसके बीच में कुल 13 बोरी में गांजा छिपा कर रखा गया था. इस मामले में सबसे पहले कुडू मस्जिद मोड़ में ट्रक चालक अर्जुन कुंवर जो औरंगाबाद, बिहार का निवासी है उसको और खलासी भोजपुर निवासी रमेश महतो को हिरासत में लिया गया है. इसके बाद ट्रक के चालक और खलासी से पूछताछ में मिली जानकारी और तकनीकी टीम की सहायता से एनसीबी की टीम ने कार में सवार हो कर भाग रहे तीन आरोपितों को चंदवा रोड से हिरासत में ले लिया है.

सुभाषितम्

यह व्यक्ति की स्वयं की सोच ही होती है जो उसे बुराइयों की ओर ले जाती है ना कि उसके दुश्मन की। - गौतम बुद्ध

निष्पक्ष चुनाव आयोग, संविधान और लोकतंत्र का प्रथम प्रहरी

भारत लोकतांत्रिक देश है, इसमें स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता ही जनता के विश्वास, लोकतंत्र की मजबूती और संविधान के सुरक्षा की गारंटी है। इसी संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट में लंबित चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा मामला केवल कानूनी विवाद नहीं है। लोकतंत्र की नींव और संविधान के मूल अधिकारों से जुड़ा अहम प्रश्न है। सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में आदेश दिया था, जब तक संसद कोई नया कानून नहीं बनाती, तब तक चुनाव आयोग के सदस्यों आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और मुख्य न्यायाधीश की समिति द्वारा की जाएगी। इस फैसले के बाद केंद्र सरकार ने ताबड़तोड़ तरीके से 2023 में नया कानून बनाकर मुख्य न्यायाधीश को इस प्रक्रिया से बाहर कर दिया। मुख्य न्यायाधीश के स्थान पर प्रधान मंत्री द्वारा नियुक्त एक केंद्रीय मंत्री को नियुक्त करने का प्रावधान कर कानून बना दिया। इससे समिति में सत्ता पक्ष को 2-1 का बहुमत मिल गया। यह कानून संसद से बिना किसी विचार विमर्श के बहुमत के आधार पर पास कर लिया गया। जिस समय यह कानून पास कराया गया, उस समय विपक्ष के सांसदों को बड़ी संख्या में लोकसभा और राज्यसभा से निलंबित किया गया था। जिससे चुनाव आयोग की नियुक्ति के लिए बनाए गए कानून और नियुक्ति प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो गए। 2023 में जैसे ही कानून पास हुआ था, उसके बाद से ही सुप्रीम कोर्ट में यह मामला लंबित पड़ा हुआ है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट नहीं कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट के जज इस सुनवाई से बचना चाहते हैं, मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने अपने आप को अलग कर लिया। जिस खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई के लिए भेजा वह भी टालमटोल कर रही है। सरकार भी इस मामले की सुनवाई नहीं होने देना चाहती है। इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का यह रवैया चिंता का विषय है। स्वतंत्र चुनाव आयोग भारतीय संविधान और लोकतंत्र की आत्मा है। निष्पक्ष चुनाव आयोग की जरूरत बार-बार महसूस की जा रही है। लोकसभा तथा पिछले विधानसभा चुनाव को लेकर जिस तरह की शिकायतें चुनाव आयोग को लेकर की गई हैं यह चिंता का सबसे बड़ा विषय है। चुनाव आयोग के कार्य में परिदृश्यता नहीं है। चुनाव आयोग सरकार के इशारे पर काम कर रहा है। सत्ताधारी दल के खिलाफ की गई शिकायतों पर कोई कार्यवाही चुनाव आयोग द्वारा नहीं की गई। चुनाव की निष्पक्षता को लेकर भी चुनाव आयोग पर विपक्षी राजनीतिक दल निशाना साध रहे हैं। तब सर्वोच्च न्यायालय का मामले को टालते रहना लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए शुभ संकेत नहीं है। संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करने का दायित्व न्यायपालिका का है। प्रशांत भूषण जैसे वरिष्ठ वकील जब यह तर्क देते हैं, इस मामले का सीधा संबंध देश की 140 करोड़ जनता के मौलिक अधिकारों और भविष्य से जुडा हुआ है। तब इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट को प्राथमिकता से करनी चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि उनके पास सुनवाई के लिए समय नहीं है। यह न्यायिक सक्रियता और निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। इस घटनाक्रम से यह स्पष्ट है, कि सरकार का प्रभाव केवल चुनाव आयोग नहीं, बल्कि न्याय पालिका पर भी स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। वर्तमान केंद्र सरकार का सभी संवैधानिक संस्थानों पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट जब इतने महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई को टाल रहा है, सुप्रीम कोर्ट के जज जब सुनवाई से अलग होना चाहते हैं। यह स्थिति विपक्ष एवं आम जनता के लिए आत्ममंथन का समय है। लोकतंत्र को बचाए रखना है, तो सभी विपक्षी दलों को जनता के बीच में जन जागरण चला कर जनता को एकजुट करके निष्पक्ष चुनाव आयोग की लड़ाई को लड़ना होगा। न्यायपालिका के ऊपर भी अब कोई भरोसा नहीं किया जा सकता है।

चिंतन-मनन

शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्त्तव्यपरायणता की सद्वृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर हैं। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थय भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है।

उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है।

ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्त्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमय दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है। प्रकृति के संदेश-संकेतों को जब सृष्टि के सभी जीवधारी मोटी बुद्धि होने पर भी समझ लेते हैं तो कोई कारण नहीं कि मनुष्य जैसा बुद्धिजीवी उन्हें न अपना सके।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता की चुनौतियां

ललित गर्ग

भारतीय जनता पार्टी ने फिर एक बार दिल्ली मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है। निश्चित ही अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता भी नया इतिहास का सृजन करते हुए विकास की नई गाथा लिखेंगी। दिल्ली से पहले भाजपा की 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में सरकार थी लेकिन कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। दिल्ली में चौथी मुख्यमंत्री के रूप में भले ही रेखा गुप्ता का नाम राजनीति गलियारों में व्यापक चर्चा का विषय बन रहा हो, लेकिन राजनीति में महिलाओं के वर्चस्व को बढ़ाने की यह कोशिश अभिनन्दनीय एवं सराहनीय है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्यप्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री के नामों को लेकर चौंकाया था। लेकिन यह संदेश भी दिया था कि पार्टी में बड़ा चेहरा होना सब कुछ नहीं है। कर्मठ कार्यकर्ता होना बहुत कुछ है, जो बिना अभिमान पार्टी

नेतृत्व के सोच को आसमानी ऊंचाई दे सकता है। रेखा गुप्ता शालीमार बाग सीट से जीतकर पहली बार विधायक बनी हैं। शुक्रवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में रेखा गुप्ता ने नौवें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। रेखा गुप्ता पेशे से एक वकील हैं। भाजपा में उनकी गिनती अग्रणी नेताओं में होती है, वे दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। रेखा गुप्ता का जन्म हरियाणा के जींद में हुआ था, लेकिन उनकी शिक्षा-दीक्षा दिल्ली में हुई है। रेखा गुप्ता से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। रेखा गुप्ता पुरानी संघ से जुड़ी नेता रही हैं, दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपना राजनीतिक सफर शुरू करने वाली रेखा गुप्ता कोमल स्वभाव, खुशमिजाज, संवेदनशील लेकिन बेबाकी, बेखौफ एवं बुलन्द आवाज में अपनी बात रखने का उनका माद्दा उनको एक खास पहचान देता है।

निश्चित ही दिल्ली का नया मंत्रिमण्डल सशक्त एवं कार्यक्षम है। वैसे एक बड़ी सच्चाई तो यही है कि दिल्ली की जीत अगर किसी एक चेहरे पर हुई थी, तो वह नरेंद्र मोदी थे। दिल्ली की जनता से मोदी ने जो वायदे किये हैं, उनको पूरा करने के लिये वे स्वयं दिल्ली पर निगरानी रखेंगे। उनका मार्गदर्शन एवं नेतृत्व ही दिल्ली के विकास की नई गाथा लिखेगा। प्रवेश वर्मा सहित छह लोगों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस सूची में पंकज सिंह, आशीष सूद, रवींद्र इंद्रराज, कपिल मिश्रा और मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम शामिल है। पंकज सिंह बिहार के रहने वाले हैं और राजपूत चेहरा हैं, इसके अलावा रविंद्र इंद्राज दलित चेहरा हैं, कपिल मिश्रा ब्राह्मण तो सिरसा सिख। भाजपा ने सभी वर्गों को मंत्रिमण्डल में जगह दी है। मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था। इनमें यमुना की सफाई, स्वच्छ पेयजल, साफ प्रदूषण रहित हवा दिल्ली को देना, प्रति वर्ष 50 हजार नई नौकरियों का सृजन, महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देना, वृद्धों को पेंशन, मुफ्त बस यात्रा, नालों गलियों सीवर की सफाई, सड़कों की मरम्मत, ट्रैफिक जाम से निजात समेत आप सरकार की मुफ्त बिजली पानी जैसी लोकलुभावन योजनाओं को जारी रखना शामिल होगा। खासकर 15 साल तक मुख्यमंत्री रहीं और दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के कामकाज से रेखा सरकार के कामकाज की तुलना होगी। इसके साथ ही रेखा गुप्ता को उपराज्यपाल और केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाते हुए भी ये संदेश भी देना होगा कि वे कठपुतली मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके लिए उन्हें शीला और सुषमा का उदाहरण सामने रखकर नयी रेखाएं खिंचनी होगी। भले ही मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ रेखा गुप्ता दिल्ली के दिलों पर छा गईं हो, एकाएक उनके फॉलोअर्स की रफ्तार देख हर कोई हैरान हो, उन्होंने दिग्गजों को पछाड़ा हो, लेकिन असली परीक्षा अब होगी और वह परीक्षा है उनका काम करने का तरीका एवं दिल्ली को दुनिया की अव्वल राजधानियों में शुमार कराने का। रेखा गुप्ता के सामने विपक्ष आम आदमी पार्टी के आक्रामक विरोध से निपटने की भी चुनौती होगी। 22 विधायक और 43 फीसदी मत प्रतिशत वाली आप विधानसभा के भीतर बाहर सरकार के विरोध में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इन बाहरी चुनौतियों के साथ ही पार्टी के भीतर वो नेता जिनकी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर थी, उनके भीतरघात से भी सजग रहने व निपटने की चुनौती होगी। हालांकि, मौजूदा भाजपा नेतृत्व के दौर में भीतरघात बहुत असरदार नहीं बचा है, लेकिन इसके बावजूद भाजपा नेताओं की ही एक जमात उन्हें विफल होते भी देखना चाहेगी। मुख्यमंत्री को उन पर भी नजर रखनी होगी। आखिरी सबसे बड़ी चुनौती नौकरशाही पर सार्थक नियंत्रण और उसे जनोन्मुखी बनाने की होगी। साथ ही दिल्ली के सभी वर्गों समूहों और क्षेत्रों में संतुलन साधते हुए विकास करने की होगी। दिल्ली देश की राजधानी और केंद्र के सीधे नियंत्रण में है, इसलिए उनके हर काम पर देश एवं दुनिया के मीडिया के साथ-साथ केन्द्र की नजर रहेगी, इसलिए उन्हें फूंक फूंक कर कदम रखने होंगे। दिल्ली का विकास केजरीवाल सरकार के दौर में अवरुद्ध रहा है। जीत के बाद विजयी भाषण में प्रधनमंत्री मोदी ने यमुना को लेकर कई बड़े वादे किए हैं, जिनपर रेखा गुप्ता सरकार को खरा उतरना होगा। तय डेडलाइन पर यमुना का जीर्णोद्धार हो पाए इसका इंतजार दिल्ली की जनता कर रही है। दिल्ली की जनता यमुना नदी को अहमदाबाद की साबरमती नदी की तर्ज पर सौन्दर्यकरण के साथ विकसित होते हुए देखने को उतावली है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में इस वक्त सड़क कॉरिडोर प्रस्तावित है। इसके अलावा दिल्ली में कई स्थानों पर सड़कों का बुरा हाल है। इन सड़कों को दुरुस्त कराना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। दिल्ली में पूर्ववर्ती आप सरकार ने चार अस्पताल बनाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन इसे पूरा नहीं किया जा सकता है। वहीं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर से जुड़ी योजना भी लागू करना होगा। दिल्ली में जिस प्रकार सार्वजनिक परिवहन की जरूरत बढ़ती जा रही है, उस अनुरूप बसों की संख्या बढ़ानी होगी। दिल्ली में कूड़े के पहाड़ और वायु प्रदूषण बड़ी समस्या रही है। भाजपा इन मुद्दों पर आप पर हमलावर रही है लेकिन अब जब खुद भाजपा सत्ता में आ गई है तो इसके लिए कोई बहाना दिल्ली की जनता को रास नहीं आएगा। वायु प्रदूषण के कारण ना केवल लोगों के स्वास्थ्य प्रभावित हो रहे हैं बल्कि बच्चों के स्कूल बीच सेशन बंद भी कराने पड़ते हैं। भाजपा ने चुनाव के वक्त अपनी पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। रेखा गुप्ता अपनी टीम की छवि कितनी साफ, अहंकारमुक्त एवं पारदर्शी रख पाती हैं, यह भी उनके लिए बड़ी चुनौती होगी। वहीं, आप सरकार में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच कराना भी इसकी जिम्मेदारी होगी। महिलाओं एवं युवाओं के मुद्दों को लेकर भी उन्हें संवेदनशीलता दिखानी होगी।

प्रयागराज में अस्मिता की नीलामी

राकेश अचल

आस्था के महाकुम्भ को एक ईवेंट में बदलते वक्त उत्तरप्रदेश सरकार ने सोचा भी नहीं होगा कि उनका लालच हिन्दुस्तान की अस्मिता को नीलाम करने की मंडी में तब्दील हो जाएगा। महाकुम्भ को ईवेंट बनाकर जहां यूपी सरकार ने अपनी तिजोरियां भर लीं वहीं अब संगम में स्नान करती निर्दोष सनातनी महिलाओं की अर्धनग्न तस्वीरें भी लोगों की कमाई का जरिया बन गयीं हैं। इस सबके लिए जिम्मेदार लोगों को क्या माफ किया जा सकता है? प्रयागराज में ही नहीं बल्कि हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में न जाने कब से कुम्भ लगता आ रहा है ,आगे भी लगता रहेगा, लेकिन इस धार्मिक आस्था के आयोजन में महा शब्द जोड़ा उत्तर प्रदेश की धर्मभीरु किन्तु लालची सरकार ने। सरकार ने कुम्भ में लोगों को आमंत्रित करने के लिए सारे स्वांग किया। ज्योतिषियों की मदद ली ,तकनीक की मदद ली और नतीजा ये है कि देश के सनातनियों में ऐसा धर्मिक उन्माद पैदा हुआ की आधा देश प्रयागराज की और कूच कर गया।। लोगों को लगा कि - अभी नहीं तो कभी नहीं । फिर ऐसा कुम्भ न जाने फिर कभी आएगा, जिसमें स्नान करने से मोक्ष और पापमुक्ति की सौ फीसदी गारंटी मिल रही है। किस्सा ये है कि प्रयागराज के कुम्भ में आस्था की डुबकी लगाने गयी युवतियों और महिलाओं की अधनंगी तस्वीरें अब इंटरनेट पर नीलाम हो रहीं है। बाकायदा इनकी रेटलिस्ट जारी हो चुकी है। आप अपनी जेब खाली कर राम तेरी गंगा मैली हो गयी की अभिनेत्री मन्दाकिनी के जैसे उत्तेजक और अर्धनग्न दृश्य खरीद सकते हैं अपने मनोरंजन के लिये। धंधक धोरियों ने इसके लिए ओपन बाथ और हिडन बाथ ग्रुप बनाये हैं। इन समूहों की सदस्यता 1999 रुपए से लेकर 3000 हजार रुपए तक है। जिन महिलाओं और युवतियों की अस्मिता नीलाम हो रही हैं उन्हें इसका पता ही नहीं है। महाकुम्भ से यूपी की सरकार तो पहले ही 3 लाख हजार करोड़ कमा चुकी है। आसपास अयोध्या और बनारस के मंदिरों ने भी धर्मभीरु जनता की जेबें खाली करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अकेले अयोध्या में साल बाहर पहले प्रतिष्ठित हुए रामलला मंदिर ने कमाई के नए कीर्तिमान बना डाले। कुम्भ के महाकुम्भ बनाये जाने से अकेले सरकार ने ही नहीं बल्कि पर्यटन, होटल , आवास सेवाएं, फूड, पेय पदार्थ उद्योग, परिवहन, लॉजिस्टिक्स पूजा सामग्री, धार्मिक वस्त्र ,हस्तशिल, पहेल्थकेयर, वेलनेस सेवाएं, मीडिया, विज्ञापन, मनोरंजन उद्योग, स्मार्ट टेक्नोलॉजी, सीसीटीवी-टेलीकॉम और एआई आधारित सेवाओं से भी अकूत कमाई की गयी। श्रद्धालुओं को भनक ही नहीं लगी कि किस तरह उनकी आस्था के बहाने प्रयागराज और आसपास एक बड़ा धर्म का कारोबार खड़ा कर दिया गया है। खबर है कि है कि डार्क वेब की मदद लेकर बदमाश संगम में स्नान करती युवतियों और महिलाओं के वीडियो बेच रहे हैं। इस माले में जब तक पुलिस की नींद खुली तब तक असंख्य वीडियो बेचे जा चुके थे। अब पुलिस हालांकि पुलिस मामले को लेकर कार्रवाई कर रही है. महिला तीर्थयात्रियों के अनुचित वीडियो पोस्ट करने के आरोप में एक इंस्टाग्राम अकाउंट के खिलाफ 17 फरवरी को मामला भी दर्ज होने का दावा किया गया है। कुम्भ से सरकार को कमाई करते देख डार्क वेब ने भी हाथ आजमा लिये। आपको बता दें कि डार्क वेब को इंटरनेट की दुनिया का काला पन्ना माना जाता है। ज्यादातर मामलों में साइबर अपराधी अपराध के लिए इसी का इस्तेमाल करते हैं। डार्क वेब एक ऐसा हिस्सा है जो इंटरनेट पर मौजूद है, लेकिन ये समान्य सर्च इंजन जैसे कि गूगल, बिंग के द्वारा एक्सेस नहीं किया जा सकता। यह एक प्रकार का एन्क्रिप्टेड नेटवर्क है जो विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग करके एक्सेस किया जा सकता ह। डार्क वेब का उपयोग अक्सर अवैध गतिविधियों के लिए किया जाता है। इसके अलावा, डार्क वेब पर साइबर अपराधी भी सक्रिय होते हैं जो व्यक्तिगत जानकारी चोरी करने और अन्य अवैध गतिविधियों में शामिल होते हैं।

कुंभ में स्नान करती हमारी बहू -बेटियों, बहनों के स्नान वीडियो ऑनलाइन बाजार में बिकने लगे हैं और दुनिया का सबसे बड़ा शक्तिशाली आई टी सैल और 100 करोड़ श्रद्धालुओं की भीड़ व्यवस्थित कर सकने वाला परम प्रतापी मुख्यमंत्री कहाँ बैठा थे ? पूरी यूपी की पुलिस उन बदमाशों के इरादे और कारनामे नहीं भाँप पायी , देख कर भी पकड़ नहीं पायी ! योगी सरकार अब उन सारे वीडियो को हटवाने के लिये क्या कर पायेगी ,क्योंकि ये वीडियो तो अब हवा में तैर चुके हैं। इन्हें आसानी से विलोपित करा पाना सम्भव नहीं है। अच्छा हुआ कि मुसलमानों को संगम में नहीं आने दिया गया , वरना सबसे आसान था उन पर टेंटों में बार बार आग लगाने प्रयागराज में भगदड़ मचाने का ठीकरा उन्ही के सर फोड़ दिया जाता। अब कम से कम प्रयागराज में अस्मिता की मंडी लगाकर हो रही नीलामी और संगम जल को प्रदूषित करने का आरोप उन मुसलमानों पर नहीं लगाया जा सकेगा जिन्होंने भगदड़ के बाद प्रयागराज में फांसी बेबस सनातनियों को अपने मदरसों और मस्जिदों में पनाह दी थी। हिंदुस्तान के इतिहास में धार्मिक आस्थाओं के साथ खिलवाड़ की ये पहली शर्मनाक घटना है। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी केो देश से क्षमा मांगना चाहिए। और भविष्य में ऐसे धार्मिक आयोजनों को इवेंट बनाने की गलती दोहराई नहीं जाना चाहिए।

गुमराह मत कीजिये

नरेंद्र भारती

गुमराह मत कीजिये। अच्छा नहीं कर सकते तो बुरा भी मत कीजिये।मानव को खुद को इतना बुलंद करना चाहिए कि इस तदवीर से पहले ईश्वर बंदे से पूछे की बता तेरी रजा क्या है। मेहनत का फल जरूर मिलता है ईमानदारी से मेहनत कीजिये खून पसीने की रोटी मे मिठास होती है।कर्म करने वाले कभी भूखे नहीं मरते। मेहनत कीजिये अपने सपनों को साकार कीजिये। ईमान की रोटी कमाओ और दान पुण्य करते रहो गरीबों की सहायता कीजिये। जीवन मे कभी किसी को गुमराह मत कीजिये अच्छी राह दीजिये। सफलता हासिल करना आसान है सफलता बनाये रखना कठिन है। सफलता के लिए मेहनत करनी पड़ती है। सफलता एक दिन में नहीं मिलती। आधुनिक मानव शॉर्टकट सफलता चाहता है लेकिन सफलता के लिए बहुत अंधेरों को चीरना पड़ता है' जीवन में बहुत संघर्ष करना पड़ता है कई बधाओं को पार करना होता है' गहरी खाईआँ व पथरीले रास्ते होते हैं उन पर चलने के लिए रास्ते बनाने पड़ते हैं खुद पगडण्डियां बनानी पड़ती है। पाँव छलनी हो जाते हैं पैरों में जख्म पड़ जाते हैं खून रिसता हैं जख्म नासूर बन जाते हैं तभी सफलता हासिल होती है। जीवन में कुछ भी नामुमकिन नहीं है हर चीज मुमकिन है बस इरादे मजबूत होने चाहिए जीवन की सभी जरूरतें पूरी हो जाती हैं। जीवन को जिंदादिली से जिओ सदैव खुश रहिये। जीवन की महता समझे। मानव जीवन दुर्लभ है। मानव जीवन एक ही बार मिलता है बार बार नहीं मिलता। आज मानव में सहनशीलता खत्म होती जा रही है। मानव आज छोटी छोटी समस्या के कारण असफल होने पर अपना जीवन खत्म कर रहा है। लक्ष्य ऊँचा होना चाहिए। हर कठिन से कठिन समस्या का समाधान हो जाता है। मानव को समस्यायों से डरना नहीं चाहिए बल्कि डटकर मुकाबला करना चाहिए। आज का मानव मेहनत करना ही नहीं चाहता मुफ्त की खाना चाहता है। उच्च शिक्षित लोग काम नहीं करना चाहते बाप दादा की सम्पति पर ऐशो आराम की जिंदगी जीना चाहते हैं। महंगी कार चाहिए महंगा मोबाइल चाहिए। सम्पति बेच रहे हैं और आलीशान भवन बना रहे हैं जमीने बेच कर धनासेठ बने हुए हैं। जमीन बेचने का बहुत चलन हो गया है। जमीन बेच कर कोई बड़ा नहीं बना है एक दिन कंगाल जरूर होता है। युवा नशा कर रहा है अपना जीवन तबाह कर रहा है। जीवन को दाँव पर लगा रहा है। युवा नशे का गुलाम हो चूका है आज हालात बहुत ही बदतर होते जा रहे हैं। संस्कार नहीं हैं। संस्कार सबसे बड़ी पूंजी है। विरासत के पैसे पर ऐश हो रही है खुद एक रूपया तक नहीं कमाते जिस दिन खुद कमाओगे उस दिन एक रूपया खर्च करने से पहले हजार बार सोचेंगे।

आज का राशिफल

मेष आज दिन लाभ और तरक्की से भरा होगा और आपके लिए सम्मान प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

तुला आज दिन शुभ है। अधिकार और संपत्ति में वृद्धि होगी। दूसरों की मदद करेंगे।

वृषभ आपको काफी दौड़भाग करनी पड़ेगी। आपके फैसले आपको फायदा दिलाएंगे।

वृश्चिक आज मन परेशान रहेगा। व्यापार में किए गए प्रयास असफल हो सकते हैं।

मिथुन आज फिजूलखर्ची से बचना चाहिए। सामाजिक कामों में रुकावट आएगी। अचानक धन लाभ होगा।

धनु आज विद्या और ज्ञान में वृद्धि होगी और आपको धन के मामले में लाभ होगा।

कर्क आज दिन अच्छा रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा। बच्चों पर आपका विश्वास बढ़ेगा।

मकर आज लाभ का दिन है। लेकिन कुछ बेवजह के खर्चे भी होंगे। ससुराल से सम्मान मिलेगा।

सिंह आज दिन मिला-जुला रहेगा। मानसिक परेशानी, उदासी और बेचैनी हो सकती है।

कुंभ नई-नई चीजें सीखेंगे। जरूरत के हिसाब से ही खर्च करें। नौकर-चाकरों का सुख मिलेगा।

कन्या आज दिन साहस से भरा होगा। आपके जरूरी कार्य पूर्ण हो सकते हैं। माता-पिता का सहयोग मिलेगा।

मीन आज बच्चों से जुड़ा कोई पुराना विवाद सुलझ जाएगा। लोग आपसे दोस्ती करना चाहेंगे।

विशेष

संगम तट पर किन्नर अखाड़े की धूम

प्रयागराज संगम में इस बार किन्नर अखाड़े की धूम लगातार देखने को मिली अन्य साधु महात्मा महामंडलेश्वर प्रयागराज छोड़कर काशी की ओर रुख कर गए हैं लेकिन किन्नर अखाड़े ने अभी विदाई लेना शुरू नहीं की है किन्नर अखाड़े में अभी भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु जा रहे हैं किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर पवित्रा नंदीगिरी अपने भक्तों को दोनों हाथ से आशीर्वाद दे रहे हैं 26 फरवरी को महा शिवरात्रि मैं भगवान की बारात के साथ किन्नर अखाड़े प्रयागराज से काशी की ओर रुख करेंगे किन्नर साधुओं का आशीर्वाद लेने से सीधे महादेव का आशीर्वाद मिलता है। जो भी श्रद्धालु संगम तक पहुंचे। वह किन्नर अखाड़े का आशीर्वाद लेने से नहीं चूके।

दिल्ली की अब रेखा सरकार

दिल्ली में प्रथम बार की विधायक रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है, जिसके बाद बीजेपी ने भी 27 साल बाद राजधानी में सत्ता में वापसी कर ली है। रामलीला मैदान में हुए भव्य शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित शीर्ष नेतृत्व के साथ अनेक राज्यों के मुखिया की मौजूदगी बता रही थी कि दिल्ली आखिर देश का ताज क्यों कहलाती है। रेखा गुप्ता दिल्ली की 9वीं और चौथी महिला मुख्यमंत्री हैं, ऐसे में उम्मीद जाहिर की जा रही है कि जो पिछली सरकारों ने नहीं किया अब वो रेखा सरकार महिलाओं के लिए जरुर करेगी। सबसे पहले महिलाओं और बच्चियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और नौकरी के साथ सुरक्षा को लेकर देखना होगा कि रेखा सरकार क्या कुछ करती है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1495 फ्रांस नरेश चार्ल्स आठवें के नेतृत्व में सेना नेपल्स (इटली) पहुंची. 1724 स्वीडन और रूस ने आपसी सहायता संबंधी समझौता किया. 1732 अमरीका के प्रथम राष्ट्रपति वाशिंगटन का जन्म. 1788 जर्मन दार्शनिक आर्थर शोपेन हावर का जन्म. 1848 लुई फिलिप के शासन की असफलताओं के कारण पेरिस में विद्रोह हुआ. 1942 द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फिलीपींस में जनजातियों ने बड़ी संख्या में जापानी सैनिकों का सफाया कर दिया. 1944 महात्मा गांधी की पत्नी श्रीमती कस्तूरबा गांधी का निधन. 1958 मौलाना अबुल कलाम आजाद का निधन. 1964 घाना में एकदलीय शासन व्यवस्था लागू हुई. 1966 उगांडा के प्रधानमंत्री मिल्टन ओबोटे ने अपने मंत्रिमंडल के पांच सहयोगियों की गिरफ्तारी के आदेश दिए. 1975 इथोपिया में सैनिकों के साथ संघर्ष दो हजार से अधिक छापामार मारे गए. 1989 अमरीकी राष्ट्रपति जार्ज बुश ने चीन,जापान और दक्षिण कोरिया की यात्रा के लिए रवाना हुए.

दैनिक पंचांग

22 फरवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.34 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मेष	09.04 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	10.44 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.42 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	14.56 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	17.12 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	19.24 बजे से
राहु	मीन में	तुला	21.35 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.49 ब.से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		धनु	02.05 बजे से
		मकर	04.10 बजे से
		कुंभ	05.57 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 53 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** नवमी 13.20 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 17.40 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 11.56 बजे को समाप्त।
करण गर 13.20 बजे तदनन्तर वणिज 01.44 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 23.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 10° 11'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872263
जूलियन दिन 2460728.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना शाबान
तारीख 23

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मनी प्लांट को कांच की बोतल में लगाना शुभ होता है या अशुभ?

मनी प्लांट को घर में लगाना सिर्फ एक साज-सज्जा के लिए ही नहीं, बल्कि यह वास्तुशास्त्र के हिसाब से भी अहम माना जाता है। इसे कई बार लोग गमले की मिट्टी में लगाते हैं। वहीं, कुछ लोग इसे कांच की बोतल या जार में पानी भरकर भी उगाना पसंद करते हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार, सही दिशा और दशा में मनी प्लांट लगाना बेहद शुभ माना जाता है। कहते हैं, इसे सुख-समृद्धि और धन आगमन का प्रतीक माना जाता है। वहीं, कांच की बोतल में मनी प्लांट लगाना शुभ होता है या अशुभ, इस बारे में कई लोग जानना चाहते हैं। तो आइए इस लेख में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

वास्तु शास्त्र और फेंगशुई के अनुसार, मनी प्लांट को पानी में कांच की बोतल में लगाना शुभ माना जाता है। यह घर में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है और आर्थिक समृद्धि लाने में सहायक होता है। हालांकि, कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना जरूरी है, वरना यह अशुभ प्रभाव भी डाल सकता है।

कांच की बोतल में मनी प्लांट लगाने के लाभ

धन और समृद्धि - मनी प्लांट को उत्तर-पूर्व या दक्षिण-पूर्व दिशा में रखने से घर में धन की वृद्धि होती है।

सकारात्मक ऊर्जा - यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और घर में शांति बनाए रखता है।

कम मेंटेनेंस - मिट्टी की तुलना में पानी में इसे उगाना आसान होता है, और यह जल्दी बढ़ता है।

घर की सुंदरता बढ़ाता है - कांच की बोतल में यह देखने में आकर्षक लगता है और इंटीरियर को भी खूबसूरत बनाता है।

मनी प्लांट लगाने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

पानी साफ रखें - गंदा या बदबूदार पानी रखने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है। हर 4-5 दिन में पानी बदलें।

सूखी या पीली बेल न रखें - अगर पत्तियां सूख रही हैं, तो तुरंत हटा दें, वरना यह नकारात्मकता ला सकती हैं।

कटी-फटी बोतल न रखें - टूटी या फटी कांच की बोतल रखने से घर में अशुभ प्रभाव आ सकता है।

मनी प्लांट को पानी में लगाने का सही तरीका

- किसी पारदर्शी कांच की बोतल या जार का चुनाव करें।
- इसमें साफ पानी डालें और हर 4-5 दिन में पानी बदलते रहें।
- मनी प्लांट की बेल को बोतल में डालें और इसे ऐसी जगह रखें, जहां प्राकृतिक रोशनी आती हो लेकिन सीधी धूप न पड़े।
- चाहें तो पानी में थोड़ा सा लिक्विड फर्टिलाइजर मिला सकते हैं, जिससे पौधा तेजी से बढ़ेगा।

क्या शंखनाद से प्रसन्न होते हैं भगवान, पूजा के समय क्या है इसका महत्व

हिंदू धर्म में शंखनाद का विशेष महत्व होता है। किसी भी पूजा के आरंभ और समापन के दौरान शंखनाद करना बहुत शुभ माना जाता है। शंख न केवल धार्मिक अनुष्ठानों का एक अभिन्न हिस्सा है, बल्कि इसे सौभाग्य, शुद्धता और दिव्यता का प्रतीक भी कहा जाता है। मान्यता है कि पूजा के दौरान शंख की ध्वनि करने से आस-पास की नकारात्मक ऊर्जाएं दूर होती हैं और वातावरण में सकारात्मकता का संचार होता है। शास्त्रों की मानें तो जब घर पर शंख बजता है, तो उसकी ध्वनि से देवता प्रसन्न होते हैं और भक्तों को उनका आशीर्वाद मिलता है। इन्हीं कारणों से मंदिरों में आरती और पूजा के समय शंख बजाने की परंपरा है। शंखनाद का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी विशेष महत्व है।

इसकी ध्वनि से वायुमंडल में कंपन उत्पन्न होता है, जिससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक वातावरण बनता है। साथ ही, शंख मन को एकाग्र करने और ध्यान की स्थिति को प्रबल करने में भी सहायक होता है। धार्मिक ग्रंथों में भी शंखनाद को कल्याणकारी और अशुभ शक्तियों को दूर करने वाला बताया जाता है। इसलिए, पूजा-पाठ, हवन और अन्य धार्मिक कार्यों में शंख बजाने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है।

शंख का धार्मिक महत्व

शंख को भगवान विष्णु का प्रतीक माना जाता है और यह हर धार्मिक अनुष्ठान एवं पूजा का अभिन्न हिस्सा माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, पूजा की शुरुआत शंख ध्वनि से करने से उस स्थान के आस-पास की नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं और देवताओं का आह्वान होता है, जिससे वातावरण पवित्र एवं सकारात्मक बना रहता है। इसी कारण से भगवान कृष्ण ने भी अपने दिव्य शंख पांचजन्य को महाभारत युद्ध के दौरान बजाकर पांडवों का उत्साहवर्धन किया था। वहीं, ज्योतिष में मान्यता यह भी है कि माता लक्ष्मी का वास शंख में होता है, इसलिए इसे घर में या पूजा स्थल पर रखना अत्यंत शुभ माना जाता है और इससे समृद्धि बनी रहती है। शंख बजाने से मानसिक शांति भी मिलती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

पूजा के समय शंखनाद के लाभ

पूजा के समय शंखनाद करना अत्यंत शुभ और लाभकारी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शंख की पवित्र ध्वनि से देवता प्रसन्न होते हैं और भक्तों पर अपनी कृपा बरसाते हैं। यह न केवल ईश्वरीय आशीर्वाद प्राप्त करने का माध्यम है, बल्कि घर में शुभता का संचार भी करता है।

शंख बजाने से वातावरण की कई तरह की नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं, जिससे घर में शांति और सुख-समृद्धि बनी रहती है। वास्तुशास्त्र के अनुसार शंख की ध्वनि से घर के वास्तु दोष समाप्त होते हैं और शुभ फल प्राप्त होते हैं। इसके नियमित अभ्यास से मानसिक शांति और एकाग्रता भी बढ़ती है, जिससे ध्यान और साधना में सहायता मिलती है। पूजा-पाठ के दौरान शंखनाद करने से न केवल आध्यात्मिक उन्नति होती है, बल्कि यह शरीर और मन को भी ऊर्जा प्रदान करता है। इसलिए, इसे धार्मिक एवं स्वास्थ्य लाभों के लिए एक महत्वपूर्ण साधन माना जाता है।

शंख बजाने के नियम

पूजा के समय शंख बजाने के लिए कुछ विशेष नियमों का पालन करना जरूरी होता है। यदि आप इन नियमों का पालन करते हैं तो आपको इसका पूर्ण लाभ मिल सकता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शंख को हमेशा साफ-सुथरे स्थान पर रखना चाहिए और इसे अशुद्ध हाथों से स्पर्श नहीं करना चाहिए। पूजा या किसी भी शुभ कार्य से पहले शंख को गंगाजल से शुद्ध करना शुभ माना जाता है। शंख बजाने का सही समय प्रातःकाल और संध्या का होता है, क्योंकि इस समय शंख की ध्वनि से वातावरण शुद्ध होता है। इसे भगवान की आरती या पूजा के दौरान बजाना भी शुभ माना जाता है, लेकिन इसे रात में बजाने से बचना चाहिए। वैसे तो माना जाता है कि महिलाएं शंख को पूजा में रख सकती हैं और इसकी पूजा भी कर सकती हैं. लेकिन उन्हें शंख बजाने की मनाही होती है। इसके अलावा, शंख में जल भरकर भगवान को अर्पित किया जा सकता है, लेकिन इस जल को पीने या रसोई में उपयोग करने से बचना चाहिए। टूटा या खंडित शंख पूजा में उपयोग नहीं किया जाता, क्योंकि इसे अशुभ माना जाता है। इन नियमों का पालन कर शंख बजाने से आध्यात्मिक लाभ के साथ-साथ मानसिक और शारीरिक शुद्धता भी प्राप्त होती है।

क्या शंखनाद से ईश्वर प्रसन्न होते हैं?

शंखनाद को हिंदू धर्म में अत्यंत शुभ और पवित्र माना जाता है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, जब शंख बजाया जाता है, तो उसकी दिव्य ध्वनि से ईश्वर प्रसन्न होते हैं और भक्तों पर अपनी कृपा बरसाते हैं। शास्त्रों में भी इस बात का वर्णन मिलता है कि देवताओं के पूजन और यज्ञों में शंख ध्वनि का विशेष महत्व होता है, क्योंकि इसकी गूंज से नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और वातावरण शुद्ध बनता है। भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी से जुड़े होने के कारण शंख को विशेष रूप से पूजनीय माना जाता है। जब पूजा के दौरान शंखनाद किया जाता है, तो यह भगवान का आह्वान करने का प्रतीक होता है, जिससे वे भक्तों की प्रार्थना स्वीकार करते हैं। किसी भी पूजा की पूर्णता शंखनाद से मानी जाती है और इसका जीवन में विशेष महत्व होता है। यदि आप भी शंखनाद करते हैं तो इसके नियमों का पालन आपके लिए बहुत जरूरी है।

किस समय घर में शंख बजाना चाहिए?

हिन्दू धर्म में शंख बजाने का बहुत महत्व माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि शंख की ध्वनि से सकारात्मकता का संचार होता है और नकारात्मक ऊर्जा घटने लगती है। इसके अलावा, शंख बजाने से देवी-देवता प्रसन्न होते हैं और घर में दिव्यता एवं सुख-समृद्धि का वास होने लगता है। हालांकि शास्त्रों में शंख बजाने के कई नियम बताये गए हैं जिनमें विधि से लेकर समय तक के बारे में वर्णित है।

कब शंख बजाना चाहिए?

- सूर्योदय से पहले का समय यानी कि ब्रह्म मुहूर्त शंख बजाने के लिए सबसे शुभ माना जाता है। ब्रह्म मुहूर्त के समय वातावरण में शांति और सकारात्मक ऊर्जा सबसे ज्यादा होती है। ऐसे में इस समय में शंख बजाने से आसपास की शांति अशांत मन को शांत करती है और सकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से व्यक्ति मानसिक पीड़ा से दूर होता है।
- जब भी घर में पूजा या हवन हो, तो शंख बजाना शुभ माना जाता है। पूजा के दौरान शंख बजाकर देवताओं का आह्वान किया जाता है और देवी-देवताओं की दिव्यता घर में सुख-समृद्धि के रूप आने लगती है। पूजा-पाठ या हवन-अनुष्ठान के दौरान शंख बजाने से पूजा में अगर कोई दोष भी लग जाए हो तो वह भी तुरंत नष्ट हो जाता है।
- पूजा-पाठ या हवन-अनुष्ठान के अलावा त्यौहारों पर भी संख अवश्य बजाना चाहिए। किसी भी शुभ काम की शुरुआत जैसे कि विवाह, गृह प्रवेश, नई नौकरी, नया व्यापार आदि शंख बजाकर ही करनी चाहिए। इससे शुभ कार्यों में सफलता मिलती है। निर्विघ्न काम पूरे हो जाते हैं और नकारात्मक ऊर्जा काम में बाधाएं नहीं पैदा कर पाती है।
- शंख बजाने के दिन की बात करें तो यूं तो रोजाना शंख बजाना उत्तम माना जाता है लेकिन अगर किसी कारण से आपके लिए रोजाना शंखनाद करना संभव न हो तो आप मंगलवार और शुक्रवार के दिन पूजा के दौरान शंख बजा सकते हैं। मंगलवार के दिन शंखनाद से विवाह की बाधाएं नष्ट होती हैं और शुक्रवार के दिन शंखनाद से धन में वृद्धि होती है।

नीलम धारण करने से पहले कुंडली का विचार करना जरूरी

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार नीलम रत्न व्यक्ति को रंक से राजा बना सकता है। यह रत्न शनिदेव को समर्पित होता है। इस रत्न को हर कोई धारण नहीं कर सकता है। जहां ये रत्न रंक से राजा बना देता है वहीं अशुभ होने पर ये रत्न राजा को भी रंक बना सकता है। ज्योतिष गणनाओं के अनुसार नीलम रत्न को धारण करने से पहले कुंडली का विचार करना जरूरी होता है। .

नीलम रत्न के फायदे

- जिन लोगों के लिए नीलम शुभ होता है उन्हें इसका तुरंत फायदा दिखने लगता है।
- स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।
- धन- लाभ होने लगता है।
- नौकरी और व्यापार में तरक्की होने लगती है।
- शनि की वक्री चाल से इन राशियों को हो रहा है फायदा, जानें क्या आप भी हैं इस लिस्ट में शामिल

नीलम रत्न के अशुभ होने पर इन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है

- नीलम हर किसी को शुभ फल नहीं देता है। जिन लोगों के लिए ये शुभ नहीं है, उन्हें स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।
- धन- हानि हो सकती है।
- कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

ऐसे करें पहचान नीलम आपके लिए शुभ है या नहीं

नीलम रत्न को धारण करने से पहले उसको तकीया के नीचे रखकर सोएं। अगर आपको रात में कोई भी बुरा स्वप्न नहीं आता है और अच्छी गहरी नींद आती है तो इसका मतलब है ये रत्न आपके लिए शुभ है। अगर आपको अच्छी और गहरी नींद नहीं आती है तो इस रत्न को धारण न करें। रत्न धारण करने के बाद अशुभ घटना होने पर इस रत्न को तुरंत उतार दें।

क्या खाली शंख घर या मंदिर में रखना सही है?

हिन्दू धर्म शास्त्रों में शंख को माता लक्ष्मी का बड़ा भाई माना गया है। इसके अलावा, शंख की पूजा का भी विधान मौजूद है। इसी कारण से न सिर्फ घर या घर के मंदिर में लोग शंख रखते हैं बल्कि उसकी पूजा भी करते हैं। हालांकि शास्त्रों में घर या मंदिर में शंख रखने से जुड़े कई नियम भी बताये गए हैं जिनका पालन आवश्यक माना गया है। ऐसा माना जाता है कि घर या घर के मंदिर में शंख रखने से घर की बरकत बनी रहती है, लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि लोग शंख लाकर उसे यूं ही रख देते हैं यानी कि शंख को खाली स्थापित कर देते हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या खाली शंख घर या घर के मंदिर में रखना चाहिए। घर या घर के मंदिर में शंख रखने से सकारात्मकता का संचार होता है, लेकिन अगर घर या मंदिर में खाली शंख रखा है तो इससे नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और शंख की शुभता एवं दिव्य ऊर्जा खत्म हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि शंख को हमेशा शुद्ध जल से भरकर रखना चाहिए। इसके अलावा, शंख को पुष्प से भरकर भी रखा जा सकता है। शंख में जल भरकर रखने से घर में बुरी शक्तियां प्रवेश नहीं कर पाती हैं। वहीं, शंख में फूल भरकर रखने से घर में पारिवारिक शांति बनी रहती है और घर में परिवार के सदस्यों के बीच तालमेल बेहतर बनता है एवं मधुरता पनपने लगती है। शंख में फूल भरकर रखने से ग्रह दोष भी दूर होता है।

मुकेश अंबानी के तीनों बच्चों में आकाश अंबानी सबसे अमीर

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भी बात देश और एशिया के सबसे अमीर लोगों की होती है, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी का नाम सबसे आगे आता है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार मुकेश अंबानी 86.8 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के 17वें अमीर शख्स हैं। लेकिन बात इसके बच्चों की करें तो वे भी किसी से कम नहीं हैं। मुकेश अंबानी के तीनों बच्चे ईशा अंबानी, आकाश अंबानी और अनंत अंबानी भी कम अमीर नहीं हैं। तीनों बच्चे रिलायंस इंडस्ट्रीज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ईशा अंबानी

ईशा अंबानी मुकेश अंबानी की इकलौती बेटी हैं। वह आकाश अंबानी की जुड़वा बहन हैं। ईशा अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बोर्ड में नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर का पद संभालती हैं। वह रिलायंस रिटेल, रिलायंस जियो और रिलायंस फाउंडेशन में एग्जीक्यूटिव लीडरशिप टीम की एक प्रमुख सदस्य भी हैं। इसके अतिरिक्त, ईशा टीरा ब्यूटी की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और को-फाउंडर हैं। साथ ही वह धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधन में प्रमुख भूमिका निभाती हैं। ईशा की सालाना इनकम करीब 4.2 करोड़ है। उनकी नेटवर्थ 800 करोड़ होने का अनुमान है।

आकाश अंबानी

आकाश अंबानी ईशा अंबानी के जुड़वा भाई हैं। वह मुकेश अंबानी के बड़े बेटे हैं। आकाश अंबानी रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के चेयरमैन हैं। वह रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड के बोर्ड में डायरेक्टर भी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आकाश की सालाना सैलरी करीब 5.6 करोड़ रुपये है। साथ ही उनकी कुल नेटवर्थ 40.1 अरब डॉलर (करीब 3,32,815 करोड़ रुपये) बताई जाती है।

अनंत अंबानी

अनंत अंबानी मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे हैं। वह रिलायंस जियो में ऊर्जा और दूरसंचार क्षेत्र की देखरेख करते हैं। साथ ही वह जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड और रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड के बोर्ड में डायरेक्टर के रूप में भी काम करते हैं। अनंत को सालाना 4.2 करोड़ रुपये की सैलरी मिलती है। उनकी नेटवर्थ 40 अरब डॉलर (करीब 3,32,482 करोड़ रुपये) बताई जाती है।

कौन सबसे अमीर?

मुकेश अंबानी के तीनों बच्चों में आकाश अंबानी सबसे अमीर हैं। दूसरे नंबर पर अनंत अंबानी हैं। वहीं तीसरे स्थान पर ईशा का नाम है। हालांकि मुकेश अंबानी अपने तीनों बच्चों को कंपनी में जिम्मेदारी सौंप चुके हैं। समय-समय पर वह अपने बच्चों के कारोबार में मदद के लिए आगे आते रहते हैं।

गैमको लिमिटेड ने 5 बोनस शेयर बांटने का ऐलान किया

नई दिल्ली, एजेंसी। नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी गैमको लिमिटेड के शेयरों में जोरदार तेजी आई है। गैमको लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को 10 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 90.97 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी ने अपने शेयरहोल्डर्स को बोनस शेयर देने का ऐलान किया है। गैमको लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसके बोर्ड ने निवेशकों को 5:4 के रेशियो में बोनस शेयर बांटने की मंजूरी दी है। यानी, कंपनी हर 4 शेयर पर निवेशकों को 5 बोनस शेयर देगी। कंपनी ने अभी बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है।

2700 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए हैं गैमको लिमिटेड के शेयर- गैमको लिमिटेड के शेयर पिछले 5 साल से कम में 2700 पर्सेंट ज्यादा चढ़ गए हैं। नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी के शेयर 10 अगस्त 2020 को 3.05 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 21 फरवरी 2025 को 90.97 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 3 साल में गैमको लिमिटेड के शेयरों में 1300 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 148 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 41.70 रुपये है।

शेयरों का बंटवारा कर चुकी है कंपनी- स्मॉलकैप कंपनी गैमको लिमिटेड स्टॉक स्प्लिट (अपने शेयरों का बंटवारा) भी कर चुकी है। कंपनी के शेयर 14 जून 2024 को एक्स-स्प्लिट पर ट्रेड कर रहे थे। गैमको लिमिटेड ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयर को 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 5 शेयरों में बांटा है।

गूगल पे यूजर्स ध्यान दें! मोबाइल रिचार्ज के बाद

अब बिल पेमेंट पर भी लगने लगा है चार्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप गूगल पे के जरिए बिजली और गैस जैसी यूटिलिटी सर्विसेज का बिल देते हैं तो आपके लिए जरूरी खबर है। देश के बड़े यूपीआई प्लेटफॉर्म्स में से एक गूगल पे ने अब बिजली और गैस जैसे यूटिलिटी बिल पेमेंट्स पर सुविधा शुल्क लेना शुरू कर दिया है। पहले इसमें कम रकम वाले ट्रांजैक्शन पर कोई फीस नहीं लगती थी। लेकिन अब क्रेडिट और डेबिट कार्ड से पेमेंट करने पर 0.5 प्रतिशत से 1 प्रतिशत तक का चार्ज और साथ में जीएसटी भी लगेगा। एक साल पहले गूगल पे ने मोबाइल रिचार्ज पर 3 रुपये का सुविधा शुल्क लगाया था। अब बिल पेमेंट पर भी शुल्क लगने लगा है। एक रिव्यू में पाया कि एक ग्राहक ने क्रेडिट कार्ड से बिजली का बिल भरने पर लगभग 15 रुपये सुविधा शुल्क के रूप में दिए। इस चार्ज में जीएसटी भी शामिल था। इसे डेबिट और क्रेडिट कार्ड ट्रांजैक्शन के लिए प्रोसेसिंग शुल्क भी बताया गया। एक जानकार ने बताया कि गूगल पे का बिल पेमेंट पर प्लेटफॉर्म शुल्क लगाना यूपीआई ट्रांजैक्शन से कमाई करने की तरफ एक बड़ा कदम है। कंपनियां पेमेंट प्रोसेसिंग की लागत वसूलना चाहती हैं। जैसे-जैसे यूपीआई का इस्तेमाल बढ़ रहा है, फिनटेक कंपनियां अपना विस्तार करने और साथ ही कमाई भी करने की कोशिश कर रही हैं।

यूपीआई ट्रांजैक्शन में गूगल पे- यूपीआई ट्रांजैक्शन में गूगल पे की बड़ी हिस्सेदारी है। लगभग 37 प्रतिशत यूपीआई ट्रांजैक्शन गूगल पे के जरिए होते हैं। यूपीआई ट्रांजैक्शन में वॉलमार्ट के निवेश वाला पहले और गूगल पे दूसरे नंबर पर है। जनवरी तक गूगल पे ने 8.26 लाख करोड़ रुपये के यूपीआई ट्रांजैक्शन प्रोसेस किए थे। एक सूत्र ने बताया कि सुविधा शुल्क या प्लेटफॉर्म शुल्क लेना इंडस्ट्री में आम बात है। पहले गूगल पे खुद यह खर्च उठाता था, लेकिन अब यह खर्च यूजर्स पर डाल दिया गया है। गूगल पे की वेबसाइट पर बताया गया है कि कार्ड पेमेंट पर सुविधा शुल्क लगता है। लेकिन सीधे बैंक अकाउंट से लिंक यूपीआई ट्रांजैक्शन अब भी फ्री है। यह साफ नहीं है कि यह शुल्क कब से लागू किया गया है। पाइप्ड गैस और बिजली जैसे कुछ बिल पेमेंट पर कार्ड ट्रांजैक्शन के लिए सुविधा शुल्क लगता है। इसी तरह, पेटीएम भी यूपीआई भी मोबाइल रिचार्ज और गैस, पानी, क्रेडिट कार्ड पेमेंट जैसे कई यूटिलिटी बिल पेमेंट पर 1 रुपये से 40 रुपये तक का प्लेटफॉर्म शुल्क लेता है। यूपीआई का इस्तेमाल तो बहुत बढ़ गया है, लेकिन फिनटेक कंपनियों को इससे ज़्यादा कमाई नहीं हो रही है। पी2सी की एक स्टडी के मुताबिक यूपीआई से दुकानदारों को पेमेंट करने पर ट्रांजैक्शन वैल्यू का लगभग 0.25 प्रतिशत प्रोसेसिंग कॉस्ट के रूप में खर्च होता है।

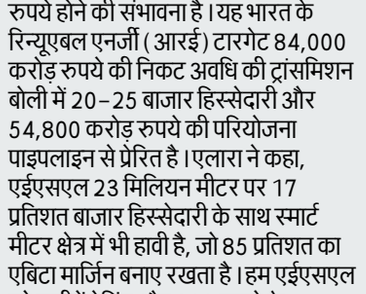

50 प्रतिशत टूट गया अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड के शेयर अगस्त 2024 के 1,347.90 रुपये के हाई से 50 प्रतिशत तक गिर गया है। आज शुक्रवार को कंपनी के शेयर गिरावट के साथ 675 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। ब्रोकरेज फर्म कंपनी के शेयरों

गिरावट को शानदार अवसर बता रहे हैं और इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। एलारा सिक्योरिटीज के इस शेयर पर बाय रेटिंग दी है। घरेलू ब्रोकरेज ने अडानी समूह के शेयर के लिए 930 रुपये का टारगेट सुझाया है, जो संभावित 37 फीसदी बढ़ोतरी का संकेत देता है।

क्या है डिटेल

एलारा सिक्योरिटीज ने कहा कि अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस का ट्रांसमिशन एबिटा वित्त वर्ष 2027 तक दोगुना होकर 7,600 करोड़ रुपये होने की संभावना है। यह भारत के रिन्यूएबल एनर्जी (आरई) टारगेट 84,000 करोड़ रुपये की निकट अवधि की ट्रांसमिशन बोली में 20-25 बाजार हिस्सेदारी और 54,800 करोड़ रुपये की परियोजना पाइपलाइन से प्रेरित है। एलारा ने कहा, एईएसएल 23 मिलियन मीटर पर 17 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ स्मार्ट मीटर क्षेत्र में भी हावी है, जो 85 प्रतिशत का एबिटा मार्जिन बनाए रखता है। हम एईएसएल को खरीदें रेटिंग और 930 रुपये के एसओटीपी-आधारित टारगेट के साथ शुरू करते हैं। ब्रोकरेज ने कहा कि अडानी एनर्जी ने वित्त वर्ष 2015 में अपने क्यूआईपी के बाद 38,800 करोड़ रुपये मूल्य की पांच अतिरिक्त ट्रांसमिशन परियोजनाएं हासिल की हैं।

फोन-पे ने शुरू की आईपीओ की तैयारी, 10 साल पुरानी है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीओ मार्केट में एक और फिनटेक कंपनी की एंट्री होने वाली है। इस कंपनी का नाम फोन-पे है। इस कंपनी ने देश के शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने के लिए अपने संभावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की तैयारी शुरू कर दी है। कंपनी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बता दें कि पिछले 5 साल में यह तीसरी फिनटेक कंपनी होगी जो शेयर बाजार में एंट्री लेगी। इससे पहले पेटीएम की साल 2021 और मोबिक्विक की साल 2024 में लिस्टिंग हो चुकी है।

क्या कहा फोन-पे ने

फोन-पे ने एक बयान में कहा- कंपनी अपने संभावित आईपीओ के संबंध में प्रारंभिक कदम उठा रही है और भारतीय शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने की योजना बना रही है। यह कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है क्योंकि इस साल 10वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी।

2022 में भारत शिफ्ट हुई कंपनी- बता दें कि फोन-पे ने दिसंबर, 2022 में सिंगापुर से भारत में स्थानांतरण किया था। इसके लिए उसे सरकार को लगभग 8,000 करोड़ रुपये का टैक्स देना पड़ा था। कंपनी का मूल्य वर्ष 2023 में अंतिम फंडिंग राउंड के दौरान 12 अरब डॉलर था।

टाटा स्टील के पस्त शेयर को खरीदने टूटे निवेशक

कंपनी ने की 2603 करोड़ की डील, 140 पर आया भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा स्टील के शेयर आज कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 2 प्रतिशत तक चढ़कर 140.40 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस उछाल के पीछे एक खबर है। दरअसल, टाटा स्टील ने टी स्टील होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड के 191 करोड़ से अधिक इक्विटी शेयर 30 करोड़ डॉलर (2,603.16 करोड़ रुपये) में खरीदे हैं। टी स्टील होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड (टीएसएचपी) घरेलू इस्पात कंपनी टाटा स्टील की सिंगापुर स्थित इकाई है।

कंपनी ने क्या कहा?

टाटा स्टील ने एक नियामकीय सूचना में कहा, ''कंपनी ने आज यानी 20 फरवरी, 2025 को टी स्टील होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड (टीएसएचपी) में प्रत्येक 0.157 डॉलर फेस वैल्यू वाले 1,91,08,28,025 साधारण इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण किया है, जो कुल मिलाकर 30 करोड़ डॉलर (2,603.16 करोड़ रुपये) का है।'' इस अधिग्रहण के बाद, टीएसएचपी, कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी कंपनी बनी रहेगी।

शेयरों के हाल

टाटा स्टील के शेयरों का 52 वीक हाई प्राइस 184.60 रुपये और 52 वीक लो प्राइस 122.60 रुपये है। इसका मार्केट कैप 1,74,643 रुपये है। कंपनी के शेयर पिछले पांच कारोबारी दिन में 5 प्रतिशत और महीनेभर में 8 प्रतिशत चढ़ गए। इस साल अब तक इसमें केवल 1 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। छह महीने में यह शेयर 9 पर्सेंट और 1 साल में 4 प्रतिशत तक टूटा है। पांच साल में इसका 200 प्रतिशत से अधिक का है।

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान समेकित शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर 36.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 326.64 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की। एक साल पहले की समान अवधि में इसका शुद्ध लाभ 513.37 करोड़ रुपये रहा था। समेकित आधार पर कुल राजस्व ेत्रस्न्र्25 में 3.01 प्रतिशत कम होकर 53,648.30 करोड़ रुपये रहा।

बर्मन फैमिली के हाथ में आया रेलिगेयर एंटरप्राइजेज का कंट्रोल

नई दिल्ली, एजेंसी। गिरावट भरे मार्केट में भी रेलिगेयर एंटरप्राइजेज के शेयर खरीदने की होड़ मची है। आज यह 9 प्रतिशत से अधिक उछलने में कामयाब रहा। इस उछाल के पीछे एक बड़ा अपडेट है, जिसमें कहा गया है कि रेलिगेयर एंटरप्राइजेज का कंट्रोल अब बर्मन फैमिली के हाथ में आ गया है। क्योंकि बर्मन फैमिली ने रेलिगेयर में मेजॉरिटी स्टेक हासिल कर ली है और उसे इसके प्रमोटर के रूप में नामित किया गया है। बता दें सुबह 10ः24 बजे एनएसई पर रेलिगेयर एंटरप्राइजेज के शेयर 232.50 रुपये पर कारोबार कर रहे थे।

बर्मन ग्रुप की रेलिगेयर एंटरप्राइजेज में हिस्सेदारी 25.16 प्रतिशत- मनीकंट्रोल के मुताबिक यह अपडेट ऐसे समय में सामने आया है, जब बर्मन फैमिली द्वारा रेलिगेयर एंटरप्राइजेज में अतिरिक्त 26 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए जारी किए गए 2,116

करोड़ रुपये के ओपन ऑफर को ठंडा रिस्पॉन्स मिला। ओपन ऑफर के आंकड़ों के अनुसार पेशकश किए गए 26 प्रतिशत हिस्सेदारी में से केवल 0.07 प्रतिशत इक्विटी ही टेंडर की गई। हालांकि, ओपन ऑफर में ठंडी प्रतिक्रिया मिलने के बावजूद, बर्मन ग्रुप की रेलिगेयर एंटरप्राइजेज में हिस्सेदारी 25.16 प्रतिशत हो गई।

प्रमोटर के रूप में नामित हुआ बर्मन ग्रुप

ग्रुप के प्रवक्ता ने एक मीडिया बयान में कहा, हमें घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने रेलिगेयर एंटरप्राइजेज का कंट्रोल हासिल कर लिया है और इसके प्रमोटर के रूप में नामित किए गए हैं। हम अपने नियामकों, शेयरहोल्डर्स और अन्य स्टेक होल्डर्स का उनके विश्वास और भरोसे के लिए आभारी हैं। ग्रुप ने कंपनी के भीतर सस्टेनबल ग्रोथ को बढ़ावा देने को अपनी शीर्ष प्राथमिकता बताई। ग्रुप के प्रवक्ता ने कहा, आरईएल के लिए हमारी दृष्टि गवर्नेंस, ट्रस्ट और ईमानदारी पर आधारित है, जो हमें लचीलापन और स्टेक होल्डर वैल्यू को अधिकतम करने की ओर ले जाएगी। बर्मन फैमिली की चार कंपनियों फिनमार्ट प्राइवेट लिमिटेड, पुरन एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, वीआईसी एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड और मिल्की इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी के पास रेलिगेयर एंटरप्राइजेज में 20.15 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। सितंबर 2023 में डाबर इंडिया और एवरेडी इंडस्ट्रीज जैसी अन्य इकाइयों के प्रमोटर बर्मन परिवार ने आरईएल शेयरधारकों को कंपनी में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए 2,116 करोड़ रुपये का ओपन ऑफर जारी किया था।

एनएचपीसी लिमिटेड के शेयरों में पिछले दो दिनों में 10 प्रतिशत तेजी

आज बीएसई पर कारोबार के दौरान यह 82.13 रुपये तक पहुंचा

सीएलएसए ने कंपनी के इस शेयर की रेटिंग को अपग्रेड कर दिया है

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में जारी गिरावट के बीच सरकारी कंपनी एनएचपीसीष्ट लिमिटेड के शेयरों में काफी तेजी आई है। दो दिनों में इसकी कीमत करीब 10 प्रतिशत उछल चुका है। बीएसई पर इसका भाव आज 82.13 रुपये तक पहुंच गया। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए की एक रिपोर्ट के बाद कंपनी के शेयरों में उछाल आई है। ब्रोकरेज ने इस शेयर को आउटपरफॉर्म से हाई कन्विक्शन आउटपरफॉर्म में अपग्रेड कर दिया है। मतलब सीएलएसए को पूरा भरोसा है कि ये शेयर अच्छा प्रदर्शन करेगा। हालांकि कंपनी के शेयर का टारगेट प्राइस 120 रुपये से थोड़ा कम करके 117 रुपये कर दिया गया है। सीएलएसए का मानना है कि अगले चार साल में एनएचपीसी का शेयर दोगुना हो सकता है।

पिछले छह महीनों में कंपनी के शेयर में 25 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सीएलएसए इसे निवेशकों के लिए एक अच्छा मौका मानती है। मतलब अभी शेयर सस्ता है और इसमें निवेश करना फायदेमंद हो सकता है। सीएलएसए ने बताया है कि परबती 2 हाइड्रो प्रोजेक्ट शुरू हो गया है। इससे वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में एनएचपीसी की रेगुलेटेड इक्विटी 27 प्रतिशत बढ़ गई है। साथ ही सीएलएसए ने एनएचपीसी के पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट में एंट्री को भी पॉजिटिव बताया है। सीएलएसए का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-2028 के दौरान एनएचपीसी की रेगुलेटेड इक्विटी दोगुनी हो जाएगी क्योंकि उसके कई बड़े प्रोजेक्ट पूरे होने वाले हैं।

ईपीएस में बढ़ोतरी की उम्मीद

इससे कंपनी की कमाई प्रति शेयर में अच्छी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। पिछले एक साल में एनएचपीसी लिमिटेड के शेयरों में 12.68 प्रतिशत की गिरावट आई है। साल की शुरुआत से अब तक शेयर में 1.22 प्रतिशत की गिरावट आई है। पिछले छह महीनों में शेयर की कीमत 15.64 प्रतिशत गिर गई है जबकि पिछले तीन महीनों में इसमें 1.99 प्रतिशत की मामूली बढ़त देखी गई है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 118.45 रुपये और न्यूनतम स्तर 71.01 रुपये है।

एनईसी शो जंपिंग में तेजस ढींगरा ने खिताब का बचाव किया, 16 अंकों के साथ जीत सुनिश्चित की

मेरठ, एजेंसी। ढींगरा ने चैंपियनशिप टूर में 16 अंकों के साथ अपनी जीत सुनिश्चित की। वह टार्क घुड़सवारी सेंटर के अमर सरीन और ईजीसी स्टेबल्स के आश्रय बुट्टा से आगे रहे, जिन्होंने संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल किया। बीया राइडिंग फैसिलिटी के तेजस ढींगरा ने रविवार को मेरठ की मोदी घुड़सवारी अकादमी में आयोजित राष्ट्रीय घुड़सवारी चैंपियनशिप (शो जंपिंग) 2024-25 में जीत के साथ अपने राष्ट्रीय चैंपियनशिप खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। ढींगरा ने चैंपियनशिप टूर में 16 अंकों के साथ अपनी जीत सुनिश्चित की। वह टार्क घुड़सवारी सेंटर के अमर सरीन और ईजीसी स्टेबल्स के आश्रय बुट्टा से आगे रहे, जिन्होंने संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल किया।

यशान जुबिन भी चमके- टार्क घुड़सवारी सेंटर के यशान जुबिन खंबाटा के लिए यह दोहरी खुशी का क्षण था, जिन्होंने नोविस और मीडियम दोनों टूर में जीत हासिल की। सेहज सिंह विर्क और अभिषेक चोपड़ा ने मीडियम टूर में दूसरा स्थान साझा किया, जबकि नारायण सिंह नोविस टूर के लिए यशान के साथ पोडियम पर शामिल हुए। वहीं, शनिवार को प्रीलिमिनरी टूर व्यक्तिगत फाइनल में मोदी घुड़सवारी स्टेबल्स के अविक भाटिया ने 31.02 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।

सीनियर राष्ट्रीय घुड़सवारी प्रतियोगिता में चमकीं श्राव्या वोहरा, शीर्ष पांच में बनाई जगह

मेरठ, एजेंसी। सीनियर राष्ट्रीय घुड़सवारी प्रतियोगिता 2025 में श्राव्या वोहरा ने शानदार प्रदर्शन के साथ बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। पेशेवर सवारों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हुए श्राव्या ने शीर्ष पांच में स्थान बनाया। इसी के साथ वह सभी राउंड पार करने वाली सबसे कम उम्र की घुड़सवार बनीं। मोदीपुरम की मोदी घुड़सवारी अकादमी में आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर के शीर्ष घुड़सवारों ने भाग लिया।

ईएफआई ने श्राव्या की सराहना की- अपने भरोसेमंद घोड़े क्लेयर (कॉफी) पर सवार होकर श्राव्या ने असाधारण धैर्य और कौशल का प्रदर्शन किया। उनके शानदार प्रदर्शन की भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) ने विशेष स्मृति चिन्ह देकर सराहना की। इस सफलता के बाद श्राव्या ने कहा, ऐसे प्रतिभाशाली और अनुभवी सवारों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करना एक अविश्वसनीय अनुभव था। क्लेयर और मैंने हर राउंड में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और मैं अपने कोचों के मार्गदर्शन और अपने परिवार के समर्थन के लिए आभारी हूं।

पाकिस्तानी टीम पर आफतों की बरसात...

मैच हारे, स्टार खिलाड़ी बाहर, अब आईसीसी ने दी सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की मेजबानी में इस समय आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 खेली जा रही है. टूर्नामेंट में मोहम्मद रिजवान की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम की हालत बेहद खराब नजर आ रही है. लगता है उस पर आफतों की बरसात होने

लगी है. दरअसल, डिफेंडिंग चैम्पियन पाकिस्तानी टीम ने चैम्पियंस ट्रॉफी का ओपनिंग मैच खेला. इसमें उसे न्यूजीलैंड के हाथों करारी शिकस्त मिली. अपनी मेजबानी में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान के लिए यह बड़ा झटका था. मगर इसके बाद दूसरा झटका फखर जमां के रूप में लगा.

यह स्टार बल्लेबाज चोटिल होकर पूरे चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 सीजन से ही बाहर हो गया. यह मैच हारने के बाद पाकिस्तानी टीम के लिए तगड़ा झटका रहा. मगर आफतों का आना कम नहीं हुआ. मैच हारे और फखर जमां के बाहर होने के बाद तीसरा और करारा झटका अब ड्रष्टष्ट ने दिया है.

आईसीसी ने लगाया मैच फीस का 5 प्रतिशत जुर्माना- बता दें कि पाकिस्तानी टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ ओपनिंग मैच में एक बड़ी गलती की थी, जिसकी सजा आईसीसी ने दी है. इस मुकाबले में पाकिस्तानी गेंदबाज तय समय के अंदर अपने 50 ओवर पूरे नहीं कर सके थे. मैच में यह टीम स्लो ओवर रेट के चलते एक ओवर पीछे रह गई थी. ऐसे में आईसीसी नियम के 2.2 आर्टिकल के अनुसार अगर कोई टीम तय समय सीमा में 50 ओवर नहीं कर पाती है तो उस पर प्रति ओवर के हिसाब से 5 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया जाता है.

भारत बांग्लादेश मैच देखने गर्लफ्रेंड के साथ आए थे शिखर धवन?

दुबई, एजेंसी। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज बांग्लादेश को 6 विकेट से हराने के साथ किया. 229 के लक्ष्य को टीम इंडिया ने 21 गेंद रहते हासिल किया. मोहम्मद शमी के 5 विकेट के बाद बल्लेबाजी में शुभमन गिल ने कमाल किया, उन्होंने शतकीय (101) पारी खेली. मुकाबले को देखने चैंपियंस ट्रॉफी के ब्रांड एम्बेसडर शिखर धवन भी पहुंचे थे. इस दौरान उनके साथ स्टैंड में एक विदेशी महिला भी बैठी थी. फैंस के बीच चर्चा तेज हुई कि आखिर ये महिला कौन है?

है ये वो महिला जिसके साथ भारत बांग्लादेश मैच देख रहे थे शिखर धवन

लोगों के बीच ये सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि धवन का तलाक हो चुका है. शिखर धवन कुछ समय पहले भी विदेशी महिला के साथ एयरपोर्ट पर दिखे थे और अब भारत बनाम बांग्लादेश मैच में फिर विदेशी महिला के साथ बैठकर मैच का लुफ्त उठाते नजर आए. खबर है कि महिला सोफी है जिसे शिखर धवन इंस्टाग्राम पर फॉलो भी करते हैं. इससे साफ है कि दोनों के बीच दोस्ती भी है. हालांकि ये नहीं कहा जा सकता कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं या सिर्फ दोस्त के तौर पर दोनों एक साथ मैच देखने आए थे.

कप्तान रोहित शर्मा के वनडे में 11 हजार रन पूरे

सचिन-पोंटिंग-सहवाग को किया पीछे, कोहली नम्बर 1

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा बांग्लादेश के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी मैच के दौरान सबसे तेज 11,000 वनडे रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने चौका लगाकर यह रिकॉर्ड पूरा किया। रोहित ने सबसे कम पारियों में 11,000 वनडे रन बनाने के मामले में सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग और सौरव गांगुली जैसे दिग्गजों को पछाड़ दिया है। हालांकि वनडे में सबसे तेज 11 हजारी विराट कोहली ही हैं जो रोहित से कमी कम पारियों में इस मुकाम तक पहुंचे हैं।

रोहित शर्मा ने 261 इनिंग्स में 11,000 वनडे रन बनाए हैं जबकि सचिन ने यह रिकॉर्ड 276 इनिंग्स में बनाया था। सचिन के बाद चौथे नम्बर पर पोंटिंग हैं जिन्होंने 286 इनिंग्स में 11,000 वनडे रन बनाए थे। गांगुली ने 288 इनिंग्स में यह कमाल किया था। वहीं अगर किंग कोहली की बात करें तो उन्होंने 11000 वनडे रन बनाने के लिए मात्र 222 इनिंग्स ही खेली हैं जोकि इन सबसे कही कम हैं।

सबसे कम पारियों में 11,000 वनडे रन बनाने वाले खिलाड़ी

- 222 विराट कोहली
- 261 रोहित शर्मा
- 276 सचिन तेंदुलकर
- 286 रिकी पोंटिंग
- 288 सौरव गांगुली

गौर हो कि भारत और बांग्लादेश के बीच चैम्पियंस ट्रॉफी का दूसरा मैच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी का फैसला लेते हुए खराब शुरूआत रही।

इंडिया-बांग्लोदश चैंम्पियंस ट्रॉफी 2025

शुभमन गिल ने रच दिया इतिहास

● 8 शतक सबसे कम पारियों में जड़ने वाले भारतीय बने... ● तेंदुलकर-कोहली सब छूटे पीछे

दुबई, एजेंसी। भारतीय टीम के लिए चैम्पियंस ट्रॉफी के गुरुवार (20 फरवरी) को हुए पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले के ये दोनों सबसे बड़े हीरो रहे. नतीजतन, भारतीय टीम ने बांग्लादेश को छह विकेट से मात दी. गिल की नाबाद पारी (101, 129 गेंद, 9×4. 2×6) तौहीद हृदोय के 100 रन (118 गेंद) पर भारी पड़ गई. वहीं गिल ने इस मुकाबले में 8 वनडे शतक जड़ने का एक रिकॉर्ड भी अपने नाम किया . एक समय बांग्लादेश ने 35 रन के स्कोर पर पांच विकेट गंवा दिए थे, इसके बाद उन्होंने 228 रन बनाए. लेकिन भारत ने गिल की दमदार पारी की बदौलत 46.3 ओवर में चार विकेट पर 231 रन बनाए. यह भारत के लिए 23 फरवरी को इसी मैदान पर पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले एक बड़ी जीत है. 229 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा (41, 36 बॉल) और गिल ने भारत को शानदार शुरुआत दिलाई. दोनों ने 9.5 ओवर में 69 रन जोड़े, इससे पहले रोहित तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद की गेंद पर आउट हो गए, जिससे भारत का स्कोर 1 विकेट पर 69 रन हो गया. इसके बाद विराट कोहली ने 10 गेंदों का सामना करने के बाद अपना खाता खोला. लेकिन वो लेग स्पिनर रिशाद हुसैन की गेंद पर फंस गए और 22 रन पर आउट हुए. श्रेयस अय्यर (15) के जल्दी-जल्दी विकेटों ने भारत को चार विकेट पर 144 रन पर थोड़ा चिंताजनक बना दिया. इसके बाद अक्षर पटेल (8) एक बार फिर नंबर 5 पर पदोन्नत किया गया. पर वो जल्दी आउट हो गए. केएल राहुल का एक समय नौ रन पर जैकर अली ने तस्कीन की गेंद पर कैच छोड़ दिया. लेकिन इसके बाद वो जम गए और 47 गेंदों पर 41 रनों की नाबाद पारी खेली. गिल और राहुल ने पांचवें विकेट के लिए 87 रन जोड़े और अपनी टीम को जीत दिलाई. इससे पहले शमी ने चोटिल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति को लेकर कई चिंताओं को भी कम किया और 53 रन देकर पांच विकेट लिए, और इस दौरान वह 200 वनडे विकेट तक पहुंचने वाले सबसे तेज भारतीय गेंदबाज भी बने. हर्षित राणा (3/31) ने अपने सीनियर साथी का अच्छा साथ दिया. वहीं अक्षर पटेल ने भी 2 विकेट झटके.

भारत के लिए सबसे कम पारियों में आठ वनडे शतक

- 51 शुभमन गिल
- 57 शिखर धवन
- 68 विराट कोहली
- 98 गौतम गंभीर
- 111 सचिन तेंदुलकर

विराट कोहली टेंशन में हैं...

पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले पूर्व दिग्गज का बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने बांग्लादेश को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी का शानदार अंदाज में आगाज किया. शुभमन गिल ने शानदार शतकीय पारी खेली. इसके अलावा रोहित शर्मा और केएल राहुल अच्छी लय में दिखे, लेकिन विराट कोहली का फॉर्म परेशानी का सबब बना हुआ है. विराट कोहली 38 गेंदों पर 22 रन बनाकर पवैलियन लौट गए. बहरहाल, अब भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने होंगी. रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाएगा. अब सवाल है कि क्या पाकिस्तान के खिलाफ विराट कोहली फॉर्म में वापसी करेंगे?

रॉबिन उथप्पा ने विराट कोहली के फॉर्म पर क्या कहा?- बहरहाल, पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने विराट कोहली के फॉर्म पर बड़ा बयान दिया है. राबिन उथप्पा ने कहा कि विराट कोहली महान खिलाड़ी हैं, वह अपने आप पर काम करेंगे, ये बातें उनके जेहन में चल रही होंगी. मुझे लगता है कि विराट कोहली तकनीकि तौर पर अपनी बल्लेबाजी को बेहतर कर सकते हैं, क्योंकि उसका बैट दूसरी स्लिप और पहली स्लिप से आता है, लेकिन जब विराट कोहली अच्छी लय में होते हैं तो उसका बल्ला दूसरी स्लिप और तीसरी स्लिप से आता है. इस समय आप देखेंगे कि विराट कोहली का बल्ला विकेटकीपर और पहली स्लिप के बीच से गेंद तक जा रहा है. इसके बाद कवर ड्राइव खेलने के चक्कर में अपना विकेट गवां रहे हैं, वह अपने बैट के फुल फेस के साथ गेंद मिडिल नहीं कर पा रहे हैं.

इमाम उल हक ने भारत के खिलाफ मैच से पहले ठोके 158 रन

● चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाक टीम में एंट्री मिलते ही गरजा बल्ला

कराची, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की टीम में इमाम उल हक का सेलेक्शन फखर जमां की इंजरी के बाद हुआ. उन्हें उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया गया. फखर जमां को न्यूजीलैंड के खिलाफ कराची में खेले पहले मुकाबले में इंजरी हुई थी, जिसके बाद उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होना पड़ा. पाकिस्तानी टीम में एंट्री की जब खबर सामने आई, घरेलू टूर्नामेंट में खेल रहे इमाम उल हक ने शानदार शतक जड़ दिया, जिसके जरिए उन्होंने अपने फॉर्म में होने के सबूत भी दे दिए. चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के खिलाफ मैच से पहले शतक जड़कर इमाम ने ये भी बता दिया कि वो सिर्फ टीम में शामिल होने के ही नहीं बल्कि प्लेइंग इलेवन में भी खेलने के हकदार हैं.

218 गेंदों पर जमाए 158 रन, 18 चौके- 19 से 22 फरवरी तक खेले जाने वाले मुकाबले में ऑयल एंड गैस कंपनी लीमिटेड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 278 रन बनाए. जवाब में पाकिस्तान टेलीविजन की ओर से ओपनिंग करने उतरे इमाम उल हक ने अकेले ही 158 रन ठोक दिए. इमाम उल हक ने ये रन 218 गेंदों का सामना करते हुए 18 चौके की मदद से बनाए.

13 विकेट लेकर मचाई तबाही

हर्षित राणा ने लगातार चौथी बार डेब्यू पर किया ये कमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बांग्लादेश को शिकस्त देकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की. इस मुकाबले में मोहम्मद शमी ने अपनी गेंदबाजी से कहर बरपाते हुए 5 विकेट झटक लिए. जबकि युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने भी तीन विकेट चटका दिए. इसी के साथ राणा अब चर्चा में आ गए हैं. ये उनका चैंपियंस ट्रॉफी या किसी भी आईसीसी इवेंट में डेब्यू मैच था. इससे पहले उन्होंने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में डेब्यू मैच में तीन-तीन विकेट लिए हैं. इस तरह से देखा जाए तो हर्षित ने डेब्यू मैच में ही 13 विकेट झटक लिए. हर्षित ने लगातार चार बार ये कारनामा किया और इन सभी मैचों में टीम इंडिया को जीत नसीब हुई.

टेस्ट डेब्यू की पहली पारी में चटकाए थे 3 विकेट- 23 साल के हर्षित ने भारत के लिए टेस्ट में नवंबर 2024 में डेब्यू किया था. तब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में 3 विकेट लिए थे. जबकि दूसरी पारी में राणा ने एक विकेट हासिल किया था. और भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराया था.

टी-20 डेब्यू में 33/3

हर्षित का टी-20 इंटरनेशल में डेब्यू अनोखे तरीके से हुआ था. भारत और इंग्लैंड के बीच हाल ही में 5 मैचों की टी-20 सीरीज का चौथा मैच 31 जनवरी को पुणे में खेला गया था. हर्षित पहले इस मैच का हिस्सा नहीं थे लेकिन शिवम दुबे के चोटिल होने के बाद हर्षित को बतौर कन्कशन सब्स्टीट्यूट शामिल किया गया और उन्होंने टी-20ढ्ढ डेब्यू में 33 रन देकर तीन विकेट लिए थे. भारत ने ये मैच 15 रनों से जीता था.

वनडे डेब्यू में 53/3

राणा ने अपना वनडे डेब्यू 6 फरवरी 2025 को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच से किया था जो कि नागपुर में खेला गया था. इस मैच में भी राणा ने तीन विकेट लिए. उन्होंने 7 ओवरों में 53 रन दिए थे. इस मैच में भारत को चार विकेट से जीत मिली थी.

चैंपियंस ट्रॉफी के डेब्यू मैच में भी लिए तीन विकेट

20 फरवरी को हर्षित का चैंपियंस ट्रॉफी में डेब्यू हुआ. राणा अपना पहला आईसीसी इवेंट खेल रहे हैं. चैंपियंस ट्रॉफी के डेब्यू मैच में भी राणा ने तीन विकेट चटकाए. बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने 7.4 ओवर में 31 रन देकर तीन सफलताएं हासिल की. भारत ने बांग्लादेश को 6 विकेट से पटखनी दी.

कॉमेडी फिल्मों की अहमियत पर अर्जुन कपूर ने की बात

मुदस्सर अजीज निर्देशित फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' का प्रमोशन करने के लिए अर्जुन कपूर दिल्ली पहुंचे थे। इस मौके पर उनके साथ स्टैंडअप कॉमेडियन हर्ष गुजराल, एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर, रकुल प्रीत सिंह भी नजर आईं। फिल्म की स्टार कास्ट ने मीडिया से फिल्म को लेकर बातचीत की। इस दौरान अर्जुन कपूर ने कॉमेडी फिल्मों की अहमियत पर बात की।

फैमिली ऑडियंस के लिए कॉमेडी फिल्मों को जरूरी बताया

अर्जुन कपूर कहते हैं, 'कॉमेडी जॉनर फैमिली ऑडियंस के लिए जरूरी है। कॉमेडी फिल्मों को दर्शक पसंद करते हैं, इन्हें देखने थिएटर आते हैं। अगर हम लोगों को हंसाते हैं और वे इससे अच्छा महसूस करते हैं, तो इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है? मैंने रोमांटिक-कॉमेडी फिल्में की हैं, ड्रामा फिल्में भी की हैं, एक्शन फिल्मों में भी काम किया है। लेकिन अब मैं ज्यादा कॉमेडी फिल्में की इच्छा रखता हूं।'

हर्ष गुजराल फिल्म का हिस्सा बनकर खुश हैं

फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' के प्रमोशन के दौरान स्टैंडअप कॉमेडियन हर्ष गुजराल भी मौजूद थे। वह इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म का हिस्सा बनकर वह काफी खुश दिखे। हर्ष कहते हैं, 'मैं पहली बार फिल्म कर रहा हूं, यह सपने के सच होने जैसा है। मैंने आठ साल स्टैंडअप कॉमेडी की है। इतने सालों की मेरी मेहनत, बड़े पर्दे पर भी दर्शकों को नजर आएगी। हर्ष की तारीफ करते दिखे बाकी एक्टर्स फिल्म में भूमि पेडनेकर भी हैं, वह अर्जुन कपूर की पत्नी के रोल में हैं। वह बताती हैं कि हर्ष को एक डांस स्टेप नहीं आ रहा था। ऐसे में उन्होंने अर्जुन को वो डांस स्टेप करते देखा, उसे फोन में रिकॉर्ड और फिर सारी रात प्रैक्टिस की। अगले दिन हर्ष को वो डांस स्टेप अच्छे से आता था। हर्ष को, प्रमोशन के दौरान भूमि सबका फेवरेट भी बताती हैं।

अल्लू अर्जुन के साथ एटली की फिल्म फिल्म में नजर आ सकती हैं जान्हवी कपूर

साल 2024 अल्लू अर्जुन के लिए बेहद शानदार रहा। उनकी फिल्म पुष्पा 2 ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर गदर काटा। अब वे अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चा में आ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ काम शुरू करने वाले थे, लेकिन प्रोजेक्ट में कुछ देरी होने के चलते वे अपने शेड्यूल में बदलाव कर सकते हैं। अब कहा जा रहा है कि एक्टर फिल्म निर्माता एटली की अगली फिल्म पर काम शुरू करने वाले हैं। और इसमें उनके साथ जान्हवी कपूर नजर आ सकती हैं। अल्लू अर्जुन काफी लंबे वक्त से निर्माता-निर्देशक एटली के साथ काम करने के इच्छुक हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्टर उनके साथ एक हाई एक्शन फिल्म में काम करने वाले हैं, जिसका जल्द एलान किया जाएगा। इस बीच अटकलें लगाई जा रही हैं कि अल्लू अर्जुन के साथ इस फिल्म में जान्हवी कपूर नजर आ सकती हैं। हालांकि, अभी आधिकारिक तौर पर ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

जान्हवी की तीसरी साउथ फिल्म होगी

फिल्म देवरा के बाद जान्हवी कपूर को तेलुगु दर्शकों के बीच अच्छी पहचान मिली है। इस फिल्म के बाद जान्हवी बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित राम चरण की आगामी फिल्म में भी अहम भूमिका निभाने जा रही हैं। अगर, चल रहीं खबरों के मुताबिक जान्हवी के हाथ अल्लू अर्जुन की फिल्म लगती है तो यह उनकी तीसरी साउथ फिल्म होगी।

परम सुंदरी में व्यस्त जान्हवी

जान्हवी कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिलहाल अपनी अगली फिल्म परम सुंदरी की तैयारियों में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वे सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म इस साल जुलाई में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। तुषार जलोटा फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी जान्हवी ने फिल्म धड़क से डेब्यू किया था।

हरि हर वीरा मल्लू मेरी अब तक की सबसे अच्छी फिल्म

पवन कल्याण जल्द ही फिल्म हरि हर वीरा मल्लू में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ निधि अग्रवाल भी लीड रोल में दिखाई देंगी। उन्होंने फिल्म के बारे में कहा... आपने टीजर में जो देखा है, वह फिल्म का एक छोटा सा हिस्सा है। दर्शकों के लिए कई सरप्राइज हैं। हमने ज्यादा कुछ नहीं बताया है। हरि हर वीरा मल्लू ट्विस्ट और टर्न के साथ धमाकेदार होगी। कहानी बहुत तेज होगी। औरंगजेब का ट्रैक सिर्फ एक हिस्सा है, लेकिन पूरी फिल्म उस बारे में नहीं है। मेरी भूमिका बहुत प्रमुख है। यह सिर्फ एक डांसर होने तक सीमित नहीं है। आपने अभी जो पोस्टर देखा है, वह शूटिंग के पहले दिन का है। पंचमी मेरी सबसे अच्छी भूमिका है और हरि हर वीरा मल्लू मेरी अब तक की सबसे अच्छी फिल्म है। मैं पवन कल्याण गरु की सहजता से दंग हूं। उन्हें एक सीन की तैयारी में सिर्फ तीन मिनट लगते हैं। कोलागोट्टीनाधीरो एक डांस नंबर है, जिसे भव्य रूप से डिजाइन किए गए सेट पर फिल्माया गया है। उन्होंने कहा कि फिल्म का कंटेंट शानदार है और यह सभी को पसंद आएगी। फिल्म में बहुत ज्यादा एक्शन है और इसकी शूटिंग पूरी होने वाली है। इस फिल्म में निधि के साथ पवन कल्याण भी लीड रोल में हैं।

भारत की पहली मल्टीवर्स सुपरहीरो फिल्म में नजर आएंगे निविन पॉली

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के चर्चित एक्टर निविन पॉली भारत की पहली मल्टीवर्स सुपरहीरो फिल्म मल्टीवर्स मनमथन में लीड रोल निभाएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अदित्यन चंद्रशेखर करेंगे जो इससे पहले 2023 में आई फिल्म एंकिलम चंद्रिके और 2019 की मिनी सीरीज एवरेज अंबिली बना चुके हैं। निविन ने लिखा... यह मेरे दिल के बहुत करीब है। भारत की पहली मल्टीवर्स सुपरहीरो फिल्म मल्टीवर्स मनमथन की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हूं। फिल्म का निर्देशन अदित्यन चंद्रशेखर करेंगे।

...जब हिमेश रेशमिया ने कीर्ति कुल्हारी की सलाह नहीं मानी

हिमेश रेशमिया ने खुद को हीरो लेकर एक फिल्म 'बैडएस रविकुमार' नाम की फिल्म बनाई। यह एक मसाला फिल्म थी। इस एक्शन फिल्म के डायलॉग ऐसे थे कि दर्शक हंस-हंसकर लोट-पोट हो गए। हाल ही में इस फिल्म में हिमेश के साथ एक्टिंग करने वाली एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी ने बताया कि एक्टर ने उनकी एक जरूरी सलाह मनाने से इंकार दिया था। कीर्ति ने हालिया एक इंटरव्यू में बताया कि जब हिमेश को डायलॉग में कुछ सुधार करने के लिए, उसमें अपने लेवल पर इंप्रूव करने की बात कही तो उन्होंने इसके लिए साफ मना कर दिया। लेकिन इस तरह से हिमेश का रिएक्शन पाकर कीर्ति का बिल्कुल भी बुरा नहीं लगा।

फिल्म में कोई बदलाव नहीं चाहते थे हिमेश

कीर्ति को हिमेश रेशमिया की बात का बुरा इसलिए नहीं लगा क्योंकि उनका फिल्म को लेकर अपना एक अलग विजन था। वह इसमें किसी तरह का बदलाव नहीं चाहते थे। इस बात को कीर्ति ने समझा और जैसे डायलॉग लिखे गए थे, उन्हें वैसा ही बोला। फिल्म 'बैडएस रविकुमार' भले ही बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली हो। इसने महज 8 करोड़ रुपये की कमाई ही की है। लेकिन यह फिल्म सोशल मीडिया पर खूब छाई। इस फिल्म के अजीब से डायलॉग ही दर्शकों को पसंद आए। इन डायलॉग्स पर खूब फनी रील्स बनाई गईं।

अनुमानों से बिल्कुल अलग बनने जा रही अनुभव की नई फिल्म

नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज आईसी 814 के निर्देशन से अंतरराष्ट्रीय सिने जगत में अपनी धाक जमाने वाले भारतीय निर्देशक अनुभव सिन्हा की अगली फीचर फिल्म को लेकर सिने जगत में बीते कई दिनों से हलचल है। कोई कह रहा है कि ये फिल्म मुल्क का सीक्वल है, किसी ने अंदाजा लगाया कि ये फिल्म एक कोर्ट रूम ड्रामा बनने जा रही है, लेकिन अमर उजाला के पास इस बात की ठोस जानकारी है कि अनुभव सिन्हा की अगली फिल्म न मुल्क 2 है, और न ही ये एक कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म होने जा रही है। अनुभव सिन्हा की फिल्म निर्माण कंपनी बनारस मीडिया वर्क्स में इन दिनों शूटिंग शुरू होने से पहले की काफी हलचल बताई जा रही है। अनुभव अपनी राइटर्स टीम के साथ बीते एक महीने से दिन रात काम करते रहे हैं। अनुभव की ये आदत रही है कि जब तक फिल्म की कहानी उनको संतुष्ट नहीं करती है, वह शूटिंग शुरू नहीं करते हैं। इसके अलावा जिन्होंने भी उनका मुंबई में अंधेरी स्थित कार्यालय देखा है, वे बताते हैं कि उनको पढ़ने का बहुत शौक है। उनके दफ्तर की दीवारें किताबों से भरी नजर आती हैं।

अगले साल अनुभव सिन्हा की पहली फिल्म तुम बिन को रिलीज हुए 25 साल हो जाएंगे। उनके करीबी बताते हैं कि अनुभव सिन्हा अब जो भी फिल्में बना रहे हैं, वे अपने अनुभवों को अपने फिल्म निर्देशन की धार बनाकर ही बना रहे हैं। किसी विषय को लेकर जिद पर अड़ना वह छोड़ चुके हैं, और इसका सबसे बड़ा फायदा उनकी मेकिंग में दिखा वेब सीरीज आईसी 814 के दौरान। इस सीरीज के निर्देशन से राहत पाते ही अनुभव ने अपनी अगली फिल्म शुरू कर दी थी, जिसकी शूटिंग अब जानकारी के मुताबिक अप्रैल महीने में दिल्ली में होगी। अनुभव सिन्हा की गिनती हिंदी सिनेमा के उन नामचीन निर्देशकों में की जाती है, जिनके पास सिनेमा की विविधता है। वह तुम बिन, आर्टिकल 15, अनेक, भीड़ और थप्पड़ जैसी फिल्में निर्देशित कर चुके हैं और अब बताते हैं कि उनकी जो अगली अनाम फिल्म है, उसमें कोर्टरूम के दृश्य तो हैं, लेकिन इसे पूरी तरह से कोर्ट रूम ड्रामा नहीं कहा जा सकता है। सूत्र बताते हैं कि फिल्म का करीब 75 फीसदी हिस्सा कोर्ट रूम के बाहर शूट होना है।

तापसी पन्नू और अनुभव सिन्हा की एक साथ ये तीसरी फिल्म होगी। इससे पहले दोनों ने थप्पड़ (2020) और मुल्क (2018) में साथ काम किया है। थप्पड़ को क्रिटिक्स से शानदार रिव्यू मिले थे। यह फिल्म महिलाओं ने काफी सराही, क्योंकि इसमें महिला सम्मान के एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दे को उठाया गया था। तापसी को इस फिल्म के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था। इससे पहले मुल्क को भी बेस्ट स्टोरी और बेस्ट फिल्म का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिल चुका है।

बच्ची के जन्म पर पैटरनिटी लीव न मिलने पर दुख हुआ

हंसल मेहता की वेब सीरीज स्कैम 1994 से हिंदी सिनेमा जगत में चमकने वाले ऐक्टर प्रतीक गांधी लगातार बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय का जलवा बिखेर रहे हैं। इन दिनों वह ओटीटी पर आई फिल्म धूम धाम को लेकर चर्चा में हैं।

स्कैम 1994 में हर्षद मेहता का कॉम्पलेक्स किरदार निभाना हो या मडगांव एक्सप्रेस में कॉमिडी करना, ऐक्टर प्रतीक गांधी अपनी हर भूमिका में पानी की तरह फिट हो जाते हैं। इन दिनों वह अपनी नई फिल्म धूम धाम को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म अरेंज्ड मैरिज के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जबकि आज बहुत से लोग शादी को ही खत्म होती संस्था करार दे रहे हैं। हालांकि, प्रतीक इस सोच से इत्तेफाक नहीं रखते। उनका कहना है कि शादी जिंदगी का एक खूबसूरत हिस्सा है।

शादी और साथी दोनों खूबसूरत

बकौल प्रतीक गांधी, शादी जिंदगी का खूबसूरत हिस्सा है। मेरा निजी अनुभव तो यही है, क्योंकि बचपन से मैंने आसपास के जिन भी लोगों को देखा है। अपने माता पिता को देखा है, वे सभी अपनी शादीशुदा जिंदगी में बहुत खुश रहे हैं। शादी का सबसे अच्छा पहलू है किसी का साथ मिलना। आज के समय में वैसे भी रिश्ते बहुत नाजुक हो गए हैं। डिजिटल दुनिया में लोग अपने-अपने अलग स्पेस में रह रहे हैं, तो वैसे ही इतना अकेलापन है, उसमें शादी जैसा रिश्ता भी नहीं रहेगा तो लोगों के मेंटल हेल्थ के लिए भी बहुत खराब होगा। आपको एक ऐसा साथी चाहिए ही होता है जो आपके हर मूड में, उतार-चढ़ाव के दौर में साथ रहे, भले ही वह कुछ करे या ना करे, मगर वह कंपैनियनशिप बहुत जरूरी है और मुझे वह साथ मेरी शादी में मिला है। इसलिए, मेरे हिसाब से तो शादी जिंदगी में बहुत महत्वपूर्ण है।

बच्ची के जन्म पर नहीं मिली पैटरनिटी लीव

फिल्म धूम धाम लड़कियों में ऊपर लगने वाली सामाजिक पाबंदियों पर भी जोरदार सवाल करती है। मगर क्या पुरुषों को लेकर कोई ऐसे स्टीरियोटाइप्स हैं, जिनसे प्रतीक को शिकायत है? इस पर वह कहते हैं, बहुत सारे हैं। जैसे, एक चीज जिससे मैंने खुद गुजरा हूं, वह है हमें पैटरनिटी लीव ना मिलना। जब मेरी बेटी का जन्म हुआ था, तब मैं कारपोरेट में जॉब करता था और मुझे भी छुट्टी चाहिए थी, पर इंडिया में पैटरनिटी लीव वाला कॉन्सेप्ट ही नहीं था। मैं समझता हूं कि उस वक्त एक मां बहुत सारे फिजिकल और इमोशनल बदलावों से गुजरती है तो उसे लीव मिलनी ही चाहिए, पर जब आप पहली बार पिता बनते हैं, तब भी इतनी सारी चीजें अंदर हो रही होती हैं कि उसे बता भी नहीं सकते। मैं बस बेटी के साथ रहना चाहता था, मगर सब जगह यही पूछा जाता था कि क्या जरूरत है ! अभी तो बच्ची बहुत छोटी है, आप अपना काम पूरा करें और मुझे नहीं पता था कि इसके बारे में क्या करना चाहिए।

साफ-सफाई रखना कब सीखेंगे!

प्रतीक आने वाले दिनों में फिल्म फुले में ज्योतिबा फुले और वेब सीरीज गांधी में महात्मा गांधी जैसे समाज सुधारकों की भूमिका निभा रहे हैं। निजी तौर पर वह समाज की किस बुराई में सुधार चाहते हैं? यह पूछने पर उन्होंने कहा, सबसे बड़ा सुधार जो होना चाहिए, वह है अपने आसपास की सफाई। यह बहुत ही बेसिक चीज है, मगर हमने गंदगी को जिंदगी का आम हिस्सा बना दिया है। अभी तो इससे किसी को फर्क भी नहीं पड़ता। सबको सब चलने लगा है। एक बेजुबान जानवर भी जहां बैठता है, वहां पहले सूंघ कर-साफ करके बैठता है, मगर हम जहां बैठते हैं, वहीं गंदगी फैलाकर चले जाते हैं। तकलीफ इस बात की है कि अनजाने में यह चीज हम अपनी अगली पीढ़ी को भी सिखा रहे हैं कि चॉकलेट खाई, रैपर वहीं फेंक दिया या आप कहीं भी थूक सकते हैं, कहीं भी कचरा डाल सकते हैं। मुझे यह चीज बहुत परेशान करती है। पता नहीं इस ओर कब सुधार आएगा।